ओ३म्

पाणिनीयाष्टाध्यायीसूत्रपाठः

सम्पादन एवं टंकन :

ब्र.अरुणकुमार "आर्यवीर"

सांतसा प्रकाशन

आर्ष शोध संस्थान,

पाणिनीया पाठशाला,

अलियाबाद, मंडल शामीरपेट, जिला मेडिचल, तेलंगाणा ५००१०१

दूरभाष : ७६६६९८६८३७, ८०७४८७२०२८

E-mail : 1aryaveer@gmail.com Web : www.santasa.org

प्राक्कथन

आर्ष क्रम से व्याकरण पठन-पाठन के सौकर्य हेतु ऋषि पाणिनि द्वारा रचित अष्टाध्यायी सूत्रपाठ को अनुवृत्ति अधिकार सहित इस पुस्तक के रूप में टंकित करने का सौभाग्य मुझे ईश्वर की महती कृपा से आज से लगभग दस वर्षों पूर्व आर्य जगत् के अनेकों गुरुकुलों के आचार्यों के निर्माता लब्धप्रतिष्ठ स्व. आचार्य बलदेव जी नैष्ठिक के चरणकमलों में रोहतक में बैठ अष्टाध्यायी प्रथमावृत्ति प्रारम्भ करते हुए प्राप्त हुआ था। आप आचार्यश्री से ही आप ही के द्वारा लिखित अष्टाध्यायी प्रवेश नामक सुप्रसिद्ध पुस्तक का द्वितीय संस्करण के संगणकीय टंकन एवं तीन वर्ष बाद इस का मुद्रण-प्रकाशन का भी सौभाग्य मेरा रहा है। विचार टी.वी. के प्रारम्भिक दिनों में मित्रों के आग्रह पर अध्ययन स्थगित कर प्रचार कार्यों में संलग्न हो गया था.. आज इतने वर्षों बाद अध्ययन-अध्यापन का सौभाग्य आचार्य आनन्दप्रकाश जी की सर्वश्रेष्ठ शिष्या श्रद्धेया आचार्या नीरजा जी से गोविन्द शान्ति बिंजराजका वटुक विकास केन्द्र अलियाबाद में संचालित पाणिनीया पाठशाला में पुनः प्राप्त हो गया है। इस अवसर पर मेरे साथ पठनार्थी वटुकों, ब्रह्मचारियों एवं आर्ष कन्या गुरुकुल की बहनों तथा विश्वभर में अष्टाध्यायी क्रम से पठनार्थियों के लिए मुद्रित कराई जा रही हैं.. मुखपृष्ठ चित्र हेतु बहन सुश्री माधुरी जी तथा आवरण के संगणकीय चित्रण हेतु श्री राधावल्लभ जी का धन्यवाद..!! इनका मुद्रण व्यय दिल्ली के श्री जितेन्द्र जी भाटिया ने सहर्ष वहन किया है एतदर्थ उनका हार्दिक आभार.. उनके इस योगदान से अन्य गुरुकुलों में आर्ष क्रम से पढ़नेवाले व्याकरण अध्येताओं को भी यह पुस्तक निःशुल्क उपलब्ध कराई जा सकेगी। आशा है इस प्रयास का स्वागत होगा...

"आर्यवीर"

द्वित्राः शब्दाः

महर्षि पाणिनि के व्याकरण-शास्त्र में आठ अध्याय हैं इसलिए इसे अष्टाध्यायी कहते हैं। इसमें महर्षि पाणिनि ने लगभग ४००० सूत्रों के द्वारा संस्कृत-भाषा का अत्यन्त वैज्ञानिक व्याकरण प्रस्तुत करके विद्वानों को आश्चर्य में डाल दिया है। वैज्ञानिक दृष्टि से संस्कृत भाषा का जितना सुन्दर विवेचन पाणिनि ने किया है, वैसा विवेचन अन्यत्र उपलब्ध नहीं होता। हम दृढता से कह सकते हैं कि पाणिनि जैसा भाषा-मर्मज्ञ वैयाकरण संसार में अन्यत्र कहीं नहीं हुआ।

यह संस्कृत व्याकरण मानव मस्तिष्क की प्रतिभा का आश्चर्यतम नमूना है, जिसे किसी देश ने अब तक सामने नहीं रखा। इसमें व्याकरण के नियम अत्यन्त सतर्कता से बनाए गए हैं। उनकी शैली अत्यन्त प्रतिभापूर्ण है।

ब्लूमफील्ड कहता है- "यह पाणिनि का व्याकरण मानव-बुद्धि के सर्वोच्च कीर्तिस्तम्भों में से एक है"। यह व्याकरण शास्त्र मुक्ति का द्वार या उपाय है। वाणी के मलस्थानीय जो अपभ्रंश शब्द हैं, उनका चिकित्सक है। सम्पूर्ण विद्याओं में व्याकरण विद्या पवित्र है तथा सारी विद्याएं शब्द-संस्कार के लिए इसी का आश्रय लेती हैं।

यदि आर्य बन्धु स्वतन्त्र भारत में आर्ष पद्धति से पठन-पाठन के लिए तन-मन-धन से प्रयत्न करें, तो वैदिक-विद्या के प्रचार-प्रसार से देश का गौरव बढ़ेगा। संसार एक स्वर से कहेगा- "वही वृद्ध भारत गुरु है हमारा"।

भगवान् पाणिनि के व्याकरण की यह प्रमुख विशेषता है कि अनुवृत्तियों के उपयोग से बड़े आशय को छोटे से सूत्र से

कह देना। इसी विशेषता को ध्यान में रखकर ब्र.अरुणकुमार जी 'आर्यवीर' ने अनुवृत्ति प्रदर्शन सहित अष्टाध्यायी का सम्पादन किया है। आशा है यह पुस्तक व्याकरण के आरम्भिक विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगी।

आर्ष शोध संस्थान
अलियाबाद (तेलंगाणा) दूर.: +९१-९९८९३९५०३३

विदुषां विधेयः
आचार्य आनन्दप्रकाशः

प्रथम संस्करण : विलम्बि नाम संवत्, अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस, दक्षिणायन आरम्भ गते १ नभस्य सौरमास, आषाढ शुक्ल ९, २०७५ विक्रमी, तदनुसार २१ जून २०१८
मुखपृष्ठ पाणिनि जी का चित्र : सुश्री माधुरी आर्या (ध्रांगध्रा, गुजरात)
मुखपृष्ठ संगणकीय चित्रण : सफलता विज्ञान (जबलपुर) डॉ. राधावल्लभ
मुद्रण व्यय संयोजन : श्री जितेन्द्र जी भाटिया (दिल्ली)
मुद्रक : अजय प्रिंटर्स, दिल्ली ११००३२, **प्रथम संस्करण :** २००० प्रतियाँ
पुस्तक प्राप्ति स्थान : आर्ष शोध संस्थान, पाणिनीया पाठशाला, अलियाबाद, मंडल शामीरपेट, जिला मेडिचल, तेलंगाणा ५००१०१ दूरभाष : ७६६६९८६८३७, ८०७४८७२०२८

अनुक्रमणिका

अध्याय १ पाद १ पृ. ०५, पाद २ पृ. ०८, पाद ३ पृ. १०, पाद ४ पृ. १३,
अध्याय २ पाद १ पृ. १८, पाद २ पृ. २१, पाद ३ पृ. २३, पाद ४ पृ. २५,
अध्याय ३ पाद १ पृ. २९, पाद २ पृ. ३४, पाद ३ पृ. ४३, पाद ४ पृ. ५१,
अध्याय ४ पाद १ पृ. ५७, पाद २ पृ. ६६, पाद ३ पृ. ७३, पाद ४ पृ. ८३,
अध्याय ५ पाद १ पृ. ९२, पाद २ पृ. १००, पाद ३ पृ. १०९, पाद ४ पृ. ११६,
अध्याय ६ पाद १ पृ. १२७, पाद २ पृ. १३४, पाद ३ पृ. १४२, पाद ४ पृ. १४७,
अध्याय ७ पाद १ पृ. १५४, पाद २ पृ. १५७, पाद ३ पृ. १६२, पाद ४ पृ. १६७,
अध्याय ८ पाद १ पृ. १७१, पाद २ पृ. १७४, पाद ३ पृ. १७८, पाद ४ पृ. १८४

अथाष्टाध्यायीसूत्रपाठः

अथ प्रत्याहारसूत्राणि

१) अ इ उ ण्। २) ऋ लृ क्। ३) ए ओ ङ्। ४) ऐ औ च्।
५) ह य व र ट्। ६) ल ण्। ७) ञ म ङ ण न म्। ८) झ भ ञ्।
९) घ ढ ध ष्। १०) ज ब ग ड द श्। ११) ख फ छ ठ थ च ट त व्।
१२) क प य्। १३) श ष स र्। १४) ह ल्।

।।इति चतुर्दश प्रत्याहारसूत्राणि।।

अथ प्रथमोध्यायः

तत्र प्रथमः पादः

१. **वृद्धिरादैच्**
२. **अदेङ् गुणः**
३. **इको गुणवृद्धी** (वृद्धिः, गुणः)
४. **न धातुलोप आर्द्धधातुके** (इको गुणवृद्धी)
५. **क्क्ङिति च** (इको गुणवृद्धी, न)
६. **दीधी-वेवीटाम्** (इको गुणवृद्धी, न)
७. **हलो ऽनन्तराः संयोगः**
८. **मुख-नासिका-वचनो ऽनुनासिकः**
९. **तुल्यास्य-प्रयत्नं सवर्णम्**
१०. **नाज्झलौ** (तुल्यास्यप्रयत्नम् सवर्णम्)
११. **ईदूदेद्-द्विवचनं प्रगृह्यम्**
१२. **अदसो मात्** (ईदूदेत्, प्रगृह्यम्)
१३. **शे** (प्रगृह्यम्)
१४. **निपात एकाजनाङ्** (प्रगृह्यम्)
१५. **ओत्** (निपातः, प्रगृह्यम्)
१६. **सम्बुद्धौ शाकल्यस्येतावनार्षे** (ओत्, प्रगृह्यम्)
१७. **उञ ऊँ** (शाकल्यस्य, इतौ अनार्षे, प्रगृह्यम्)

१८. **ईदूतौ च सप्तम्यर्थे** (प्रगृह्यम्)
१९. **दाधाघ्वदाप्**
२०. **आद्यन्तवदेकस्मिन्**
२१. **तरप्तमपौ घः**
२२. **बहु-गण-वतुँ-डति संख्या**
२३. **ष्णान्ता षट्** (संख्या)
२४. **डति च** (षट्, संख्या)
२५. **क्त-क्तवतूँ निष्ठा**
२६. **सर्वादीनि सर्वनामानि**
२७. **विभाषा दिक्समासे बहुव्रीहौ** (सर्वादीनि सर्वनामानि)
२८. **न बहुव्रीहौ** (सर्वादीनि सर्वनामानि)
२९. **तृतीयासमासे** (न, सर्वादीनि सर्वनामानि)
३०. **द्वन्द्वे च** (न, सर्वादीनि सर्वनामानि)
३१. **विभाषा जसि** (द्वन्द्वे, न, सर्वादीनि सर्वनामानि)
३२. **प्रथम-चरम-तयाल्पार्ध-कतिपय-नेमाश्च** (विभाषा जसि, सर्वनामानि)
३३. **पूर्व-परावर-दक्षिणोत्तरापराधराणि व्यवस्थायामसंज्ञायाम्** (विभाषा जसि, सर्वनामानि)
३४. **स्वमज्ञातिधनाख्यायाम्** (विभाषा जसि, सर्वनामानि)
३५. **अन्तरं बहिर्योगोपसंव्यानयोः** (विभाषा जसि, सर्वनामानि)
३६. **स्वरादिनिपातमव्ययम्**
३७. **तद्धितश्चासर्वविभक्तिः** (अव्ययम्)
३८. **कृन्मेजन्तः** (अव्ययम्)
३९. **क्त्वा-तोसुँन्-कसुँनः** (अव्ययम्)
४०. **अव्ययीभावश्च** (अव्ययम्)
४१. **शि सर्वनामस्थानम्**
४२. **सुडनपुंसकस्य** (सर्वनामस्थानम्)
४३. **न वेति विभाषा**
४४. **इग्यणः सम्प्रसारणम्**
४५. **आद्यन्तौ टकितौ**
४६. **मिदचोऽन्त्यात् परः**

४७. **एच इग्घ्रस्वादेशे**
४८. **षष्ठी स्थानेयोगा**
४६. **स्थानेऽन्तरतमः** (स्थाने)
५०. **उरण्रपरः** (स्थाने)
५१. **अलोऽन्त्यस्य** (षष्ठी)
५२. **ङिच्च** (अलः अन्त्यस्य, षष्ठी)
५३. **आदेः परस्य**
५४. **अनेकाल्शित् सर्वस्य** (षष्ठी)
५५. **स्थानिवदादेशोऽनल्विधौ**
५६. **अचः परस्मिन् पूर्वविधौ** (स्थानिवद् आदेशः)
५७. **न पदान्त-द्विर्वचन-वरे-यलोप-स्वर-सवर्णानुस्वार-दीर्घ-जश्चर्विधिषु** (अचः परस्मिन्, स्थानिवद् आदेशः)
५८. **द्विर्वचनेऽचि** (अचः, स्थानिवद् आदेशः)
५६. **अदर्शनं लोपः** (इति)
६०. **प्रत्ययस्य लुक्श्लुलुपः** (अदर्शनम्)
६१. **प्रत्ययलोपे प्रत्ययलक्षणम्**
६२. **न लुमताङ्गस्य** (प्रत्ययलोपे प्रत्ययलक्षणम्)
६३. **अचोऽन्त्यादि टि**
६४. **अलोऽन्त्यात्पूर्व उपधा**
६५. **तस्मिन्निति निर्दिष्टे पूर्वस्य**
६६. **तस्मादित्युत्तरस्य** (निर्दिष्टे)
६७. **स्वं रूपं शब्दस्याशब्दसंज्ञा**
६८. **अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः**(स्वं रूपम्)
६९. **तपरस्तत्कालस्य** (सवर्णस्य, स्वं रूपम्)
७०. **आदिरन्त्येन सहेता**
७१. **येन विधिस्तदन्तस्य** (स्वं रूपम्)
७२. **वृद्धिर्यस्याचामादिस्तद् वृद्धम्**
७३. **त्यदादीनि च** (वृद्धम्)
७४. **एङ् प्राचां देशे** (यस्य अचाम् आदिः वृद्धम्)

द्वितीयः पादः

१. **गाङ्कुटादिभ्यो ऽञ्णिन्ङित्**
२. **विज इट्** (ङित्)
३. **विभाषोर्णोः** (इट् ङित्)
४. **सार्वधातुकमपित्** (ङित्)
५. **असंयोगाल्लिँट्कित्** (अपित्)
६. **इन्धिभवतिभ्यां च** (लिट्, कित्)
७. **मृड-मृद-गुध-कुष-क्लिश-वद-वसः क्त्वा** (कित्)
८. **रुद-विद-मुष-ग्रहि-स्वपि-प्रच्छः संश्च** (क्त्वा, कित्)
९. **इको झल्** (सन्, कित्)
१०. **हलन्ताच्च** (इको झल्, सन्, कित्)
११. **लिँङ्सिँचावात्मनेपदेषु** (हलन्तात्, इको झल्, कित्)
१२. **उश्च** (लिँङ्सिँचावात्मनेपदेषु, झल्, कित्)
१३. **वा गमः** (लिँङ्सिँचावात्मनेपदेषु, झल्, कित्)
१४. **हनः सिँच्** (आत्मनेपदेषु, कित्)
१५. **यमो गन्धने** (सिँच्, आत्मनेपदेषु, कित्)
१६. **विभाषोपयमने** (यमः, सिँच्, आत्मनेपदेषु, कित्)
१७. **स्थाघ्वोरिच्च** (सिँच्, आत्मनेपदेषु, कित्)
१८. **न क्त्वा सेट्** (कित्)
१९. **निष्ठा शीङ्-स्विदि-मिदि-क्ष्विदि-धृषः** (न सेट्, कित्)
२०. **मृषस्तितिक्षायाम्** (निष्ठा, न सेट्, कित्)
२१. **उदुपधाद्भावादिकर्मणोरन्यतरस्याम्** (निष्ठा, न सेट्, कित्)
२२. **पूङः क्त्वा च** (निष्ठा, न सेट्, कित्)
२३. **नोपधात्थफान्ताद्वा** (क्त्वा, न सेट, कित्)
२४. **वञ्चिलुञ्च्यृतश्च** (वा क्त्वा, न सेट, कित्)
२५. **तृषि-मृषि-कृषेः काश्यपस्य** (वा क्त्वा, न सेट, कित्)
२६. **रलो व्युपधाद्धलादेः संश्च** (वा क्त्वा, न सेट, कित्)
२७. **ऊकालो ऽज्झ्रस्व-दीर्घ-प्लुतः**
२८. **अचश्च**
२९. **उच्चैरुदात्तः** (अच्)

३०. **नीचैरनुदात्तः** (अच्)
३१. **समाहारः स्वरितः** (अच्)
३२. **तस्यादित उदात्तमर्धह्रस्वम्**
३३. **एकश्रुति दूरात्संबुद्धौ**
३४. **यज्ञकर्मण्यजप-न्यूङ्ख-सामसु** (एकश्रुति)
३५. **उच्चैस्तरां वा वषट्कारः** (यज्ञकर्मणि, एकश्रुति)
३६. **विभाषा छन्दसि** (एकश्रुति)
३७. **न सुब्रह्मण्यायां स्वरितस्य तूदात्तः** (एकश्रुति)
३८. **देवब्रह्मणोरनुदात्तः** (स्वरितस्य)
३९. **स्वरितात्संहितायामनुदात्तनाम्** (एकश्रुति)
४०. **उदात्त-स्वरित-परस्य सन्नतरः** (संहितायामनुदात्तनाम्)
४१. **अपृक्तएकाल्प्रत्ययः**
४२. **तत्पुरुषः समानाधिकरणः कर्मधारयः**
४३. **प्रथमानिर्दिष्टं समास उपसर्जनम्**
४४. **एकविभक्ति चापूर्वनिपाते** (समास उपसर्जनम्)
४५. **अर्थवदधातुरप्रत्ययः प्रातिपदिकम्**
४६. **कृत्तद्धितसमासाश्च** (प्रातिपदिकम्)
४७. **ह्रस्वोनपुंसके प्रातिपदिकस्य**
४८. **गोस्त्रियोरुपसर्जनस्य** (ह्रस्वः, प्रातिपदिकस्य)
४९. **लुक्तद्धितलुकि** (स्त्री, उपसर्जनस्य)
५०. **इद् गोण्याः** (तद्धितलुकि)
५१. **लुपि युक्तवद्व्यक्तिवचने**
५२. **विशेषणानां चाजातेः** (लुपि युक्तवद् व्यक्तिवचने)
५३. **तदशिष्यं संज्ञाप्रमाणत्वात्**
५४. **लुब्योगाप्रख्यानात्** (अशिष्यम्)
५५. **योगप्रमाणे च तदभावेऽदर्शनं स्यात्** (अशिष्यम्)
५६. **प्रधान-प्रत्ययार्थ-वचनमर्थस्यान्यप्रमाणत्वात्** (अशिष्यम्)
५७. **कालोपसर्जने च तुल्यम्** (अशिष्यम्)
५८. **जात्याख्यायामेकस्मिन्बहुवचनमन्यतरस्याम्**
५९. **अस्मदो द्वयोश्च** (एकस्मिन् बहुवचनम् अन्यतरस्याम्)

६०. **फल्गुनीप्रोष्ठपदानां च नक्षत्रे** (द्वयोः, बहुवचनम्, अन्यतरस्याम्)
६१. **छन्दसि पुनर्वस्वोरेकवचनम्** (नक्षत्रे, द्वयोः, अन्यतरस्याम्)
६२. **विशाखयोश्च** (छन्दसि, एकवचनम्, नक्षत्रे, अन्यतरस्याम्)
६३. **तिष्य-पुनर्वस्वोर्नक्षत्रद्वन्द्वे बहुवचनस्य द्विवचनं नित्यम्**
६४. **सरूपाणामेकशेष एकविभक्तौ**
६५. **वृद्धो यूना तल्लक्षणश्चेदेव विशेषः** (शेषः)
६६. **स्त्री पुंवच्च** (वृद्धो यूना तल्लक्षणश्चेदेव विशेषः शेषः)
६७. **पुमान्स्त्रिया** (तल्लक्षणश्चेदेव विशेषः, शेषः)
६८. **भ्रातृ-पुत्रौ स्वसृ-दुहितृभ्याम्** (शेषः)
६९. **नपुंसकमनपुंसकेनैकवच्चास्यान्यतरस्याम्** (तल्लक्षणश्चेदेव विशेषः, शेषः)
७०. **पिता मात्रा** (अन्यतरस्याम्, शेषः)
७१. **श्वसुरः श्वश्र्वा** (अन्यतरस्याम्)
७२. **त्यदादीनि सर्वैर्नित्यम्** (शेषः)
७३. **ग्राम्यपशुसङ्घेष्वतरुणेषु स्त्री** (शेषः)

तृतीयः पादः

१. **भूवादयो धातवः**
२. **उपदेशेऽजनुनासिक इत्**
३. **हलन्त्यम्** (उपदेशे, इत्)
४. **न विभक्तौ तुँस्माः** (उपदेशे, हलन्त्यम्, इत्)
५. **आदिर्ञिटुडवः** (उपदेशे, इत्)
६. **षः प्रत्ययस्य** (आदिः, उपदेशे, इत्)
७. **चुँटूँ** (प्रत्ययस्य, आदिः, उपदेशे, इत्)
८. **लशक्वतद्धिते** (प्रत्ययस्य, आदिः, उपदेशे, इत्)
९. **तस्य लोपः**
१०. **यथासंख्यमनुदेशः समानाम्**
११. **स्वरितेनाधिकारः**
१२. **अनुदात्त-ङित आत्मनेपदम्**
१३. **भावकर्मणोः** (आत्मनेपदम्)

१४. **कर्तरि कर्मव्यतिहारे** (आत्मनेपदम्)
१५. **न गति-हिंसार्थेभ्यः** (कर्मव्यतिहारे, आत्मनेपदम्)
१६. **इतरेतरान्योऽन्योपपदाच्च** (न, कर्मव्यतिहारे, आत्मनेपदम्)
१७. **नेर्विशः** (आत्मनेपदम्)
१८. **परि-व्यवेभ्यः क्रियः** (आत्मनेपदम्)
१९. **वि-पराभ्यां जेः** (आत्मनेपदम्)
२०. **आङो दोऽनास्यविहरणे** (आत्मनेपदम्)
२१. **क्रीडोऽनुसंपरिभ्यश्च** (आङः आत्मनेपदम्)
२२. **समव-प्र-विभ्यः स्थः** (आत्मनेपदम्)
२३. **प्रकाशन-स्थेयाख्ययोश्च** (स्थः, आत्मनेपदम्)
२४. **उदोऽनूर्ध्वकर्मणि** (स्थः, आत्मनेपदम्)
२५. **उपान्मन्त्रकरणे** (स्थः, आत्मनेपदम्)
२६. **अकर्मकाच्च** (उपात्, स्थः, आत्मनेपदम्)
२७. **उद्विभ्यां तपः** (अकर्मकात्, आत्मनेपदम्)
२८. **आङो यमहनः** (अकर्मकात्, आत्मनेपदम्)
२९. **समो गम्यृच्छिभ्याम्** (अकर्मकात्, आत्मनेपदम्)
३०. **निसमुपविभ्यो ह्वः** (आत्मनेपदम्)
३१. **स्पर्धायामाङः** (ह्वः आत्मनेपदम्)
३२. **गन्धनावक्षेपण-सेवन-साहसिक्य-प्रतियत्न-प्रकथनोपयोगेषु कृञः** (आत्मनेपदम्)
३३. **अधेः प्रसहने** (कृञः, आत्मनेपदम्)
३४. **वेः शब्दकर्मणः** (कृञः, आत्मनेपदम)
३५. **अकर्मकाच्च** (वेः, कृञः, आत्मनेपदम)
३६. **संमाननोत्सञ्जनाचार्य-करण-ज्ञान-भृति-विगणन-व्ययेषु नियः** (आत्मनेपदम्)
३७. **कर्तृस्थे चाशरीरे कर्मणि** (नियः, आत्मनेपदम्)
३८. **वृत्ति-सर्ग-तायनेषु क्रमः** (आत्मनेपदम्)
३९. **उप-पराभ्याम्** (वृत्तिसर्गतायनेषु क्रमः, आत्मनेपदम्)
४०. **आङ उद्गमने** (क्रमः, आत्मनेपदम्)
४१. **वेः पादविहरणे** (क्रमः, आत्मनेपदम्)

४२. **प्रोपाभ्यां समर्थाभ्याम्** (क्रमः, आत्मनेपदम्)
४३. **अनुपसर्गाद्वा** (क्रमः, आत्मनेपदम्)
४४. **अपह्नवे ज्ञः** (आत्मनेपदम्)
४५. **अकर्मकाच्च** (ज्ञः, आत्मनेपदम्)
४६. **संप्रतिभ्यामनाध्याने** (ज्ञः, आत्मनेपदम्)
४७. **भासनोपसंभाषा-ज्ञान-यत्न-विमत्युप-मन्त्रणेषु वदः** (आत्मनेपदम्)
४८. **व्यक्तवाचां समुच्चारणे** (वदः, आत्मनेपदम्)
४९. **अनोरकर्मकात्** (व्यक्तवाचां समुच्चारणे, वदः, आत्मनेपदम्)
५०. **विभाषा विप्रलापे** (व्यक्तवाचां समुच्चारणे, वदः, आत्मनेपदम्)
५१. **अवाद् ग्रः** (आत्मनेपदम्)
५२. **समः प्रतिज्ञाने** (ग्रः, आत्मनेपदम्)
५३. **उदश्चरः सकर्मकात्** (आत्मनेपदम्)
५४. **समस्तृतीयायुक्तात्** (चरः, आत्मनेपदम्)
५५. **दाणश्च सा चेच्चतुर्थ्यर्थे** (समस्तृतीयायुक्तात्, आत्मनेपदम्)
५६. **उपाद्यमः स्वकरणे** (आत्मनेपदम्)
५७. **ज्ञा-श्रु-स्मृ-दृशां सनः** (आत्मनेपदम्)
५८. **नानोर्ज्ञः** (सनः, आत्मनेपदम्)
५९. **प्रत्याङ्भ्यां श्रुवः** (न, सनः, आत्मनेपदम्)
६०. **शदेः शितः** (आत्मनेपदम)
६१. **म्रियतेर्लुँङ्लिँङोश्च** (शितः, आत्मनेपदम्)
६२. **पूर्ववत्सनः** (आत्मनेपदम्)
६३. **आम्प्रत्ययवत्कृञोऽनुप्रयोगस्य** (आत्मनेपदम्)
६४. **प्रोपाभ्यां युजेरयज्ञपात्रेषु** (आत्मनेपदम्)
६५. **समः क्ष्णुवः** (आत्मनेपदम्)
६६. **भुजोऽनवने** (आत्मनेपदम्)
६७. **णेरणौ यत्कर्म णौ चेत्स कर्ताऽनाध्याने** (आत्मनेपदम्)
६८. **भीस्म्योर्हेतुभये** (णेः, आत्मनेपदम्)
६९. **गृधिवञ्च्योः प्रलम्भने** (णेः, आत्मनेपदम्)
७०. **लियः संमाननशालीनीकरणयोश्च** (णेः, आत्मनेपदम्)
७१. **मिथ्योपपदात्कृञोऽभ्यासे** (णेः, आत्मनेपदम्)

७२. **स्वरित-ञितः कर्त्रभिप्राये क्रियाफले** (आत्मनेपदम्)
७३. **अपाद्वदः** (कर्त्रभिप्राये क्रियाफले, आत्मनेपदम्)
७४. **णिचश्च** (कर्त्रभिप्राये क्रियाफले, आत्मनेपदम्)
७५. **समुदाङ्भ्यो यमोऽग्रन्थे** (कर्त्रभिप्राये क्रियाफले, आत्मनेपदम्)
७६. **अनुपसर्गाज्ज्ञः** (कर्त्रभिप्राये क्रियाफले, आत्मनेपदम्)
७७. **विभाषोपपदेन प्रतीयमाने** (कर्त्रभिप्राये क्रियाफले, आत्मनेपदम्)
७८. **शेषात्कर्तरि परस्मैपदम्**
७९. **अनु-पराभ्यां कृञः** (परस्मैपदम्)
८०. **अभि-प्रत्यतिभ्यः क्षिपः** (परस्मैपदम्)
८१. **प्राद्वहः** (परस्मैपदम्)
८२. **परेर्मृषः** (परस्मैपदम्)
८३. **व्याङ्परिभ्यो रमः** (परस्मैपदम्)
८४. **उपाच्च** (रमः, परस्मैपदम्)
८५. **विभाषाऽकर्मकात्** (उपात्, रमः, परस्मैपदम्)
८६. **बुध-युध-नश-जनेङ्-प्रु-द्रु-स्रुभ्यो णेः** (परस्मैपदम्)
८७. **निगरण-चलनार्थेभ्यश्च** (णेः, परस्मैपदम्)
८८. **अणावकर्मकाच्चित्तवत्कर्तृकात्** (णेः, परस्मैपदम्)
८९. **न पा-दम्याङ्यम-याङ्यस-परि-मुह-रुचि-नृति-वद-वसः** (णेः, परस्मैपदम्)
९०. **वा क्यषः** (परस्मैपदम्)
९१. **द्युद्भ्यो लुँङि** (वा, परस्मैपदम्)
९२. **वृद्भ्यः स्य-सनोः** (वा, परस्मैपदम्)
९३. **लुँटि च क्लृपः** (स्यसनोः, वा, परस्मैपदम्)

चतुर्थः पादः

१. **आ कडारादेका संज्ञा**
२. **विप्रतिषेधे परं कार्यम्**
३. **यू स्त्र्याख्यौ नदी**
४. **नेयँङुवँङ्स्थानावस्त्री** (यू स्त्र्याख्यौनदी)
५. **वामि** (नेयँङुवँङ्स्थानावस्त्री, यू स्त्र्याख्यौनदी)

६. **ङिति ह्रस्वश्च** (वा, नेयँङुवँङ्स्थानावस्त्री, यू स्त्र्याख्यौनदी)
७. **शेषो घ्यसखि** (ह्रस्वः)
८. **पतिः समास एव** (घि)
९. **षष्ठीयुक्तश्छन्दसि वा** (पतिः, घि)
१०. **ह्रस्वं लघु**
११. **संयोगे गुरु** (ह्रस्वं)
१२. **दीर्घं च** (गुरु)
१३. **यस्मात्प्रत्ययविधिस्तदादि प्रत्ययेऽङ्गम्**
१४. **सुँप्तिङन्तं पदम्**
१५. **नः क्ये** (पदम्)
१६. **सिति च** (पदम्)
१७. **स्वादिष्वसर्वनामस्थाने** (पदम्)
१८. **यचि भम्** (स्वादिष्वसर्वनामस्थाने)
१९. **तसौ मत्वर्थे** (भम्)
२०. **अयस्मयादीनि छन्दसि**
२१. **बहुषु बहुवचनम्**
२२. **द्व्येकयोर्द्विवचनैकवचने**
२३. **कारके**
२४. **ध्रुवमपायेऽपादानम्** (कारके)
२५. **भीत्रार्थानां भयहेतुः** (अपादानम्, कारके)
२६. **पराजेरसोढः** (अपादानम्, कारके)
२७. **वारणार्थानामीप्सितः** (अपादानम्, कारके)
२८. **अन्तर्धौ येनादर्शनमिच्छति** (अपादानम्, कारके)
२९. **आख्यातोपयोगे** (अपादानम्, कारके)
३०. **जनिकर्तुः प्रकृतिः** (अपादानम्, कारके)
३१. **भुवः प्रभवः** (अपादानम्, कारके, कर्तुः)
३२. **कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्**
३३. **रुच्यर्थानां प्रीयमाणः** (सम्प्रदानम्, कारके)
३४. **श्लाघ-ह्नुङ्-स्था-शपां ज्ञीप्स्यमानः** (सम्प्रदानम्, कारके)
३५. **धारेरुत्तमर्णः** (सम्प्रदानम्, कारके)

३६. **स्पृहेरीप्सितः** (सम्प्रदानम्, कारके)
३७. **क्रुध-द्रुहेर्ष्यासूयार्थानां यं प्रति कोपः** (सम्प्रदानम्, कारके)
३८. **क्रुध-द्रुहोरुपसृष्टयोः कर्म** (यं प्रति कोपः, कारके)
३९. **राधीक्ष्योर्यस्य विप्रश्नः** (सम्प्रदानम्, कारके)
४०. **प्रत्याङ्भ्यां श्रुवः पूर्वस्य कर्ता** (सम्प्रदानम्, कारके)
४१. **अनुप्रतिगृणश्च** (पूर्वस्य कर्ता, सम्प्रदानम्, कारके)
४२. **साधकतमं करणम्** (कारके)
४३. **दिवः कर्म च** (साधकतमं, कारके)
४४. **परिक्रयणे सम्प्रदानमन्यतरस्याम्** (साधकतमं, कारके)
४५. **आधारोऽधिकरणम्** (कारके)
४६. **अधि-शीङ्-स्थासां कर्म** (आधारः, कारके)
४७. **अभिनिविशश्च** (कर्म, आधारः, कारके)
४८. **उपान्वध्याङ्वसः** (कारके, कर्म, आधारः)
४९. **कर्तुरीप्सिततमं कर्म** (कारके)
५०. **तथायुक्तं चानीप्सितम्** (कर्म, कारके)
५१. **अकथितं च** (कर्म, कारके)
५२. **गति-बुद्धि-प्रत्यवसानार्थ-शब्द-कर्माकर्मकाणामणिकर्ता स णौ** (कर्म, कारके)
५३. **हृकोरन्यतरस्याम्** (अणि कर्ता स णौ, कर्म, कारके)
५४. **स्वतन्त्रः कर्ता** (कारके)
५५. **तत्प्रयोजको हेतुश्च** (कर्त्ता, कारके)
५६. **प्राग्रीश्वरान्निपाताः**
५७. **चादयोऽसत्वे** (निपाताः)
५८. **प्रादयः उपसर्गाः क्रियायोगे** (असत्वे, निपाताः)
५९. **गतिश्च** (प्रादयः, क्रियायोगे)
६०. **ऊर्यादि-च्वि-डाचश्च** (गतिः, क्रियायोगे, निपाताः)
६१. **अनुकरणं चानितिपरम्** (गतिः, क्रियायोगे, निपाताः)
६२. **आदरानादरयोः सदसती** (गतिः, क्रियायोगे, निपाताः)
६३. **भूषणेऽलम्** (गतिः, क्रियायोगे, निपाताः)
६४. **अन्तरपरिग्रहे** (गतिः, क्रियायोगे, निपाताः)

६५. **कणेमनसी श्रद्धाप्रतीघाते** (गतिः, क्रियायोगे, निपाताः)
६६. **पुरोऽव्ययम्** (गतिः, क्रियायोगे, निपाताः)
६७. **अस्तं च** (अव्ययम्, गतिः, क्रियायोगे, निपाताः)
६८. **अच्छ गत्यर्थवदेषु** (अव्ययम्, गतिः, क्रियायोगे, निपाताः)
६९. **अदोऽनुपदेशे** (गतिः, क्रियायोगे, निपाताः)
७०. **तिरोऽन्तर्धौ** (गतिः, क्रियायोगे, निपाताः)
७१. **विभाषा कृञि** (तिरोऽन्तर्धौ, गतिः, क्रियायोगे, निपाताः)
७२. **उपाजेऽन्वाजे** (विभाषा कृञि, गतिः, क्रियायोगे, निपाताः)
७३. **साक्षात्प्रभृतीनि च** (विभाषा कृञि, गतिः, क्रियायोगे, निपाताः)
७४. **अनत्याधान उरसिमनसी** (विभाषा कृञि, गतिः, क्रियायोगे, निपाताः)
७५. **मध्ये पदे निवचने च** (अनत्याधान विभाषा कृञि, गतिः, क्रियायोगे, निपाताः)
७६. **नित्यं हस्ते पाणावुपयमने** (कृञि, गतिः, क्रियायोगे, निपाताः)
७७. **प्राध्वं बन्धने** (नित्यं, कृञि, गतिः, क्रियायोगे, निपाताः)
७८. **जीविकोपनिषदावौपम्ये** (नित्यं, कृञि, गतिः, क्रियायोगे, निपाताः)
७९. **ते प्राग्धातोः**
८०. **छन्दसि परेऽपि** (ते, धातोः)
८१. **व्यवहिताश्च** (छन्दसि, ते धातोः)
८२. **कर्मप्रवचनीयाः**
८३. **अनुर्लक्षणे** (कर्मप्रवचनीयाः, निपाताः)
८४. **तृतीयार्थे** (अनुः, कर्मप्रवचनीयाः, निपाताः)
८५. **हीने** (अनुः, कर्मप्रवचनीयाः, निपाताः)
८६. **उपोऽधिके च** (हीने, कर्मप्रवचनीयाः, निपाताः)
८७. **अपपरीवर्जने** (कर्मप्रवचनीयाः, निपाताः)
८८. **आङ्मर्यादावचने** (कर्मप्रवचनीयाः, निपाताः)
८९. **लक्षणेत्थंभूताख्यान-भाग-वीप्सासु प्रतिपर्यनवः** (कर्मप्रवचनीयाः, निपाताः)
९०. **अभिरभागे** (लक्षणेत्थंभूताख्यानभागवीप्सासु, कर्मप्रवचनीयाः, निपाताः)
९१. **प्रतिप्रतिनिधि-प्रतिदानयोः** (कर्मप्रवचनीयाः, निपाताः)
९२. **अधिपरी अनर्थकौ** (कर्मप्रवचनीयाः, निपाताः)

९३. **सुः पूजायाम्** (कर्मप्रवचनीयाः, निपाताः)
९४. **अतिरतिक्रमणे** (पूजायाम्, कर्मप्रवचनीयाः, निपाताः)
९५. **अपिः पदार्थ-सम्भावनाऽन्वव-सर्ग-गर्हा-समुच्चयेषु** (कर्मप्रवचनीयाः, निपाताः)
९६. **अधिरीश्वरे** (कर्मप्रवचनीयाः, निपाताः)
९७. **विभाषा कृञि** (अधिः, कर्मप्रवचनीयाः, निपाताः)
९८. **लः परस्मैपदम्**
९९. **तङानावात्मनेपदम्**
१००. **तिङस्त्रीणि त्रीणि प्रथममध्यमोत्तमाः**
१०१. **तान्येकवचन-द्विवचन-बहुवचनान्येकशः** (तिङः त्रीणि त्रीणि)
१०२. **सुँपः**
१०३. **विभक्तिश्च** (सुपः, तिङः त्रीणि-त्रीणि)
१०४. **युष्मद्युपपदे समानाधिकरणे स्थानिन्यपि मध्यमः**
१०५. **प्रहासे च मन्योपपदे मन्यतेरुत्तम एकवच्च** (युष्मद्युपपदे समानाधिकरणे स्थानिन्यपि मध्यमः)
१०६. **अस्मद्युत्तमः** (उपपदे समानाधिकरणे स्थानिन्यपि)
१०७. **शेषे प्रथमः**
१०८. **परः सन्निकर्षः संहिता**
१०९. **विरामोऽवसानम्**

द्वे ब्रह्मणी वेदितव्ये शब्दब्रह्म परं च यत्।
शब्दब्रह्मणि निष्णातः परं ब्रह्माधिगच्छति।।

येनाक्षरसमाम्नायमधिगम्य महेश्वरात्।
कृत्स्नं व्याकरणं प्रोक्तं तस्मै पाणिनये नमः।।

वाक्यकारं वररुचिं भाष्यकारं पतञ्जलिम्।
पाणिनिं सूत्रकारं च प्रणतोऽस्मि मुनित्रयम्।।

अथ द्वितीयोऽध्यायः

प्रथमः पादः

१. **समर्थः पदविधिः**
२. **सुबामन्त्रिते पराङ्गवत्स्वरे**
३. **प्राक्कडारात्समासः**
४. **सह सुपा** (समासः, सुप्)
५. **अव्ययीभावः**
६. **अव्ययं विभक्ति-समीप-समृद्धि-व्यृद्ध्यर्थाभावात्यया-संप्रति-शब्दप्रादुर्भाव-पश्चाद्यथानुपूर्व्य-यौगपद्यसादृश्य-सम्पत्ति-साकल्यान्त-वचनेषु** (सह सुपा, सुप्, समासः, अव्ययीभावः)
७. **यथाऽसादृश्ये** (अव्ययम्, सुप्, समासः, सह सुपा, अव्ययीभावः)
८. **यावदवधारणे** (अव्ययम्, सुप्, समासः, सह सुपा, अव्ययीभावः
९. **सुप्प्रतिना मात्रार्थे** (समासः, सह सुपा, अव्ययीभावः)
१०. **अक्षशलाकासंख्याः परिणा** (अव्ययीभावः, सुप्, सह सुपा, समासः)
११. **विभाषाऽपपरि-बहिरञ्चवः पञ्चम्या** (सुप्, सह सुपा, समासः, अव्ययीभावः)
१२. **आङ्मर्यादाभिविध्योः** (विभाषा पञ्चम्या, सुप्, सह सुपा, समासः, अव्ययीभावः)
१३. **लक्षणेनाभिप्रती आभिमुख्ये** (विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः, अव्ययीभावः)
१४. **अनुर्यत्समया** (लक्षणेन, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः, अव्ययीभावः)
१५. **यस्य चायामः** (अनुः, लक्षणेन, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः, अव्ययीभावः)
१६. **तिष्ठद्गुप्रभृतीनि च** अव्ययीभावः, समासः
१७. **पारे मध्ये षष्ठ्या वा** (अव्ययीभाव, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
१८. **संख्या वंश्येन** (विभाषा, अव्ययीभाव, सुप्, सह सुपा, समासः)
१९. **नदीभिश्च** (संख्या, विभाषा, अव्ययीभाव, सुप्, सह सुपा, समासः)
२०. **अन्यपदार्थे च संज्ञायाम्** (नदीभिः, अव्ययीभाव, सुप्, सह सुपा, समासः)
२१. **तत्पुरुषः** (सुप्, सह सुपा, समासः)
२२. **द्विगुश्च** (तत्पुरुषः)
२३. **द्वितीया श्रितातीत-पतित-गतात्यस्त-प्राप्तापन्नैः** (तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
२४. **स्वयं क्तेन** (तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

२५. **खट्वा क्षेपे** (क्तेन, द्वितीया, तत्पुरुषः, सुप्, सह सुपा, समासः)
२६. **सामि** (क्तेन, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
२७. **कालाः** (क्तेन, द्वितीया, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
२८. **अत्यन्तसंयोगे च** (कालाः, द्वितीया, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
२९. **तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवचनेन** (तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
३०. **पूर्व-सदृश-समोनार्थ-कलह-निपुण-मिश्र-श्लक्ष्णैः** (तृतीया, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
३१. **कर्तृकरणे कृता बहुलम्** (तृतीया, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
३२. **कृत्यैरधिकार्थवचने** (कर्तृकरणे, तृतीया, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
३३. **अन्नेन व्यञ्जनम्** (तृतीया, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
३४. **भक्ष्येण मिश्रीकरणम्** (तृतीया, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
३५. **चतुर्थी तदर्थार्थ-बलि-हित-सुख-रक्षितैः** (तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
३६. **पञ्चमी भयेन** (तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
३७. **अपेतापोढ-मुक्त-पतितापत्रस्तैरल्पशः** (पञ्चमी, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
३८. **स्तोकान्तिक-दूरार्थ-कृच्छ्राणि क्तेन** (पञ्चमी, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
३९. **सप्तमी शौण्डैः** (तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
४०. **सिद्ध-शुष्क-पक्व-बन्धैश्च** (सप्तमी, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
४१. **ध्वाङ्क्षेण क्षेपे** (सप्तमी, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
४२. **कृत्यैर्ऋणे** (सप्तमी, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
४३. **संज्ञायाम्** (सप्तमी, तत्पुरुषः, सुप्, सह सुपा, समासः)
४४. **क्तेनाहोरात्रावयवाः** (सप्तमी, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
४५. **तत्र** (क्तेन, सप्तमी, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
४६. **क्षेपे** (क्तेन, सप्तमी, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
४७. **पात्रेसमितादयश्च** (क्षेपे, सप्तमी, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

४८. **पूर्वकालैक-सर्व-जरत्पुराण-नवकेवलाः समानाधिकरणेन** (तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

४९. **दिक्संख्ये संज्ञायाम्** (समानाधिकरणेन, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

५०. **तद्धितार्थोत्तरपद-समाहारे च** (दिक्संख्ये, समानाधिकरणेन, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

५१. **संख्यापूर्वो द्विगुः**

५२. **कुत्सितानि कुत्सनैः** (समानाधिकरणेन, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

५३. **पापाणके कुत्सितैः** (कुत्सनैः, समानाधिकरणेन, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

५४. **उपमानानि सामान्यवचनैः** (समानाधिकरणेन, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

५५. **उपमितं व्याघ्रादिभिः सामान्याप्रयोगे** (समानाधिकरणेन, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

५६. **विशेषणं विशेष्येण बहुलम्** (समानाधिकरणेन, तत्पुरुषः, सुप्, सह सुपा, समासः)

५७. **पूर्वापर-प्रथम-चरम-जघन्य-समान-मध्य-मध्यम-वीराश्च** (विशेषणं विशेष्येण, समानाधिकरणेन, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

५८. **श्रेण्यादयः कृतादिभिः** (समानाधिकरणेन, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

५९. **क्तेन नञ्विशिष्टेनानञ्** (समानाधिकरणेन, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

६०. **सन्महत्परमोत्तमोत्कृष्टाः पूज्यमानैः** (समानाधिकरणेन, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

६१. **वृन्दारक-नाग-कुञ्जरैः पूज्यमानम्** (समानाधिकरणेन, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

६२. **कतरकतमौ जातिपरप्रश्ने** (समानाधिकरणेन, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

६३. **किं क्षेपे** (समानाधिकरणेन, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

६४. **पोटा-युवति-स्तोक-कतिपय-गृष्टि-धेनु-वशा-वेहद्-बष्कयणी-प्रवक्तृ-श्रोत्रियाध्यापक-धूर्तैर्जातिः** (समानाधिकरणेन, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

६५. **प्रशंसावचनैश्च** (जातिः, समानाधिकरणेन, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

६६. **युवा खलति-पलित-वलिन-जरतीभिः** (समानाधिकरणेन, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

६७. **कृत्य-तुल्याख्या अजात्या** (समानाधिकरणेन, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

६८. **वर्णो वर्णेन** (समानाधिकरणेन, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

६९. **कुमारः श्रमणादिभिः** (समानाधिकरणेन, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

७०. **चतुष्पादो गर्भिण्या** (समानाधिकरणेन, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

७१. **मयूरव्यंसकादयश्च** (समानाधिकरणेन, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

द्वितीयः पादः

१. **पूर्वापराधरोत्तरमेकदेशिनैकाधिकरणे** (तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

२. **अर्धं नपुंसकम्** (एकदेशिनैकाधिकरणे, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

३. **द्वितीय-तृतीय-चतुर्थ-तुर्याण्यन्यतरस्याम्** (एकदेशिनैकाधिकरणे, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

४. **प्राप्तापन्ने च द्वितीयया** (अन्यतरस्याम्, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

५. **कालाः परिमाणिना** (तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

६. **नञ्** (तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

७. **ईषदकृता** (तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)

८. **षष्ठी** (तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
९. **याजकादिभिश्च** (षष्ठी, तत्पुरुषः, विभाषा, सुप्, सह सुपा, समासः)
१०. **न निर्द्धारणे** (षष्ठी, तत्पुरुषः, सुप्, सह सुपा, समासः)
११. **पूरण-गुण-सुहितार्थ-सदव्यय-तव्य-समानाधिकरणेन** (न, षष्ठी, तत्पुरुषः, सुप्, सह सुपा, समासः)
१२. **क्तेन च पूजायाम्** (न, षष्ठी, तत्पुरुषः, सुप्, सह सुपा, समासः)
१३. **अधिकरणवाचिना च** (क्तेन, न, षष्ठी, तत्पुरुषः, सुप्, सह सुपा, समासः)
१४. **कर्मणि च** (न, षष्ठी, तत्पुरुषः, सुप्, सह सुपा, समासः)
१५. **तृजकाभ्यां कर्तरि** (कर्मणि, न, षष्ठी, तत्पुरुषः, सुप्, सह सुपा, समासः)
१६. **कर्तरि च** (अक, न, षष्ठी, तत्पुरुषः, सुप्, सह सुपा, समासः)
१७. **नित्यं क्रीडाजीविकयोः** (अक, षष्ठी, तत्पुरुषः, सुप्, सह सुपा, समासः)
१८. **कुगतिप्रादयः** (नित्यं, तत्पुरुषः, सुप्, सह सुपा, समासः)
१९. **उपपदमतिङ्** (नित्यं, तत्पुरुषः, सुप्, सह सुपा, समासः)
२०. **अमैवाव्ययेन** (उपपदम्, तत्पुरुषः, सुप्, सुपा, समासः)
२१. **तृतीयाप्रभृतीन्यन्यतरस्याम्** (अमैवाव्ययेन, उपपदम्, तत्पुरुषः, सुप्, सह सुपा, समासः)
२२. **क्त्वा च** (तृतीयाप्रभृतीन्यन्यतरस्याम्, तत्पुरुषः, सुप्, सह सुपा, समासः)
२३. **शेषो बहुव्रीहिः**
२४. **अनेकमन्यपदार्थे** (बहुव्रीहिः, विभाषा, सुप्, समासः)
२५. **संख्ययाव्ययासन्नदूराधिकसंख्याः संख्येये** (बहुव्रीहिः, विभाषा, सुप्, समासः)
२६. **दिङ्नामान्यन्तराले** (बहुव्रीहिः, विभाषा, सुप्, समासः)
२७. **तत्र तेनेदमिति सरूपे** (बहुव्रीहिः, विभाषा, सुप्, समासः)
२८. **तेन सहेति तुल्ययोगे** (बहुव्रीहिः, विभाषा, सुप्, समासः)
२९. **चार्थे द्वन्द्वः** (विभाषा, सुप्, समासः)
३०. **उपसर्जनं पूर्वम्** (समासः)
३१. **राजदन्तादिषु परम्** (उपसर्जनम्)
३२. **द्वन्द्वे घि** (पूर्वम्)
३३. **अजाद्यन्तम्** (द्वन्द्वे पूर्वम्)

३४. **अल्पाच्तरम्** (द्वन्द्वे पूर्वम्)
३५. **सप्तमीविशेषणे बहुव्रीहौ** (पूर्वम्)
३६. **निष्ठा** (बहुव्रीहौ, पूर्वम्)
३७. **वाऽऽहिताग्न्यादिषु** (निष्ठा, बहुव्रीहौ, पूर्वम्)
३८. **कडाराः कर्मधारये** (वा, पूर्वम्)

तृतीयः पादः

१. **अनभिहिते**
२. **कर्मणि द्वितीया** (अनभिहिते)
३. **तृतीया च होश्छन्दसि** (अनभिहिते, कर्मणि, द्वितीया)
४. **अन्तरान्तरेण युक्ते** (द्वितीया)
५. **कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे** (द्वितीया)
६. **अपवर्गे तृतीया** (कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे)
७. **सप्तमी-पञ्चम्यौ कारकमध्ये** (कालाध्वनोः)
८. **कर्मप्रवचनीययुक्ते द्वितीया**
९. **यस्मादधिकं यस्य चेश्वरवचनं तत्र सप्तमी** (कर्मप्रवचनीययुक्ते)
१०. **पञ्चम्यपाङ्परिभिः** (कर्मप्रवचनीययुक्ते)
११. **प्रतिनिधि-प्रतिदाने च यस्मात्** (पञ्चमी, कर्मप्रवचनीययुक्ते)
१२. **गत्यर्थकर्मणि द्वितीयाचतुर्थ्यौ चेष्टायामनध्वनि** (अनभिहिते)
१३. **चतुर्थी सम्प्रदाने** (अनभिहिते)
१४. **क्रियार्थोपपदस्य च कर्मणि स्थानिनः** (चतुर्थी, अनभिहिते)
१५. **तुमर्थाच्च भाववचनात्** (चतुर्थी, अनभिहिते)
१६. **नमःस्वस्ति-स्वाहा-स्वधालं-वषड्-योगाच्च** (चतुर्थी)
१७. **मन्यकर्मण्यनादरे विभाषाऽप्राणिषु** (चतुर्थी)
१८. **कर्तृ-करणयोस्तृतीया** (अनभिहिते)
१९. **सहयुक्तेऽप्रधाने** (तृतीया)
२०. **येनाङ्गविकारः** (तृतीया)
२१. **इत्थंभूतलक्षणे** (तृतीया)
२२. **संज्ञोऽन्यतरस्यां कर्मणि** (तृतीया, अनभिहिते)
२३. **हेतौ** (तृतीया)

२४. **अकर्तर्यृणे पञ्चमी** (हेतौ)
२५. **विभाषा गुणेऽस्त्रियाम्** (हेतौ, पञ्चमी)
२६. **षष्ठी हेतुप्रयोगे** (हेतौ)
२७. **सर्वनाम्नस्तृस्तीया च** (षष्ठी, हेतुप्रयोगे, हेतौ)
२८. **अपादाने पञ्चमी** (अनभिहिते)
२६. **अन्यारादितरर्ते-दिक्छब्दाञ्चूत्तर-पदाजाहि-युक्ते** (पञ्चमी)
३०. **षष्ठ्चतसर्थप्रत्ययेन**
३१. **एनपा द्वितीया**
३२. **पृथग्विना-नानाभिस्तृस्तीयाऽन्यतरस्याम्** (पञ्चमी)
३३. **करणे च स्तोकाल्प-कृच्छ्र-कतिपयस्या-सत्त्ववचनस्य** (तृतीया, पञ्चमी)
३४. **दूरान्तिकार्थैः षष्ठ्चन्यतरस्याम्** (पञ्चमी)
३५. **दूरान्तिकार्थेभ्यो द्वितीया च** (अन्यतरस्याम्, पञ्चमी)
३६. **सप्तम्यधिकरणे च** (दूरान्तिकार्थेभ्यः, अनभिहिते)
३७. **यस्य च भावेन भावलक्षणम्** (सप्तमी)
३८. **षष्ठी चानादरे** (यस्य च भावेन भावलक्षणम्, सप्तमी)
३६. **स्वामीश्वराधिपति-दायाद-साक्षि-प्रतिभू-प्रसूतैश्च** (षष्ठी, सप्तमी)
४०. **आयुक्त-कुशलाभ्यां चासेवायाम्** (षष्ठी, सप्तमी)
४१. **यतश्च निर्धारणम्** (षष्ठी, सप्तमी)
४२. **पञ्चमी विभक्ते** (यतश्च निर्धारणम्)
४३. **साधुनिपुणाभ्यामर्चायां सप्तम्यप्रतेः**
४४. **प्रसितोत्सुकाभ्यां तृतीया च** (सप्तमी)
४५. **नक्षत्रे च लुपि** (तृतीया, सप्तमी)
४६. **प्रातिपदिकार्थ-लिङ्ग-परिमाण-वचनमात्रे प्रथमा**
४७. **सम्बोधने च** (प्रथमा)
४६. **सामन्त्रितम्** (प्रथमा)
५०. **एकवचनं सम्बुद्धिः** (आमन्त्रितम्)
५१. **षष्ठी शेषे**
५२. **ज्ञोऽविदर्थस्य करणे** (षष्ठी शेषे)
५३. **अधीगर्थ-दयेशां कर्मणि** (षष्ठी शेषे)

५४. **कृञः प्रतियत्ने** (कर्मणि, षष्ठी शेषे)
५५. **रुजार्थानां भाववचनानामज्वरेः** (कर्मणि, षष्ठी शेषे)
५६. **आशिषि नाथः** (कर्मणि, षष्ठी शेषे)
५७. **जासि-निप्रहण-नाट-क्राथ-पिषां हिंसायाम्** (कर्मणि, षष्ठी शेषे)
५८. **व्यवहृ-पणोः समर्थयोः** (कर्मणि, षष्ठी शेषे)
५९. **दिवस्तदर्थस्य** (कर्मणि, षष्ठी)
६०. **विभाषोपसर्गे** (दिवस्तदर्थस्य, कर्मणि षष्ठी)
६१. **द्वितीया ब्राह्मणे** (दिवस्तदर्थस्य, कर्मणि षष्ठी)
६२. **प्रेष्य-ब्रुवोर्हविषो देवता-सम्प्रदाने** (कर्मणि, षष्ठी)
६३. **चतुर्थ्यर्थे बहुलं छन्दसि** (षष्ठी)
६४. **यजेश्च करणे** (बहुलं छनदसि, षष्ठी)
६५. **कृत्वोऽर्थ-प्रयोगे कालेऽधिकरणे** (षष्ठी शेषे)
६६. **कर्तृकर्मणोः कृति** (षष्ठी, अनभिहिते)
६७. **उभयप्राप्तौ कर्मणि** (कृति, षष्ठी, अनभिहिते)
६८. **क्तस्य च वर्तमाने** (षष्ठी)
६९. **अधिकरणवाचिनश्च** (क्तस्य, षष्ठी)
७०. **न लोकाव्यय-निष्ठा-खलर्थ-तृनाम्** (षष्ठी)
७१. **अकेनोर्भविष्यदाधमर्ण्ययो** (न, षष्ठी)
७२. **कृत्यानां कर्तरि वा** (षष्ठी, अनभिहिते)
७३. **तुल्यार्थैरतुलोपमाभ्यां तृतीयान्यतरस्याम्** (षष्ठी, शेषे)
७४. **चतुर्थी चाशिष्यायुष्य-मद्र-भद्र-कुशल-सुखार्थ-हितैः** (षष्ठी, शेषे, अन्यतरस्याम्)

चतुर्थः पादः

१. **द्विगुरेकवचनम्**
२. **द्वन्द्वश्च प्राणि-तूर्य-सेनाङ्गानाम्** (एकवचनम्)
३. **अनुवादे चरणानाम्** (द्वन्द्वः, एकवचनम्)
४. **अध्वर्युक्रतुरनपुंसकम्** (द्वन्द्वः, एकवचनम्)
५. **अध्ययनतोऽविप्रकृष्टाख्यानाम्** (द्वन्द्वः, एकवचनम्)
६. **जातिरप्राणिनाम्** (द्वन्द्वः, एकवचनम्)

७. **विशिष्टलिङ्गो नदी देशोऽग्रामाः** (द्वन्द्वः, एकवचनम्)
८. **क्षुद्रजन्तवः** (द्वन्द्वः, एकवचनम्)
९. **येषां च विरोधः शाश्वतिकः** (द्वन्द्वः, एकवचनम्)
१०. **शूद्राणामनिरवसितानाम्** (द्वन्द्वः, एकवचनम्)
११. **गवाश्वप्रभृतीनि च** (द्वन्द्वः, एकवचनम्)
१२. **विभाषा वृक्ष-मृग-तृण-धान्य-व्यञ्जन-पशु-शकुन्यश्व-वडव-पूर्वापराधरोत्तराणाम्** (द्वन्द्वः, एकवचनम्)
१३. **विप्रतिषिद्धं चानधिरणवाचि** (विभाषा, द्वन्द्वः, एकवचनम्)
१४. **न दधिपयआदीनि** (द्वन्द्वः, एकवचनम्)
१५. **अधिकरणैतावत्त्वे च** (न, द्वन्द्वः, एकवचनम्)
१६. **विभाषा समीपे** (अधिकरणैतावत्वे, द्वन्द्वः, एकवचनम्)
१७. **स नपुंसकम्**
१८. **अव्ययीभावश्च** (नपुंसकम्)
१९. **तत्पुरुषोऽनञ्कर्मधारयः** (नपुंसकम्)
२०. **संज्ञायां कन्थोशीनरेषु** (तत्पुरुषोऽनञ्कर्मधारयः, नपुंसकम्)
२१. **उपज्ञोपक्रमं तदाद्याचिख्यासायाम्** (तत्पुरुषोऽनञ्कर्मधारयः, नपुंसकम्)
२२. **छाया बाहुल्ये** (तत्पुरुषोऽनञ्कर्मधारयः, नपुंसकम्)
२३. **सभा राजाऽमनुष्यपूर्वा** (तत्पुरुषोऽनञ्कर्मधारयः, नपुंसकम्)
२४. **अशाला च** (सभा, तत्पुरुषोऽनञ्कर्मधारयः, नपुंसकम्)
२५. **विभाषा सेना-सुरा-च्छाया-शालानिशानाम्** (तत्पुरुषोऽनञ्कर्मधारयः, नपुंसकम्)
२६. **परवल्लिङ्गं द्वन्द्व-तत्पुरुषयोः**
२७. **पूर्ववदश्ववडवौ**
२८. **हेमन्त-शिशिरावहोरात्रे च छन्दसि** (पूर्ववत्)
२९. **रात्राह्नाहाः पुंसि**
३०. **अपथं नपुंसकम्**
३१. **अर्धचाः पुंसि च** (नपुंसकम्)
३२. **इदमोऽन्वादेशेऽशनुदात्तस्तृतीयादौ**
३३. **एतदस्त्रतसोस्त्रतसौ चानुदात्तौ** (अन्वादेशेऽशनुदात्तः)
३४. **द्वितीयाटौस्स्वेनः** (एतदः, इदमोऽन्वादेशे अनुदात्तः)

३५. **आर्धधातुके**
३६. **अदो जग्धिर्ल्यप्ति किति** (आर्धधातुके)
३७. **लुँङ्सनोर्घस्लृँ** (अदः, आर्धधातुके)
३८. **घञपोश्च** (अदः, घस्लृ, आर्धधातुके)
३९. **बहुलं छन्दसि** (घञपोः, अदः, घस्लृ, आर्धधातुके)
४०. **लिँट्यन्यतरस्याम्** (अदः, घस्लृ, आर्धधातुके)
४१. **वेञो वयिः** (लिट्यन्यतरस्याम्, आर्धधातुके)
४२. **हनो वध लिँङि** (आर्धधातुके)
४३. **लुँङि च** (हनो वध, आर्धधातुके)
४४. **आत्मनेपदेष्वन्यतरस्याम्** (हनो वध, आर्धधातुके)
४५. **इणो गा लुँङि** (आर्धधातुके)
४६. **णौ गमिरबोधने** (इणः, आर्धधातुके)
४७. **सनि च** (गमिरबोधने, इणः, आर्धधातुके)
४८. **इङश्च** (सनि, गमिः, आर्धधातुके)
४९. **गाङ्लिँटि** (इङः, आर्धधातुके)
५०. **विभाषा लुँङ्लृँङोः** (इङः, गाङ्, आर्धधातुके)
५१. **णौ च संश्चङोः** (विभाषा, गाङ्, इङः, आर्धधातुके)
५२. **अस्तेर्भूः** (आर्धधातुके)
५३. **ब्रुवो वचिः** (आर्धधातुके)
५४. **चक्षिङः ख्याञ्** (आर्धधातुके)
५५. **वा लिँटि** (चक्षिङः ख्याञ्, आर्धधातुके)
५६. **अजेर्व्यघञपोः** (वा, आर्धधातुके)
५७. **वा यौ** (अजेः, आर्धधातुके)
५८. **ण्य-क्षत्रियार्ष-ञितो यूनि लुगणिञोः**
५९. **पैलादिभ्यश्च** (यूनि लुक्)
६०. **इञः प्राचाम्** (यूनि लुक्)
६१. **न तौल्वलिभ्यः** (यूनि लुक्)
६२. **ताद्राजस्य बहुषु तेनैवास्त्रियाम्** (लुक्)
६३. **यस्कादिभ्यो गोत्रे** (लुक्, बहुषु तेनैवास्त्रियाम्)
६४. **यञञोश्च** (गोत्रे, लुक्, बहुषु तेनैवास्त्रियाम्)

६५. **अत्रि-भृगु-कुत्स-वसिष्ठ-गौतमाङ्गिरोभ्यश्च** (गोत्रे, लुक्, बहुषु तेनैवास्त्रियाम्)
६६. **बह्वच इञः प्राच्यभरतेषु** (गोत्रे, लुक्, बहुषु तेनैव)
६७. **न गोपवनादिभ्यः** (गोत्रे, लुक्, बहुषु तेनैव)
६८. **तिक-कितवादिभ्यो द्वन्द्वे** (गोत्रे, लुक्, बहुषु तेनैव)
६९. **उपकादिभ्योऽन्यतरस्यामद्वन्द्वे** (गोत्रे, लुक्, बहुषु तेनैव)
७०. **आगस्त्य-कौण्डिन्ययोरगस्ति-कुण्डिनच्** (गोत्रे, लुक्, बहुषु तेनैव)
७१. **सुँपो धातु-प्रातिपदिकयोः** (लुक्)
७२. **अदिप्रभृतिभ्यः शपः** (लुक्)
७३. **बहुलं छन्दसि** (लुक्, अदिप्रभृतिभ्यः शपः)
७४. **यङोऽचि च** (बहुलम्, लुक्)
७५. **जुहोत्यादिभ्यः श्लुः** (शपः)
७६. **बहुलं छन्दसि** (शपः, जुहोत्यादिभ्यः श्लुः)
७७. **गाति-स्था-घु-पा-भूभ्यः सिँचः परस्मैपदेषु** (लुक्)
७८. **विभाषा घ्रा-धेट्-शा-च्छासः** (सिचः परस्मैपदेषु, लुक्)
७९. **तनादिभ्यस्तथासोः** (विभाषा, सिचः, लुक्)
८०. **मन्त्रे घस-ह्वर-णश-वृ-दहाद्-वृच्कृ-गमि-जनिभ्यो लेः** (लुक्)
८१. **आमः** (लेः, लुक्)
८२. **अव्ययादाप्सुँपः** (लुक्)
८३. **नाव्ययीभावादतोऽम्त्वपञ्चम्याः** (सुपः, लुक्)
८४. **तृतीयासप्तम्योर्बहुलम्** (अव्ययीभावादतोऽम्)
८५. **लुँटः प्रथमस्य डारौरसः**

अर्थप्रवृत्तितत्त्वानां शब्दा एव निबन्धनम्।
तत्त्वावबोधः शब्दानां नास्ति व्याकरणादृते।।

तद्द्वारमपवर्गस्य वाङ्मलानां चिकित्सितम्।
पवित्रं सर्वविद्यानामधिविद्यं प्रकाशते।।

अथ तृतीयोऽध्यायः

प्रथमः पादः

१. **प्रत्ययः**
२. **परश्च** (प्रत्ययः)
३. **आद्युदात्तश्च** (प्रत्ययः)
४. **अनुदात्तौ सुप्पितौ** (प्रत्ययः)
५. **गुप्तिज्किद्भ्यः सन्** (प्रत्ययः, परश्च)
६. **मान्बधदान्शान्भ्यो दीर्घश्चाभ्यासस्य** (सन्, प्रत्ययः, परश्च)
७. **धातोः कर्मणः समानकर्तृकादिच्छायां वा** (सन्, प्रत्ययः, परश्च)
८. **सुप आत्मनः क्यच्** (कर्मणः, इच्छायां वा, प्रत्ययः, परश्च)
९. **काम्यच्च** (सुपः आत्मनः, कर्मणः, इच्छायां वा, प्रत्ययः, परश्च)
१०. **उपमानादाचारे** (सुपः, क्यच्, कर्मणः, वा, प्रत्ययः, परश्च)
११. **कर्तुः क्यङ् सलोपश्च** (उपमानादाचारे, सुपः, वा, प्रत्ययः, परश्च)
१२. **भृशादिभ्यो भुव्यच्वेर्लोपश्च हलः** (वा, क्यङ्, प्रत्ययः, परश्च)
१३. **लोहितादिडाज्भ्यः क्यष्** (भुवि, अच्वेः, वा, प्रत्ययः, परश्च)
१४. **कष्टाय क्रमणे** (वा, क्यङ्, प्रत्ययः, परश्च)
१५. **कर्मणो रोमन्थ-तपोभ्यां वर्तिचरोः** (क्यङ्, वा, प्रत्ययः, परश्च)
१६. **वाष्पोष्मभ्यामुद्वमने** (कर्मणः, क्यङ्, वा, प्रत्ययः, परश्च)
१७. **शब्द-वैर-कलहाभ्र-कण्व-मेघेभ्यः करणे** (कर्मणः, क्यङ्, वा, प्रत्ययः, परश्च)
१८. **सुखादिभ्यः कर्तृ वेदनायाम्** (कर्मणः, क्यङ्, वा, प्रत्ययः, परश्च)
१९. **नमोवरिवश्चित्रयङः क्यच्** (करणे, कर्मणः, वा, प्रत्ययः, परश्च)
२०. **पुच्छभाण्डचीवराण्णिङ्** (करणे, कर्मणः, वा, प्रत्ययः, परश्च)
२१. **मुण्ड-मिश्र-श्लक्ष्ण-लवण-व्रत-वस्त्र-हल-कल-कृत-तूस्तेभ्यो णिच्** (कर्मणः, करणे, वा, प्रत्ययः, परश्च)
२२. **धातोरेकाचो हलादेः क्रियासमभिहारे यङ्** (वा, प्रत्ययः, परश्च)
२३. **नित्यम् कौटिल्ये गतौ** (३/१/२३) (धातोः, यङ्, प्रत्ययः, परश्च)
२४. **लुप-सद-चर-जप-जभ-दह-दश-गृभ्यो भावगर्हायाम्** (नित्यम्, धातोः, यङ्, प्रत्ययः, परश्च)

२५. **सत्याप-पाश-रूप-वीणा-तूल-श्लोक-सेना-लोम-त्वच-वर्म-वर्ण-चूर्ण-चुरादिभ्यो णिच्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

२६. **हेतुमति च** (णिच्, प्रत्ययः, परश्च)

२७. **कण्ड्वादिभ्यो यक्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

२८. **गुपू-धूप-विच्छि-पणि-पनिभ्य आयः** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

२९. **ऋतेरीयङ्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

३०. **कमेर्णिङ्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

३१. **आयादय आर्धधातुके वा** (प्रत्ययः)

३२. **सनाद्यन्ता धातवः**

३३. **स्यतासी लृँलुँटोः** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

३४. **सिब्बहुलं लेँटि** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

३५. **कास्प्रत्ययादाममन्त्रे लिटि** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

३६. **इजादेश्च गुरुमतोऽनृच्छः** (आममन्त्रे लिटि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

३७. **दयायासश्च** (आममन्त्रे लिटि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

३८. **उष-विद-जागृभ्योऽन्यतरस्याम्** (आममन्त्रे लिटि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

३९. **भी-ह्री-भृ-हुवां श्लुवच्च** (अन्यतरस्याम्, आममन्त्रे लिटि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

४०. **कृञ्चानुप्रयुज्यते लिँटि** (आम्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

४१. **विदांकुर्वन्त्वित्यन्यतरस्याम्**

४२. **अभ्युत्सादयां-प्रजनयां-चिकयां-रमयामकः पावयां-क्रियाद्विदामक्रन्निति-च्छन्दसि** (अन्यतरस्याम्, अत्र 'अकः' शब्दः अभ्युत्सादयां, प्रजनयां, चिकयां, रमयाम् इत्येतैः सर्वैः सह सम्बध्यते)

४३. **च्लिँ लुँङि** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

४४. **च्लेः सिँच्** (लुँङि)

४५. **शल इगुपधादनिटः क्सः** (च्लेः, लुँङि, धातोः)

४६. **श्लिष आलिङ्गने** (क्सः, च्लेः, लुँङि, धातोः)

४७. **न दृशः** (क्सः, च्लेः, लुँङि, धातोः)

४८. **णि-श्रि-द्रु-स्रुभ्यः कर्त्तरि चङ्** (च्लेः, लुँङि, धातोः)

४९. **विभाषा धेट्श्व्योः** (कर्त्तरि चङ्, च्लेः, लुँङि, धातोः)

५०. **गुपेश्छन्दसि** (विभाषा, कर्त्तरि चङ्, च्लेः, लुँङि, धातोः)

५१. **नोनयति-ध्वनयत्येलयत्यर्दयतिभ्यः** (छन्दसि, कर्त्तरि चङ्, च्लेः, लुँङि, धातोः)
५२. **अस्यति-वक्ति-ख्यातिभ्योऽङ्** (कर्त्तरि, च्लेः, लुँङि, धातोः)
५३. **लिपि-सिचि-ह्वश्च** (अङ्, कर्त्तरि, च्लेः, लुँङि, धातोः)
५४. **आत्मनेपदेष्वन्यतरस्याम्** (लिपिसिचिह्वः, अङ्, कर्त्तरि, च्लेः, लुँङि, धातोः)
५५. **पुषादि-द्युताद्यॢदितः परस्मैपदेषु** (अङ्, कर्त्तरि, च्लेः, लुँङि, धातोः)
५६. **सर्त्ति-शास्त्यर्तिभ्यश्च** (परस्मैपदेषु, अङ्, कर्त्तरि, च्लेः, लुँङि, धातोः)
५७. **इरितो वा** (परस्मैपदेषु, अङ्, कर्त्तरि, च्लेः, लुँङि, धातोः)
५८. **जॄ-स्तम्भु-म्रुचु-म्लुचु-ग्रुचु-ग्लुचु-ग्लुञ्चु-श्विभ्यश्च** (३/१/५८) (वा, अङ्, कर्त्तरि, च्लेः, लुँङि, धातोः)
५९. **कृ-मृ-दृ-रुहिभ्यश्छन्दसि** अङ्, कर्त्तरि, च्लेः, लुँङि, धातोः)
६०. **चिण्ते पदः** (कर्त्तरि, च्लेः, लुँङि, धातोः)
६१. **दीप-जन-बुध-पूरि-तायिप्यायिभ्योऽन्यतरस्याम्** (चिण्ते, कर्त्तरि, च्लेः, लुँङि, धातोः)
६२. **अचः कर्मकर्त्तरि** (अन्यतरस्याम्, चिण्ते, च्लेः, लुँङि, धातोः)
६३. **दुहश्च** (कर्मकर्त्तरि, अन्यतरस्याम्, चिण्ते, च्लेः, लुँङि, धातोः)
६४. **न रुधः** (कर्मकर्त्तरि, चिण्ते, च्लेः, लुँङि, धातोः)
६५. **तपोऽनुतापे च** (न, कर्मकर्त्तरि, चिण्ते, च्लेः, लुँङि, धातोः)
६६. **चिण्भावकर्मणोः** (ते, च्लेः, लुँङि, धातोः)
६७. **सार्वधातुके यक्** (भावकर्मणोः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६८. **कर्त्तरि शप्** (सार्वधातुके, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६९. **दिवादिभ्यः श्यन्** (सार्वधातुके, कर्त्तरि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७०. **वा भ्राश-भ्लाश-भ्रमु-क्रमु-क्लमु-त्रसि-त्रुटि-लषः** (श्यन्, कर्त्तरि, सार्वधातुके, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७१. **यसोऽनुपसर्गात्** (वा, श्यन्, सार्वधातुके, कर्त्तरि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७२. **संयसश्च** (वा, श्यन्, सार्वधातुके, कर्त्तरि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७३. **स्वादिभ्यः श्नुः** (सार्वधातुके, कर्त्तरि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७४. **श्रुवः शृ च** (श्नुः, सार्वधातुके, कर्त्तरि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७५. **अक्षोऽन्यतरस्याम्** (श्नुः, सार्वधातुके, कर्त्तरि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७६. **तनूकरणे तक्षः** (अन्यतरस्याम्, श्नुः, सार्वधातुके, कर्त्तरि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

७७. **तुदादिभ्यः शः** (सार्वधातुके, कर्त्तरि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७८. **रुधादिभ्यः श्नम्** (सार्वधातुके, कर्त्तरि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७९. **तनादिकृञ्भ्य उः** (सार्वधातुके, कर्त्तरि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
८०. **धिन्वि-कृण्व्यो र च** (उः, सार्वधातुके, कर्त्तरि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
८१. **क्र्यादिभ्यः श्ना** (सार्वधातुके, कर्त्तरि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
८२. **स्तम्भु-स्तुम्भु-स्कम्भु-स्कुम्भु-स्कुञ्भ्यः श्नुश्च** (श्ना, सार्वधातुके, कर्त्तरि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
८३. **हलः श्नः शानज्झौ**
८४. **छन्दसि शायजपि** (श्नः)
८५. **व्यत्ययो बहुलम्** (छन्दसि)
८६. **लिँङ्याशिष्यङ्** (छन्दसि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
८७. **कर्मवत्कर्मणा तुल्यक्रियः** (कर्त्तरि)
८८. **तपस्तपःकर्मकस्यैव** (कर्मवत्)
८९. **न दुह-स्नु-नमां यक्चिणौ** (कर्मवत्)
९०. **कुषिरजोः प्राचां श्यन्परस्मैपदं च** (कर्मवत्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९१. **धातोः**
९२. **तत्रोपपदं सप्तमीस्थम्** (धातोः)
९३. **कृदतिङ्** (तत्र, धातोः, प्रत्ययः)
९४. **वाऽसरूपोऽस्त्रियाम्** (तत्र, धातोः, प्रत्ययः)
९५. **कृत्याः** (प्रत्ययः)
९६. **तव्यत्तव्यानीयरः** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९७. **अचो यत्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९८. **पोरदुपधात्** (यत्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९९. **शकिसहोश्च** (यत्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१००. **गद-मद-चर-यमश्चानुपसर्गे** (यत्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०१. **अवद्यपण्यवर्या गर्ह्यपणितव्यानिरोधेषु** (यत्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०२. **वह्यं करणम्** (यत्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०३. **अर्यः स्वामि-वैश्ययोः** (यत्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०४. **उपसर्या काल्या प्रजने** (यत्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०५. **अजर्यं संङ्गतम्** (यत्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१०६. **वदः सुँपि क्यप् च** (अनुपसर्गे, यत्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०७. **भुवो भावे** (सुपि क्यप्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च, अनुपसर्गे)
१०८. **हनस्त च** (भावे, सुपि क्यप्, अनुपसर्गे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०९. **एति-स्तु-शास्वृ-दृ-जुषः क्यप्** (क्यप्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११०. **ऋदुपधाच्चाक्लृपिचृतेः** (क्यप्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१११. **ई च खनः** (क्यप्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११२. **भृञोऽसंज्ञायाम्** (क्यप्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११३. **मृजेर्विभाषा** (क्यप्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११४. **राजसूय-सूर्य-मृषोद्य-रुच्य-कुप्य-कृष्टपच्याव्यथ्याः** (क्यप्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११५. **भिद्योद्ध्यौ नदे** (क्यप्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११६. **पुष्य-सिद्ध्यौ नक्षत्रे** (क्यप्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११७. **विपूय-विनीय-जित्या मुञ्ज-कल्क-हलिषु** (क्यप्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११८. **प्रत्यपिभ्यां ग्रहेः** (क्यप्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११९. **पदास्वैरि-बाह्यापक्ष्येषु च** (ग्रहेः, क्यप्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२०. **विभाषा कृ-वृषोः** (क्यप्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२१. **युग्यं च पत्रे** (क्यप्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च, पतति गच्छति अनेनेति पत्रं वाहनमुच्यते)
१२२. **अमावस्यदन्यतरस्याम्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२३. **छन्दसि निष्टर्क्य-देवहूय-प्रणीयोन्नीयोच्छिष्य-मर्य-स्तर्या-ध्वर्य-खन्य-खान्य-देवयज्या-पृच्छ्य-प्रतिषीव्य-ब्रह्मवाद्य-भाव्य-स्ताव्योपचाय्यपृडानि** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२४. **ऋ-हलोर्ण्यत्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२५. **ओरावश्यके** (ण्यत्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२६. **आसु-यु-वपि-रपि-लपि-त्रपि-चमश्च**
१२७. **आनाय्योऽनित्ये** (ण्यत्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२८. **प्रणाय्योऽसंमतौ** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२९. **पाय्य-सांनाय्य-निकाय्य-धाय्या मान-हविर्निवास-सामिधेनीषु**(ण्यत्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३०. **क्रतौ कुण्डपाय्य-संचाय्यौ** (ण्यत्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१३१. **अग्नौ परिचाय्योपचाय्य-समूह्याः** (ण्यत्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३२. **चित्याग्निचित्ये च** (अग्नौ, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३३. **ण्वुल्तृचौ** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३४. **नन्दिग्रहिपचादिभ्यो ल्युणिन्यचः** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३५. **इगुपध-ज्ञा-प्री-किरः कः** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३६. **आतश्चोपसर्गे** (कः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३७. **पा-घ्रा-ध्मा-धेट्-दृशः शः** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३८. **अनुपसर्गाल्लिम्प-विन्द-धारि-पारि-वेद्युदेजि-चेति-साति-साहिभ्यश्च** (शः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३९. **ददाति-दधात्योर्विभाषा** (अनुपसर्गात्, शः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४०. **ज्वलिति-कसन्तेभ्यो णः** (विभाषा, अनुपसर्गात्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४१. **श्याद्व्यधास्रु-संस्रुवतीण-वसावहृ-लिह-श्लिष-श्वसश्च** (णः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४२. **दुन्योरनुपसर्गे** (णः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४३. **विभाषा ग्रहः** (णः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४४. **गेहे कः** (ग्रहः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४५. **शिल्पिनि ष्वुन्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४६. **गस्थकन्** (शिल्पिनि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४७. **ण्युट् च** (गः, शिल्पिनि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४८. **हश्च व्रीहिकालयोः** (ण्युट्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४९. **प्रुसृल्वः समभिहारे वुन्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१५०. **आशिषि च** (वुन्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

द्वितीयः पादः

१. **कर्मण्यण्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२. **ह्वावामश्च** (कर्मण्यण्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
३. **आतोऽनुपसर्गे कः** (कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
४. **सुपि स्थः** (कर्मणि, कः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
५. **तुन्दशोकयोः परिमृजापनुदोः** (कः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६. **प्रे दाज्ञः** (कः, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

७. **समि ख्यः** (कः, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
८. **गापोष्टक्** (कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९. **हरतेरनुद्यमनेऽच्** (कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०. **वयसि च** (हरतेः, अच्, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११. **आङि ताच्छील्ये** (हरतेः, अच्, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२. **अर्हः** (अच्, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३. **स्तम्बकर्णयोः रमिजपोः** (अच्, सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४. **शमि धातोः संज्ञायाम्** (अच्, प्रत्ययः, परश्च)
१५. **अधिकरणे शेते** (अच्, सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१६. **चरेष्टः** (अधिकरणे, सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१७. **भिक्षासेनादायेषु च** (चरेष्टः, सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१८. **पुरोऽग्रतोऽग्रेषु सर्त्तेः** (टः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१९. **पूर्वे कर्तरि** (सर्त्ते, टः, सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२०. **कृञो हेतुताच्छील्यानुलोम्येषु** (टः, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२१. **दिवा-विभा-निशा-प्रभा-भास्करान्तानन्तादि-बहु-नान्दी-किं-लिपि-लिबि-बलि-भक्ति-कर्तृ-चित्र-क्षेत्र-संख्या-जङ्घा-बाह्वहर्य-त्तद्धनुररुष्षु** (कर्मणि, सुपि इति च द्वयमभिसम्बध्यतेऽत्र यथायथम्, कृञः, टः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२२. **कर्मणि भृतौ** (कृञः, टः, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२३. **न शब्द-श्लोक-कलह-गाथा-वैर-चाटु-सूत्र-मन्त्र-पदेषु** (कृञः, टः, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२४. **स्तम्ब-शकृतोरिन्** (कृञः, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२५. **हरतेदृति-नाथयोः पशौ** (इन्, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२६. **फलेग्रहिरात्मम्भरिश्च** (इन्, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२७. **छन्दसि वन-सन-रक्षि-मथाम्** (इन्, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२८. **एजेः खश्** (कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२९. **नासिका-स्तनयोर्ध्माधेटोः** (खश्, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
३०. **नाडी-मुष्ट्योश्च** (ध्माधेटोः, खश्, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
३१. **उदि कूले रुजि-वहोः** (खश्, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
३२. **वहाभ्रे लिहः** (खश्, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

३३. **परिमाणे पचः** (खश्, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
३४. **मितनखे च** (पचः, खश्, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
३५. **विध्वरुषोस्तुदः** (खश्, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
३६. **असूर्य-ललाटयोर्दृशि-तपोः** (खश्, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
३७. **उग्रम्पश्येरम्मद-पाणिन्धमाश्च** (खश्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
३८. **प्रियवशे वदः खच्** (कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
३९. **द्विषत्परयोस्तापेः** (खच्, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
४०. **वाचि यमो व्रते** (खच्, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
४१. **पूः सर्वयोर्दारिसहोः** (खच्, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
४२. **सर्वकूलाभ्रकरीषेषु कषः** (खच्, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
४३. **मेघर्तिभयेषु कृञः** (खच्, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
४४. **क्षेम-प्रिय-मद्रेऽणच** (कृञः, खच्, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
४५. **आशिते भुवः करणभावयोः** (खच्, सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
४६. **संज्ञायां भृ-तृ-वृ-जि-धारि-सहि-तपि-दमः** (खच्, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
४७. **गमश्च** (संज्ञायाम्, खच्, सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
४८. **अन्तात्यन्ताध्व-दूर-पार-सर्वानन्तेषु डः** (गमः, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
४९. **आशिषि हनः** (डः, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
५०. **अपे क्लेश-तमसोः** (हनः, डः, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
५१. **कुमार-शीर्षयोर्णिनिः** (हनः, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
५२. **लक्षणे जायापत्याष्टक्** (हनः, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
५३. **अमनुष्यकर्तृके च** (टक्, हनः, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
५४. **शक्तौ हस्ति-कपाटयोः** (टक्, हनः, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
५५. **पाणिघ-ताडघौ शिल्पिनि** (हनः, कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
५६. **आढ्य-सुभग-स्थूल-पलित-नग्नान्ध-प्रियेषु च्व्यर्थेष्वच्वौ कृञः करणे ख्युन्** (कर्मणि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च
५७. **कर्त्तरि भुवः खिष्णुच्खुकञौ** (आढ्यसुभगस्थूलपलितनग्नान्धप्रियेषु च्व्यर्थेष्वच्वौ, सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
५८. **स्पृशोऽनुदके क्विन्** (सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

५९. **ऋत्विग्दधृक्स्रग्दिगुष्णिगञ्चुयुजिक्रुञ्चां च** (क्विन्, सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६०. **त्यादादिषु दृशोऽनालोचने कञ्च** (क्विन्, सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६१. **सत्सू-द्विष-द्रुह-दुह-युज-विद-भिद-च्छिद-जि-नी-राजामुपसर्गेऽपि क्विप्** (सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६२. **भजो ण्विँः** (उपसर्गेऽपि, सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६३. **छन्दसि सहः** (ण्विः, सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६४. **वहश्च** (छन्दसि, ण्विः, सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६५. **कव्य-पुरीष-पुरीष्येषु ञ्युट्** (वहः, छन्दसि, सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६६. **हव्येऽनन्तः पादम्** (वहः, छन्दसि, ञ्युट्, सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६७. **जन-सन-खन-क्रम-गमो विँट्** (छन्दसि, सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६८. **अदोऽनन्ने** (विट्, सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६९. **क्रव्ये च** (अदः, विट्, सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७०. **दुहः कब्धश्च** (सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७१. **मन्त्रे श्वेतवहोक्थशस्पुरोडाशो ण्विँन्** (सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७२. **अवे यजः** (मन्त्रे, ण्विन्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७३. **विँजुपे छन्दसि** (यजः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७४. **आतो मनिँन्क्वनिँब्वनिँपश्च** (छन्दसि, विच्, सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७५. **अन्योभ्योऽपि दृश्यन्ते** (मनिन्क्वनिब्वनिपः, विच्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७६. **क्विँप्च** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७७. **स्थः क च** (क्विप्, सुपि, उपसर्गेऽपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७८. **सुप्यजातौ णिनिँस्ताच्छील्ये** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७९. **कर्त्तर्युपमाने** (णिनिः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
८०. **व्रते** (सुपि, णिनिः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
८१. **बहुलमाभीक्ष्ण्ये** (सुपि, णिनिः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
८२. **मनः** (सुपि, णिनिः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
८३. **आत्ममाने खश्च** (मनः, णिनिः, सुपि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
८४. **भूते**
८५. **करणे यजः** (भूते, णिनिः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
८६. **कर्मणि हनः** (भूते, णिनिः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

८७. **ब्रह्म-भ्रूण-वृत्रेषु क्विँप्** (कर्मणि, हनः, भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
८८. **बहुलं छन्दसि** (क्विप्, कर्मणि, हनः, भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
८९. **सु-कर्म-पाप-मन्त्र-पुण्येषु कृञः** (क्विप्, कर्मणि, भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९०. **सोमे सुञः** (क्विप्, कर्मणि, भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९१. **अग्नौ चेः** (क्विप्, कर्मणि, भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९२. **कर्मण्यग्न्याख्यायाम्** (चेः, क्विप्, कर्मणि, भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९३. **कर्मणीनिँर्विक्रियः** (भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९४. **दृशेः क्वनिँप्** (कर्मणि, भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९५. **राजनि युधि कृञः** (क्वनिप्, कर्मणि, भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९६. **सहे च** (युधिकृञः, क्वनिप्, भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९७. **सप्तम्यां जनेर्डः** (भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९८. **पञ्चम्यामजातौ** (जनेर्डः, भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९९. **उपसर्गे च संज्ञायाम्** (जनेर्डः, भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१००. **अनौ कर्मणि** (जनेर्डः, भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०१. **अन्येष्वपि दृश्यते** (जनेर्डः, भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०२. **निष्ठा** (भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०३. **सुयजोर्ङ्वनिँप्** (भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०४. **जीर्यतेरतृँन्** (भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०५. **छन्दसि लिँट्** (भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०६. **लिँटः कानज्वा** (भूते, छन्दसि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०७. **क्वसुँश्च** (भूते, लिटः, वा, छन्दसि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०८. **भाषायां सद-वस-श्रुवः** (लिटः, वा, क्वसु, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०९. **उपेयिवाननाश्वाननूचानश्च** (लिटः, वा, भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११०. **लुँङ्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च, भूते)
१११. **अनद्यतने लँङ्** (भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११२. **अभिज्ञावचने लृँट्** (अनद्यतने, भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११३. **न यदि** (अभिज्ञावचने लृट्, अनद्यतने, भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११४. **विभाषा साकाङ्क्षे** (अभिज्ञावचने लृट्, अनद्यतने, भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

११५. **परोक्षे लिँट्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च, भूते, अनद्यतने)
११६. **ह-शश्वतोर्लँङ् च** (परोक्षे अनद्यतने, भूते, धातोः, लिट्, प्रत्ययः, परश्च)
११७. **प्रश्ने चासन्नकाले** (परोक्षे, अनद्यतने, भूते, लङ्, लिट्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११८. **लँट् स्मे** (परोक्षे, अनद्यतने, भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११९. **अपरोक्षे च** (अनद्यतने, भूते, लट् स्मे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२०. **ननौ पृष्टप्रतिवचने** (लट्, भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२१. **नन्वोर्विभाषा** (पृष्टप्रतिवचने, लट्, भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२२. **पुरि लुँङ् चास्मे** (विभाषा, लट्, भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२३. **वर्तमाने लँट्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२४. **लँटः शतृ-शानचावप्रथमासमानाधिकरणे** (वर्तमाने, धातोः)
१२५. **सम्बोधने च** (लटः शतृशानचौ, वर्तमाने, धातोः)
१२६. **लक्षणहेत्वोः क्रियायाः** (लटः शतृशानचौ, वर्तमाने, धातोः)
१२७. **तौ सत्**
१२८. **पूङ्यजोः शानन्** (वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२९. **तच्छील्य-वयोवचन-शक्तिषु चानश्** (वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३०. **इङ्धार्योः शत्रकृच्छ्रिणि** (वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३१. **द्विषोऽमित्रे** (शतृ, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३२. **सुञो यज्ञसंयोगे** (शतृ, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३३. **अर्हः प्रशंसायाम्** (शतृ, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३४. **आ क्वेस्तच्छील-तद्धर्म-तत्साधुकारिषु**
१३५. **तृन्** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३६. **अलंकृञ्निराकृञ्प्रजनोत्पचोत्पतोन्मद-रुच्य-पत्रप-वृतु-वृधु-सह-चर इष्णुच्** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३७. **णेश्छन्दसि** (इष्णुच्, तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३८. **भुवश्च** (छन्दसि, इष्णुच्, तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३९. **ग्ला-जि-स्थश्च क्स्नुः** (भुवः, तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१४०. **त्रसि-गृधि-धृषि-क्षिपे क्नुः** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१४१. **शमित्यष्टाभ्यो घिनुण्** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१४२. **संपृचानुरुधाङ्यमाङ्य-सपरिसृ-संसृज-परिदेवि-संज्वर-परिक्षिप-परिरट-परिवद-परिदह-परिमुह-दुष-द्विष-द्रुह-दुह-युजाक्रीड-विविच-त्यज-रज-भजातिचरापचरामुषाभ्याहनश्च** (घिनुण्, तच्छीलतद्धर्म-तत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१४३. **वौ कष-लस-कत्थ-स्रम्भः** (घिनुण्, तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१४४. **अपे च लषः** (वौ, घिनुण्, तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१४५. **प्रे लप-सृ-द्रु-मथ-वद-वसः** (घिनुण्, तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१४६. **निन्द-हिंस-क्लिश-खाद-विनाश-परिक्षिप-परिरट-परिवादि-व्याभाषा-सूयो वुञ्** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१४७. **देवि-क्रुशोश्चोपसर्गे** (वुञ्, तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१४८. **चलन-शब्दार्थादकर्मकाद्युच्** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१४६. **अनुदात्तेतश्च हलादेः** (अकर्मकात् युच्, तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१५०. **जु-चङ्क्रम्य-दन्द्रम्य-सृ-गृधि-ज्वल-शुच-लष-पत-पदः** (युच्, तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१५१. **क्रुध-मण्डार्थेभ्यश्च** (युच्, तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१५२. **न यः** (युच्, तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१५३. **सूद-दीप-दीक्षश्च** (न, युच्, तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१५४. **लष-पत-पद-स्था-भू-वृष-हन-कम-गम-शॄभ्य उकञ्** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१५५. **जल्प-भिक्ष-कुट्ट-लुण्टवृङः षाकन्** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१५६. **प्रजोरिनिँः** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१५७. **जि-दृ-क्षि-विश्रीण्वमा-व्यथाभ्यम-परिभू-प्रसूभ्यश्च** (इनि, तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१५८. **स्पृहि-गृहि-पति-दयि-निद्रा-तन्द्रा-श्रद्धाभ्य आलुच्** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च

१५९. **दा-धेट्-सि-शद-सदो रुः** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१६०. **सृघस्यदः क्मरच्** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१६१. **भञ्ज-भास-मिदो घुरच्** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१६२. **विदि-भिदि-च्छिदेः कुरच्** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१६३. **इण्नश-जि-सर्तिभ्यः क्वरप्** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१६४. **गत्वरश्च** (क्वरप्, तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१६५. **जागरूकः** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१६६. **यज-जप-दशां यङः** (ऊकः, तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१६७. **नमि-कम्पि-स्म्यजस-कम-हिंस-दीपो रः** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१६८. **सनाशंसभिक्ष उः** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१६९. **विन्दुरिच्छुः** (उः, तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१७०. **क्याच्छन्दसि** (उः, तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः,

प्रत्ययः, परश्च)

१७१. **आदृ-गम-हन-जनः किकिनौ लिँट् च** (छन्दसि, तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१७२. **स्वपितृषोर्नजिँङ्** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१७३. **शॄवन्द्योरारुः** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१७४. **भियः क्रुक्लुकनौ** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१७५. **स्थेश-भास-पिस-कसो वरच्** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१७६. **यश्च यङः** (वरच्, तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१७७. **भ्राज-भास-धुर्वि-द्युतोर्जि-पॄ-जुग्रावस्तुवः क्विँप्** (तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१७८. **अन्येभ्योऽपि दृश्यते** (क्विप्, तच्छीलतद्धर्मतत्साधुकारिषु, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१७९. **भुवः संज्ञान्तरयोः** (क्विप्, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१८०. **वि-प्र-संभ्यो ड्वसंज्ञायाम्** (भुवः, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१८१. **धः कर्मणि ष्ट्रन्** (वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१८२. **दाम्नी-शस-यु-युज-स्तु-तुद-सि-सिच-मिह-पत-दश-नहः करणे** (ष्ट्रन्, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१८३. **हल-सूकरयोः पुवः** (करणे, ष्ट्रन्, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१८४. **अर्ति-लू-धू-सू-खन-सह-चर इत्रः** (करणे, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१८५. **पुवः संज्ञायाम्** (इत्रः, करणे, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१८६. **कर्तरि चर्षिदेवतयोः** (पुवः, इत्रः, करणे, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१८७. **ञीतः क्तः** (वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१८८. **मति-बुद्धि-पूजार्थेभ्यश्च** (क्तः, वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

तृतीयः पादः

१. **उणादयो बहुलम्** (वर्तमाने, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२. **भूतेऽपि दृश्यन्ते** (उणादयः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
३. **भविष्यति गम्यादयः** (उणादयः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
४. **यावत्पुरा-निपातयोर्लँट्** (भविष्यति, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
५. **विभाषा कदा-कर्ह्योः** (लट्, भविष्यति, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६. **किंवृत्ते लिप्सायाम्** (विभाषा, लट्, भविष्यति, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७. **लिप्स्यमान-सिद्धौ च** (विभाषा, लट्, भविष्यति, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
८. **लोँडर्थलक्षणे च** (विभाषा, लट्, भविष्यति, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९. **लिँङ्चोर्ध्वमौहूर्त्तिके** (लोडर्थलक्षणे, विभाषा, लट्, भविष्यति, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०. **तुमुँन्ण्वुलौ क्रियायां क्रियार्थायाम्** (भविष्यति, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११. **भाववचनाश्च** (क्रियायाम् क्रियार्थायाम्, भविष्यति, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२. **अण्कर्मणि च** (क्रियायाम् क्रियार्थायाम्, भविष्यति, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३. **लृँट् शेषे च** (क्रियायाम् क्रियार्थायाम्, भविष्यति, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४. **लृँटः सद्वा** (क्रियायाम् क्रियार्थायाम्, भविष्यति, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१५. **अनद्यतने लुँट्** (भविष्यति, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१६. **पद-रुज-विश-स्पृशो घञ्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१७. **सृ स्थिरे** (घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१८. **भावे** (घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१९. **अकर्तरि च कारके संज्ञायाम्** (घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२०. **परिमाणाख्यायां सर्वेभ्यः** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२१. **इङश्च** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२२. **उपसर्गे रुवः** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२३. **समि यु-द्रु-दुवः** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२४. **श्रि-णी-भूवोऽनुपसर्गे** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः,

प्रत्ययः, परश्च)

२५. **वौ क्षुश्रुवः** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

२६. **अवोदोर्नियः** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

२७. **प्रे द्रु-स्तु-स्रुवः** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

२८. **निरभ्योः पूल्वोः** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

२९. **उन्न्योर्ग्रः** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

३०. **कृ धान्ये** (उन्न्योः, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

३१. **यज्ञे समि स्तुवः** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

३२. **प्रे स्त्रोऽयज्ञे** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

३३. **प्रथमे वावशब्दे** (स्त्रः, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

३४. **छन्दोनाम्नि च** (वौ, स्त्रः, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

३५. **उदि ग्रहः** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

३६. **समि मुष्टौ** (ग्रहः, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

३७. **परिन्योर्नीणोर्द्यूताभ्रेषयोः** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

३८. **परावनुपात्यय इणः** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

३९. **व्युपयोः शेतेः पर्याये** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

४०. **हस्तादाने चेरस्तेये** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

४१. **निवास-चिति-शरीरोपसमाधानेष्वादेश्च कः** (चेः, अकर्त्तरि च

कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

४२. **सङ्घे चानौत्तराधर्ये** (आदेश्च कः, चेः, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

४३. **कर्मव्यतिहारे णच्स्त्रियाम्** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

४४. **अभिविधौ भाव इनुण्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

४५. **आक्रोशेऽवन्योर्ग्रहः** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

४६. **प्रे लिप्सायाम्** (ग्रहः, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

४७. **परौ यज्ञे** (ग्रहः, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

४८. **नौ वृ धान्ये** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

४९. **उदि श्रयति-यौति-पू-द्रुवः** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

५०. **विभाषाङि रु-प्लुवोः** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

५१. **अवे ग्रहो वर्षप्रतिबन्धे** (विभाषा, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

५२. **प्रे वणिजाम्** (ग्रहः, विभाषा, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

५३. **रश्मौ च** (प्रे, ग्रहः, विभाषा, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

५४. **वृणोतेराच्छादने** (प्रे, विभाषा, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

५५. **परौ भुवोऽवज्ञाने** (विभाषा, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, घञ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

५६. **एरच्** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

५७. **ॠदोरप्** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

५८. **ग्रह-वृ-दृ-निश्चि-गमश्च** (अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
५९. **उपसर्गेऽदः** (अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६०. **नौ ण च** (अदः, अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६१. **व्यध-जपोरनुपसर्गे** (अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६२. **स्वन-हसोर्वा** (अनुपसर्गे, अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६३. **यमः समुप-नि-विषु च** (वा, अनुपसर्गे, अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६४. **नौ गद-नद-पठ-स्वनः** (वा, अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६५. **क्वणो वीणायां च** (नौ, वा, अनुपसर्गे, अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६६. **नित्यं पणः परिमाणे** (अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६७. **मदोऽनुपसर्गे** (अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६८. **प्रमद-सम्मदौ हर्षे** (अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६९. **समुदोरजः पशुषु** (अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७०. **अक्षेषु ग्लहः** (अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७१. **प्रजने सर्तेः** (अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७२. **ह्वः संप्रसारणं च न्यभ्युपविषु** (अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७३. **आङि युद्धे** (ह्वः संप्रसारणम्, अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्,

भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

७४. **निपानमाहावः** (हः संप्रसारणम्, अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

७५. **भावेऽनुपसर्गस्य** (हः संप्रसारणम्, अप्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

७६. **हनश्च वधः** (भावेऽनुपसर्गस्य, अप्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

७७. **मूर्तौ घनः** (हनः, अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

७८. **अन्तर्घनो देशे** (घनः, हनः, अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

७९. **अगारैकदेशे प्रघणः प्रघाणश्च** (घनः, हनः, अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

८०. **उद्घनोऽत्याधानम्** (घनः, हनः, अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

८१. **अपघनोऽङ्गम्** (घनः, हनः, अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

८२. **करणेऽयोविद्रुषु** (घनः, हनः, अप्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

८३. **स्तम्बे क च** (करणे, घनः, हनः, अप्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

८४. **परौ घः** (करणे, हनः, अप्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

८५. **उपघ्न आश्रये** (हनः, अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

८६. **सङ्घोद्घौ गण-प्रशंसयोः** (हनः, अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

८७. **निघो निमित्तम्** (हनः, अप्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

८८. **ड्वितः क्त्रिः** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

८९. **ट्वितोऽथुच्** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

९०. **यज-याच-यत-विच्छ-प्रच्छ-रक्षो नङ्** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

९१. **स्वपो नन्** (भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

९२. **उपसर्गे घोः किः** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

९३. **कर्मण्यधिकरणे च** (घोः, किः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९४. **स्त्रियां क्तिन्** (अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९५. **स्थागापापचो भावे** (स्त्रियाम्, क्तिन्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९६. **मन्त्रे वृषेष-पच-मन-विद-भू-वीरा उदात्तः** (भावे, स्त्रियाम्, क्तिन्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९७. **ऊति-यूति-जूति-साति-हेति-कीर्तयश्च** (उदात्तः, स्त्रियाम्, क्तिन्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९८. **व्रज-यजोर्भावे क्यप्** (उदात्तः, स्त्रियाम्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९९. **संज्ञायां समज-निषद-निपत-मन-विद-षुञ्-शीङ्-भृञिणः** (क्यप्, उदात्तः, स्त्रियाम्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१००. **कृञः श च** (क्यप्, उदात्तः, स्त्रियाम्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०१. **इच्छा** (श, स्त्रियां, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०२. **अ प्रत्ययात्** (स्त्रियां, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०३. **गुरोश्च हलः** (अ, स्त्रियां, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०४. **षिद्भिदादिभ्योऽङ्** (स्त्रियां, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०५. **चिन्ति-पूजि-कथि-कुम्बि-चर्चश्च** (अङ्, स्त्रियाम्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०६. **आतश्चोपसर्गे** (अङ्, स्त्रियाम्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०७. **ण्यास-श्रन्थो युच्** (स्त्रियाम्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०८. **रोगाख्यायां ण्वुल्बहुलम्** (स्त्रियाम्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०९. **संज्ञायाम्** (ण्वुल्, स्त्रियाम्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११०. **विभाषाख्यान-परिप्रश्नयोरिञ्च** (ण्वुल्, स्त्रियाम्, अकर्त्तरि च कारके

संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१११. **पर्यायार्हर्णोत्पत्तिषु ण्वुच्** (विभाषा, स्त्रियाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११२. **आक्रोशे नञ्यनिः** (स्त्रियाम्, अकर्त्तरि च कारके संज्ञायाम्, भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११३. **कृत्य-ल्युटो बहुलम्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११४. **नपुंसके भावे क्तः** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११५. **ल्युट् च** (नपुंसके भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११६. **कर्मणि च येन संस्पर्शात्कर्तुः शरीरसुखम्** (ल्युट्, नपुंसके भावे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११७. **करणाधिकरणयोश्च** (ल्युट्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११८. **पुंसि संज्ञायां घः प्रायेण** (करणाधिकरणयोः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११९. **गोचर-संचर-वह-व्रज-व्यजापण-निगमाश्च** (पुंसि, संज्ञायाम्, घः, करणाधिकरणयोः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२०. **अवे तॄस्त्रोर्घञ्** (पुंसि संज्ञायाम्, प्रायेण, करणाधिकरणयोः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२१. **हलश्च** (घञ्, पुंसि संज्ञायाम्, प्रायेण, करणाधिकरणयोः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२२. **अध्याय-न्यायोद्यावसंहाराश्च** (घञ्, पुंसि संज्ञायाम्, करणाधिकरणयोः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२३. **उदङ्कोऽनुदके** (घञ्, पुंसि संज्ञायाम्, करणाधिकरणयोः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२४. **जालमानायः** (घञ्, पुंसि संज्ञायाम्, करणे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२५. **खनो घ च** (घञ्, पुंसि संज्ञायाम्, करणाधिकरणयोः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२६. **ईषद्दुःसुषु कृच्छ्राकृच्छ्रार्थेषु खल्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२७. **कर्तृ-कर्मणोश्च भूकृञोः** (ईषद्दुःसुषु कृच्छ्राकृच्छ्रार्थेषु खल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२८. **आतो युच्** (ईषद्दुःसुषु कृच्छ्राकृच्छ्रार्थेषु धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

१२९. **छन्दसि गत्यर्थेभ्यः** (युच्, ईषद्दुःसुषु कृच्छ्राकृच्छ्रार्थेषु धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३०. **अन्येभ्योऽपि दृश्यते** (छन्दसि, युच्, ईषद्दुःसुषु कृच्छ्राकृच्छ्रार्थेषु धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३१. **वर्तमान-सामीप्ये वर्तमानवद्वा** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३२. **आशंसायां भूतवच्च** (वर्तमानवद्वा, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३३. **क्षिप्रवचने लृँट्** (आशंसायां, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३४. **आशंसावचने लिँङ्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३५. **नानद्यतनवत्क्रियाप्रबन्धसामीप्ययोः** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३६. **भविष्यति मर्यादावचनेऽवरस्मिन्** (नानद्यतनवत्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३७. **कालविभागे चानहोरात्राणाम्** (भविष्यति मर्यादावचनेऽवरस्मिन्, नानद्यतनवत्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३८. **परस्मिन्विभाषा** (कालविभागे चानहोरात्राणाम्, भविष्यति मर्यादावचने, नानद्यतनवत्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३९. **लिँङ्निमित्ते लृँङ् क्रियातिपत्तौ** (भविष्यति, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४०. **भूते च** (लिङ्निमित्ते लृँङ् क्रियातिपत्तौ, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४१. **वोताप्योः** (लिङ्निमित्ते लृँङ् क्रियातिपत्तौ, भूते, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४२. **गर्हायां लँडपिजात्वोः** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४३. **विभाषा कथमि लिँङ् च** (गर्हायां लँट्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४४. **किंवृत्ते लिँङ्लृँटौ** (गर्हायां, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४५. **अनवक्लृप्त्यमर्षयोरकिंवृत्तेऽपि** (लिँङ्लृटौ, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४६. **किंकिलास्त्यर्थेषु लृँट्** (अनवक्लृप्त्यमर्षयोः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४७. **जातुयदोर्लिँङ्** (अनवक्लृप्त्यमर्षयोः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४८. **यच्चयत्रयोः** (लिँङ्, अनवक्लृप्त्यमर्षयोः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४९. **गर्हायां च** (यच्चयत्रयोः, लिँङ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१५०. **चित्रीकरणे च** (यच्चयत्रयोः, लिँङ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१५१. **शेषे लृँडयदौ** (चित्रीकरणे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१५२. **उताप्योः समर्थयोर्लिङ्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१५३. **कामप्रवेदनेऽकच्चिति** (लिँङ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१५४. **सम्भावनेऽलमिति चेत्सिद्धाप्रयोगे** (लिँङ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१५५. **विभाषा धातौ सम्भावनवचनेऽयदि** (संभावनेऽलमिति चेत्सिद्धाप्रयोगे,

लिँङ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१५६. **हेतु-हेतुमतोर्लिँङ्** (विभाषा, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१५७. **इच्छार्थेषु लिङ्लोटौ** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१५८. **समानकर्तृकेषु तुमुन्** (इच्छार्थेषु, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१५९. **लिँङ् च** (समानकर्तृकेषु, इच्छार्थेषु, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१६०. **इच्छार्थेभ्यो विभाषा वर्तमाने** (लिँङ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१६१. **विधि-निमन्त्रणा-मन्त्रणा-धीष्ट-सम्प्रश्न-प्रार्थनेषु लिँङ्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१६२. **लौँट् च** (विधि प्रार्थनेषु, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१६३. **प्रैषातिसर्ग-प्राप्तकालेषु कृत्याश्च** (लौँट्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१६४. **लिँङ् चोर्ध्वमौहूर्तिके** (प्रैषातिसर्गप्राप्तकालेषु, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१६५. **स्मे लौँट्** (ऊर्ध्वमौहूर्तिके, प्रैषातिसर्गप्राप्तकालेषु, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१६६. **अधीष्टे च** (स्मे लौँट्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१६७. **काल-समय-वेलासु तुमुँन्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१६८. **लिँङ्यदि** (कालसमयवेलासु, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१६९. **अर्हे कृत्य-तृचश्च** (लिँङ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१७०. **आवश्यकाधमर्ण्ययोर्णिनिँः** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१७१. **कृत्याश्च** (आवश्यकाधमर्ण्ययोः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१७३. **शकि लिँङ् च** (कृत्याः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१७४. **आशिषि लिँङ् लौँटौ** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१७५. **क्तिच्क्तौ च संज्ञायाम्** (आशिषि, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१७६. **माङि लुँङ्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च, लिँङ्लोटौ)
१७७. **स्मोत्तरे लँङ् च** (माङि लुँङ्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

चतुर्थः पादः

१. **धातुसम्बन्धे प्रत्ययाः**
२. **क्रियासमभिहारे लौँट् लौँटो हिस्वौ वा च तध्वमोः** (धातुसम्बन्धे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
३. **समुच्चयेऽन्यतरस्याम्** (लौँट् लौँटो हिस्वौ वा च तध्वमोः, धातुसम्बन्धे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

४. **यथाविध्यनुप्रयोगः पूर्वस्मिन्** (धातोः)
५. **समुच्चये सामान्यवचनस्य** (अनुप्रयोगः, धातोः)
६. **छन्दसि लुङ्लङ्लिटः** (धातुसम्बन्धे, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७. **लिँङर्थे लेँट्** (छन्दसि धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
८. **उपसंवादाशङ्कयोश्च** (लेँट्, छन्दसि धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
९. **तुमर्थे से-सेनसेऽसेन्क्से-कसेनध्यै-अध्यैन्कध्यै-कध्यैन्शध्यै-शध्यैन्तवै-तवेङ्तवेनः** (छन्दसि धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१०. **प्रयै रोहिष्यै अव्यथिष्यै** (तुमर्थे, छन्दसि धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११. **दृशे विख्ये च** (तुमर्थे, छन्दसि धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१२. **शकि णमुँल्कमुँलौ** (तुमर्थे, छन्दसि धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१३. **ईश्वरे तोसुँन्कसुँनौ** (तुमर्थे, छन्दसि धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१४. **कृत्यार्थे तवै-केन्केन्य-त्वनः** (छन्दसि धातोः, प्रत्ययः, परश्च, कृत्यानामर्थौ भावकर्मणी तयोरेव कृत्य० ३/४/७० इत्यनेन)
१५. **अवचक्षे च** (कृत्यार्थे, छन्दसि धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१६. **भावलक्षणे स्थेण्कृञ्वदि-चरि-हु-तमि-जनिभ्यस्तोसुँन्** (तुमर्थे, छन्दसि धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१७. **सृपि-तृदोः कसुँन्** (भावलक्षणे, तुमर्थे, छन्दसि धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१८. **अलं-खल्वोः प्रतिषेधयोः प्राचां क्त्वा** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
१९. **उदीचां माङो व्यतीहारे** (क्त्वा, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२०. **परावरयोगे च** (क्त्वा, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२१. **समानकर्तृकयोः पूर्वकाले** (क्त्वा, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२२. **आभीक्ष्ण्ये णमुल् च** (क्त्वा, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२३. **न यद्यनाकाङ्क्षे** (आभीक्ष्ण्ये णमुल्, समानकर्तृकयोः पूर्वकाले, क्त्वा, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२४. **विभाषाऽग्रे-प्रथम-पूर्वेषु** (समानकर्तृकयोः पूर्वकाले, क्त्वा, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२५. **कर्मण्याक्रोशे कृञः खमुँञ्** (समानकर्तृकयोः पूर्वकाले, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२६. **स्वादुमि णमुँल्** (कृञः, समानकर्तृकयोः पूर्वकाले, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२७. **अन्यथैवं-कथमित्थंसु सिद्धाप्रयोगश्चेत्** (णमुल्, कृञः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

२८. **यथा-तथयोरसूया-प्रतिवचने** (सिद्धाप्रयोगः, णमुल्, कृञः, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
२९. **कर्मणि दृशि-विदोः साकल्ये** (णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
३०. **यावति विन्द-जीवोः** (णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
३१. **चर्मोदरयोः पूरेः** (कर्मणि, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
३२. **वर्षप्रमाण ऊलोपश्चास्यान्यतरस्याम्** (पूरेः, कर्मणि, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
३३. **चेले क्नोपेः** (वर्षप्रमाणे, कर्मणि, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
३४. **निमूल-समूलयोः कषः** (कर्मणि, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
३५. **शुष्क-चूर्ण-रूक्षेषु पिषः** (कर्मणि, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
३६. **समूलाकृत-जीवेषु हन्कृञ्ग्रहः** (कर्मणि, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
३७. **करणे हनः** (णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
३८. **स्नेहने पिषः** (करणे, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
३९. **हस्ते वर्ति-ग्रहोः** (करणे, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
४०. **स्वे पुषः** (करणे, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
४१. **अधिकरणे बन्धः** (णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
४२. **संज्ञायाम्** (बन्धः, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
४३. **कर्त्रोर्जीव-पुरुषयोर्नशि-वहोः** (णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
४४. **ऊर्ध्वे शुषिपूरोः** (कर्त्रोः, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
४५. **उपमाने कर्मणि च** (कर्त्रोः, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
४६. **कषादिषु यथाविध्यनुप्रयोगः**
४७. **उपदंशस्तृतीयायाम्** (णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
४८. **हिंसार्थानां च समानकर्मकाणाम्** (तृतीयायाम्, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
४९. **सप्तम्यां चोपपीड-रुध-कर्षः** (तृतीयायाम्, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
५०. **समासत्तौ** (सप्तम्याम्, तृतीयायाम्, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
५१. **प्रमाणे च** (सप्तम्याम्, तृतीयायाम्, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
५२. **अपादाने परीप्सायाम्** (णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
५३. **द्वितीयायां च** (परीप्सायाम्, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
५४. **स्वाङ्गेऽध्रुवे** (द्वितीयायाम्, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
५५. **परिक्लिश्यमाने च** (स्वाङ्गे, द्वितीयायाम्, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)

५६. **विशि-पति-पदि-स्कन्दां व्याप्यमाना-सेव्यमानयोः** (द्वितीयायाम्, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
५७. **अस्यति-तृषोः क्रियान्तरे कालेषु** (द्वितीयायाम्, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
५८. **नाम्न्यादिशि-ग्रहोः** (द्वितीयायाम्, णमुल्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
५९. **अव्ययेऽयथाभिप्रेताख्याने कृञः क्त्वा-णमुलौ** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६०. **तिर्यच्यपवर्गे** (कृञः क्त्वाणमुलौ, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६१. **स्वाङ्गे तस्प्रत्यये कृभ्वोः** (क्त्वाणमुलौ, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६२. **नाधार्थप्रत्यये च्व्यर्थे** (कृभ्वोः, क्त्वाणमुलौ, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६३. **तूष्णीमि भुवः** (क्त्वाणमुलौ, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६४. **अन्वच्यानुलोम्ये** (भुवः, क्त्वाणमुलौ, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६५. **शक-धृष-ज्ञा-ग्ला-घट-रभ-लभ-क्रम-सहार्हास्त्यर्थेषु तुमुन्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६६. **पर्याप्तिवचनेष्वलमर्थेषु** (तुमुन्, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
६७. **कर्तरि कृत्** (धातोः, प्रत्ययः)
६८. **भव्य-गेय-प्रवचनीयोप-स्थानीय-जन्या-प्लाव्या-पात्या वा** (कर्त्तरि, प्रत्ययः)
६९. **लः कर्मणि च भावे चाकर्मकेभ्यः** (कर्त्तरि, धातोः)
७०. **तयोरेव कृत्य-क्त-खलर्थाः** (कर्मणि भावे चाकर्मकेभ्यः, प्रत्ययः)
७१. **आदिकर्मणि क्तः कर्तरि च** (कर्मणि भावे चाकर्मकेभ्यः, प्रत्ययः)
७२. **गत्यर्थाकर्मक-श्लिष-शीङ्-स्थास-वस-जन-रुह-जीर्यतिभ्यश्च** (क्तः, कर्त्तरि, कर्मणि भावे चाकर्मकेभ्यः, धातोः, प्रत्ययः)
७३. **दाश-गोघ्नौ संप्रदाने**
७४. **भीमादयोऽपादाने**
७५. **ताभ्यामन्यत्रोणादयः** (प्रत्ययः)
७६. **क्तोऽधिकरणे च ध्रौव्य-गति-प्रत्यवसनार्थेभ्यः** (धातोः, प्रत्ययः)
७७. **लस्य**
७८. **तिप्तस्झि-सिप्थस्थ-मिब्वस्मस्-तातांझ-थासाथां-ध्वमिड्-वहि-महिङ्** (लस्य, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
७९. **टित आत्मनेपदानां टेरे** (लस्य, धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
८०. **थासः से** (टितः, लस्य)

८१. **लिटस्त-झयोरेशिरेच्**
८२. **परस्मैपदानां णल-तु-सु-स्थल-थुस-णल्वमाः** (लिँटः)
८३. **विदो लँटो वा** (परस्मैपदानां णलतुसुस्थलथुसणल्वमाः, धातोः)
८४. **ब्रुवःपञ्चानामादित आहो ब्रुवः** (लँटो वा, परस्मैपदानां णलतुसुस्थलथुसणल्वमाः, धातोः)
८५. **लोँटो लँङ्वत्**
८६. **एरुः** (लोँटः)
८७. **सेर्ह्यपिच्च** (लोँटः)
८८. **वा छन्दसि** (सेर्ह्यपित्, लोँटः)
८९. **मेर्निः** (लोटः)
९०. **आमेतः** (लोटः)
९१. **सवाभ्यां वामौ** (लोटः)
९२. **आडुत्तमस्य पिच्च** (लोटः)
९३. **एत ऐ** (उत्तमस्य, लोटः)
९४. **लेटोँऽडाटौ**
९५. **आत ऐ** (लेटः)
९६. **वैताऽन्यत्र** (ऐ, लेटः)
९७. **इतश्च लोपः परस्मैपदेषु** (वा, लेटः)
९८. **स उत्तमस्य** (लोपः, वा, लेटः)
९९. **नित्यं ङ्ितः** (स उत्तमस्य, लोपः, लस्य)
१००. **इतश्च** (नित्यं ङ्ितः, लोपः, लस्य)
१०१. **तस्-थस्-थ-मिपां तां-तं-तामः** (ङितः, लस्य)
१०२. **लिँङः सीयुँट्**
१०३. **यासुँट्परस्मैपदेषूदात्तो ङिच्च** (लिँङः)
१०४. **किदाशिषि** (यासुट्परस्मैपदेषूदात्तः, लिँङः)
१०५. **झस्य रन्** (लिँङः)
१०६. **इटोऽत्** (लिँङः)
१०७. **सुँट्तिथोः** (लिँङः)
१०८. **झेर्जुस्** (लिँङः)
१०९. **सिँजभ्यस्त-विदिभ्यश्च** (झेर्जुस्, लस्य, ङितः)

११०. **आतः** (झेर्जुस्, सिँचः)
१११. **लँङः शाकटायनस्यैव** (आतः, झेर्जुस्)
११२. **द्विषश्च** (लँङः शाकटायनस्यैव, झेर्जुस्)
११३. **तिङ्शित्सार्वधातुकम्** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११४. **आर्धधातुकं शेषः** (धातोः, प्रत्ययः, परश्च)
११५. **लिँट् च** (आर्धधातुकम्)
११६. **लिँङाशिषि** (आर्धधातुकम्)
११७. **छन्दस्युभयथा**

अनिट् स्वरान्तो भवतीति दृश्यताम्, इमांस्तु सेटः प्रवदन्ति तद्विदः।
अदन्तमॄदन्तमृतां च वृङ्वृञौ, श्विडिङिवर्णष्वथ शीङ्श्रिञावपि।।१।।

गणस्थमूदन्तमुतां च रुस्नुवौ, क्षुवन्तथोर्णोतिमथोयुक्ष्णुवः।
इति स्वरान्ता निपुणं समुच्चितास्ततो हलन्तानपि सन्निबोधत।।२।।

शकिस्तु कान्तेष्वनिडेक इष्यते, घसिश्च सान्तेषु वसिः प्रसारणी।
रभिस्तु भान्तेष्वथ मैथुने यभिस्ततस्तृतीयो लभिरेव नेतरे।।३।।

यमिर्नमन्तेष्वनिडेक इष्यते, रमिश्च यश्च श्यनि पठ्यते मनिः।
नमिश्चतुर्थो हनिरेव पञ्चमो, गमिश्च षष्ठः प्रतिषेधवाचिनाम्।।४।।

दिहिर्दुहिर्मेहतिरोहती वहिर्नहिस्तु षष्ठो दहतिस्तथा लिहिः।
इमेऽनिटोऽष्टाविह मुक्तसंशया, गणेषु हन्ताः प्रविभज्य कीर्त्तिताः।।५।।

दिशिं दृशिं दंशिमथो मृशिं स्पृशिं, रिशिं रुशिं क्रोशतिमष्टमं विशिम्।
लिशिं च शान्ताननिटः पुराणगाः, पठन्ति पाठेषु दशैव नेतरान्।।६।।

रुधिः सराधिर्युधिबन्धिसाधयः, क्रुधिक्षुधी शुध्यतिबुध्यती व्यधिः।
इमे तु धान्ता दश येऽनिटो मतास्ततः परं सिध्यतिरेव नेतरे।।७।।

शिषिं पिशिं शुष्यतिपुष्यती त्विषिं, विषिं श्लिषिं तुष्यतिदुष्यती द्विषिम्।
इमान् दशैवोपदिशन्त्यनिड्विधौ, गणेषु षान्तान् कृषिकर्षती तथा।।८।।

...शेष श्लोक पृष्ठ पर १२६ देखें।

अथ चतुर्थोऽध्यायः

प्रथमः पादः

१. **ङ्याप्प्रातिपदिकात्**
२. **स्वौजस्मौट्-छष्टाभ्याम्भिस्-ङेभ्याम्भ्यस्-ङसिँभ्याम्भ्यस्-ङसोसाम्ङ्योस्सुप्** (ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३. **स्त्रियाम्**
४. **अजाद्यतष्टाप्** (स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
५. **ऋन्नेभ्यो ङीप्** (स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६. **उगितश्च** (स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, ङीप्, प्रत्ययः, परश्च)
७. **वनो र च** (स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, ङीप्, प्रत्ययः, परश्च)
८. **पादोऽन्यतरस्याम्** (स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, ङीप्, प्रत्ययः, परश्च)
९. **टाबृचि** (स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, पादः, प्रत्ययः, परश्च)
१०. **न षट्स्वस्रादिभ्यः** (स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
११. **मनः** (स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, न ङीप्, प्रत्ययः, परश्च)
१२. **अनो बहुव्रीहेः** (स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, न ङीप्, प्रत्ययः, परश्च)
१३. **डाबुभाभ्यामन्यतरस्याम्** (स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१४. **अनुपसर्जनात्** (स्त्रियाम्, प्रत्ययः)
१५. **टिड्ढाणञ्द्वयसज्दघ्नञ्मात्रच्तयप्ठक्ठञ्कञ्क्वरपः** (अतः, अनुपसर्जनात्, ङीप्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१६. **यञश्च** (अतः, अनुपसर्जनात्, ङीप्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१७. **प्राचां ष्फस्तद्धितः** (अतः, यञः, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१८. **सर्वत्र लोहितादि-कतन्तेभ्यः** (ष्फस्तद्धितः, अतः, यञः, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१९. **कौरव्य-माण्डूकाभ्यां च** (ष्फस्तद्धितः, अतः, यञः, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२०. **वयसि प्रथमे** (अतः, ङीप्, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२१. **द्विगोः** (अतः, ङीप्, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२२. **अपरिमाण-बिस्ताचित-कम्बल्येभ्यो न तद्धितलुकि** (द्विगोः, अतः, ङीप्, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२३. **काण्डान्तात्क्षेत्रे** (न तद्धितलुकि, द्विगोः, अतः, ङीप्, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२४. **पुरुषात्प्रमाणेऽन्यतरस्याम्** (न तद्धितलुकि, द्विगोः, अतः, ङीप्, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२५. **बहुव्रीहेरूधसो ङीष्** (स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२६. **संख्याव्ययादेर्ङीप्** (बहुव्रीहेरूधसः, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२७. **दाम-हाय्यनान्ताच्च** (संख्यादेः, ङीप्, बहुव्रीहेः, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२८. **अन उपधालोपिनोऽन्यतरस्याम्** (ङीप्, बहुव्रीहेः, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२९. **नित्यं संज्ञाछन्दसोः** (अन उपधालोपिनः, ङीप्, बहुव्रीहेः, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३०. **केवल-मामक-भागधेय-पापापर-समानार्य-कृत-सुमङ्गल-भेषजाच्च** (संज्ञाछन्दसोः, ङीप्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३१. **रात्रेश्चाजसौ** (संज्ञाछन्दसोः, ङीप्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३२. **अन्तर्वत्पतिवतोर्नुक्** (ङीप्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३३. **पत्युर्नो यज्ञसंयोगे** (ङीप्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३४. **विभाषा सपूर्वस्य** (पत्युर्नः, ङीप्, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३५. **नित्यं सपत्न्यादिषु** (पत्युर्नः, ङीप्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३६. **पूतक्रतोरै च** (ङीप्, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३७. **वृषाकप्यग्नि-कुसित-कुसिदानामुदात्तः** (ऐ, ङीप्, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३८. **मनोरौ वा** (उदात्तः, ऐ, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३९. **वर्णादनुदात्तात्तोपधात्तो नः** (वा, ङीप्, अतः, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४०. **अन्यतो ङीष्** (वर्णादनुदात्तात्, अतः, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४१. **षिद्गौरादिभ्यश्च** (ङीष्, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४२. **जानपद-कुण्ड-गोण-स्थल-भाज-नाग-काल-नील-कुश-कामुक-कबराद् वृत्त्यमत्रावपनाकृत्रिमा-श्राणा-स्थौल्य-वर्णानाच्छादनायो-विकार-मैथुनेच्छा-केशवेशेषु** (ङीष्, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४३. **शोणात्प्राचाम्** (ङीष्, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४४. **वोतो गुणवनात्** (ङीष्, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४५. **बह्वादिभ्यश्च** (वा, ङीष्, अनुपसर्जनात्, प्रातिपदिकात्, स्त्रियाम्, प्रत्ययः, परश्च)

४६. **नित्यं छन्दसि** (बह्वादिभ्यः, ङीष्, अनुपसर्जनात्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४७. **भुवश्च** (नित्यं छन्दसि, ङीष्, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४८. **पुंयोगादाख्यायाम्** (ङीष्, अतः, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४९. **इन्द्र-वरुण-भव-शर्व-रुद्र-मृड-हिमारण्य-यव-यवन-मातुलाचार्याणामानुँक्** (पुंयोगात्, ङीष्, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५०. **क्रीतात्करणपूर्वात्** (ङीष्, अतः, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५१. **क्तादल्पाख्यायाम्** (करणपूर्वात्, ङीष्, अतः, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५२. **बहुव्रीहेश्चान्तोदात्तात्** (क्तान्तात्, ङीष्, अतः, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५३. **अस्वाङ्गपूर्वपदाद्वा** (बहुव्रीहेश्चान्तोदात्तत्, क्तात्, ङीष्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५४. **स्वाङ्गाच्चोपसर्जनादसंयोगोपधात्** (वा, ङीष्, अतः, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५५. **नासिकोदरौष्ठ-जङ्घा-दन्त-कर्ण-शृङ्गाच्च** (स्वाङ्गाच्चोपसर्जनात्, वा, ङीष्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५६. **न क्रोडादि-बह्वचः** (स्वाङ्गाच्चोपसर्जनात्, वा, ङीष्, अतः, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
५७. **सह-नञ्विद्यमान-पूर्वाच्च** (न, स्वाङ्गाच्चोपसर्जनात्, ङीष्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
५८. **नख-मुखात्संज्ञायाम्** (न, स्वाङ्गाच्चोपसर्जनात्, ङीष्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
५९. **दीर्घजीह्वी च च्छन्दसि** (ङीष्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६०. **दिक्पूर्वपदान्ङीप्** (स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६१. **वाहः** (छन्दसि, ङीष्, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६२. **सख्यशिश्वीति भाषायाम्** (ङीष्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६३. **जातेरस्त्रीविषयादयोपधात्** (ङीष्, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६४. **पाक-कर्ण-पर्ण-पुष्प-फल-मूल-वालोत्तर-पदाच्च** (जातेः, ङीष्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६५. **इतो मनुष्यजातेः** (ङीष्, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६६. **उङुतः** (मनुष्यजातेः, (स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६७. **बाह्वन्तात्संज्ञायाम्** (उङः, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६८. **पङ्गोश्च** (उङः, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६९. **ऊरूत्तरपदादौपम्ये** (उङः, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७०. **संहित-शफ-लक्षण-वामादेश्च** (ऊरूत्तरपदात्, उङः, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७१. **कद्रु-कमण्डल्वोश्छन्दसि** (उङः, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७२. **संज्ञायाम्** (कद्रुकमण्डलवोः, उङः, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७३. **शाङ्गर्रवाद्यञो ङीन्** (अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७४. **यङश्चाप्** (स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७५. **आवट्याच्च** (चाप्, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७६. **तद्धिताः**
७७. **यूनस्तिः** (तद्धिताः, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७८. **अणिञोरनार्षयोर्गुरूपोत्तमयोः ष्यङ्गोत्रे** (तद्धिताः, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्)
७९. **गोत्रावयवात्** (अणिञोः ष्यङ् गोत्रे, तद्धिताः, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्)
८०. **क्रौड्यादिभ्यश्च** (ष्यङ् गोत्रे, तद्धिताः, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
८१. **दैवयज्ञि-शौचिवृक्षि-सात्य-मुग्रि-काण्ठेविद्धिभ्योऽन्यतरस्याम्** (ष्यङ्, तद्धिताः, अनुपसर्जनात्, स्त्रियाम्, प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
८२. **समर्थानां प्रथमाद्वा**
८३. **प्राग्दीव्यतोऽण्** (प्रत्ययः, परश्च)
८४. **अश्वपत्यदिभ्यश्च** (प्राग्दीव्यतोऽण्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
८५. **दित्यदित्यादित्य-पत्युत्तरपदाण्ण्यः** (प्राग्दीव्यतः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
८६. **उत्सादिभ्योञ्** (प्राग्दीव्यतः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
८७. **स्त्री-पुसाभ्यां नञ्स्नञौ भवनात्** (प्राक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
८८. **द्विगोर्लुगनपत्ये** (प्राग्दीव्यतः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः)
८९. **गोत्रेऽलुगचि** (प्राग्दीव्यतः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः)
९०. **यूनि लुक्** (अचि, प्राग्दीव्यतः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः)
९१. **फक्फिञोरन्यतरस्याम्** (यूनि लुक्, अचि, प्राग्दीव्यतः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः)
९२. **तस्यापत्यम्** (समर्थानां प्रथमाद्वा, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९३. **एको गोत्रे** (ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः)
९४. **गोत्राद्यून्यस्त्रियाम्** (ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः)
९५. **अत इञ्** (तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९६. **बाह्वादिभ्यश्च** (इञ्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९७. **सुधातुरकँङ् च** (इञ्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९८. **गोत्रे कुञ्जादिभ्यः च्फञ्** (तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९९. **नडादिभ्यः फक्** (गोत्रे, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१००. **हरितादिभ्योऽञः** (फक्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०१. **यञिञोश्च** (फक्, गोत्रे, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०२. **शरद्वच्छुनक-दर्भाद्भृगुवत्साग्रायणेषु** (फक्, गोत्रे, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०३. **द्रोण-पर्वत-जीवन्तादन्यतरस्याम्** (फक्, गोत्रे, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०४. **अनृष्यानन्तर्ये विदादिभ्योऽञ्** (तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०६. **गर्गादिभ्यो यञ्** (गोत्रे, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०७. **मधु-बभ्र्वोर्ब्राह्मण-कौशिकयोः** (यञ्, गोत्रे, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०८. **कपिबोधादाङ्गिरसे** (यञ्, गोत्रे, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०९. **वतण्डाच्च** (आङ्गिरसे, यञ्, गोत्रे, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११०. **लुक्स्त्रियाम्** (वतण्डात्, आङ्गिरसे, यञ्, गोत्रे, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१११. **अश्वादिभ्यः फञ्** (गोत्रे, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११२. **भर्गात्त्रैगर्ते** (फञ्, गोत्रे, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११३. **शिवादिभ्योऽण्** (तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११४. **अवृद्धाभ्यो नदी-मानुषीभ्यस्तन्नामिकाभ्यः** (अण्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११५. **ऋष्यगन्धक-वृष्णि-कुरुभ्यश्च** (अण्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः,

ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
११६. **मातुरुत्संख्या-सं-भद्रपूर्वायाः** (अण्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
११७. **कन्यायाः कनीन च** (अण्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
११८. **विकर्ण-शुङ्ग-च्छगलाद्वत्स-भरद्वाजात्रिषु** (अण्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
११६. **पीलाया वा** (अण्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१२०. **ढक्च मण्डूकात्** (वा, अण्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१२०. **स्त्रीभ्यो ढक्** (तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१२१. **द्व्यचः** (स्त्रीभ्यो ढक्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१२२. **इतश्चानिञः** (द्व्यचः, ढक्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१२३. **शुभ्रादिभ्यश्च** (ढक्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१२४. **विकर्णकुषीतकात् काश्यपे** (ढक्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१२५. **भ्रुवो वुँक्च** (ढक्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१२६. **कल्याण्यादिनामिनँङ्** (ढक्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१२७. **कुलटाया वा** (ढक्, इनङ्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१२८. **चटकाया ऐरक्** (तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१२६. **गोधाया ढ्रक्** (तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३०. **आरगुदीचाम्** (गोधाया, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३१. **क्षुद्राभ्यो वा** (ढ्रक्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३२. **पितृष्वसुश्छण्** (तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३३. **ढकि लोपः** (पितृष्वसुः, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३४. **मातृष्वसुश्च** (पितृष्वसुः, ढकि लोपः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३५. **चतुष्पाद्भ्यो ढञ्** (तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३६. **गृष्ट्यादिभ्यश्च** (ढञ्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३७. **राजश्वशुराद्यत्** (तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३८. **क्षत्राद् घः** (तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३९. **कुलात्खः** (तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१४०. **अपूर्वपदादन्यतरस्यां यड्ढकञौ** (कुलात्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१४१. **महाकुलादञ्खञौ** (अन्यतरस्याम्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१४२. **दुष्कुलाड्ढक्** (अन्यतरस्याम्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१४३. **स्वसुश्छः** (तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१४४. **भ्रातुर्व्यच्च** (छः, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१४५. **व्यन्सपत्ने** (भ्रातुः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१४६. **रेवत्यादिभ्यष्ठक्** (तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१४७. **गोत्रस्त्रियाः कुत्सने ण च** (ठक्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१४८. **वृद्धाट्ठक्सौवीरेषु बहुलम्** (कुत्सने, गोत्रे, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१४९. **फेश्छ च** (वृद्धाट् ठक् सौवीरेषु बहुलम्, कुत्सने, गोत्रे, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१५०. **फाण्टाहृति-मिमताभ्यां ण-फिञौ** (सौवीरेषु बहुलम्, गोत्रे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५१. **कुर्वादिभ्यो ण्यः** (तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१५२. **सेनान्त-लक्षण-कारिभ्यश्च** (ण्यः, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१५३. **उदीचामिञ्** (सेनान्तलक्षणकारिभ्यः, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१५४. **तिकादिभ्यः फिञ्** (तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१५५. **कौशल्य-कार्मार्याभ्यां च** (फिञ्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१५६. **अणो द्व्यचः** (फिञ्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१५७. **उदीचां वृद्धादगोत्रात्** (फिञ्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१५८. **वाकिनादीनां कुँक्च** (उदीचां वृद्धादगोत्रात्, फिञ्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१५९. **पुत्रान्तादन्यतरस्याम्** (कुँक्, उदीचां वृद्धादगोत्रात्, फिञ्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१६०. **प्राचामवृद्धात्फिन्बहुलम्** (तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१६१. **मनोर्जातावञ्यतौ षुँक्च**
१६२. **अपत्यं पौत्रप्रभृति गोत्रम्**
१६३. **जीवति तु वंश्ये युवा** (अपत्यं पौत्रप्रभृति)
१६४. **भ्रातरि च ज्यायसि** (जीवति युवा, अपत्यं पौत्रप्रभृति)
१६५. **वान्यस्मिन्सपिण्डे स्थविरतरे जीवति** (जीवति युवा, अपत्यं पौत्रप्रभृति)
१६६. **जनपदशब्दात्क्षत्रियादञ्** (तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१६७. **साल्वेय-गान्धारिभ्यां च** (जनपदशब्दात् क्षत्रियादञ्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१६८. **द्व्यञ्मगध-कलिङ्ग-सूरमसादण्** (जनपदशब्दात् क्षत्रियात्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१६९. **वृद्धेत्कोसलाजादाञ्ञ्यङ्** (जनपदशब्दात् क्षत्रियात्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः,

ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१७०. **कुरुनादिभ्यो ण्यः** (जनपदशब्दात् क्षत्रियात्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१७१. **साल्वावयव-प्रत्यग्रथ-कलकूटाश्मकादिञ्** (जनपदशब्दात् क्षत्रियात्, तस्यापत्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१७२. **ते तद्राजाः** (जनपदशब्दात् क्षत्रियात्, प्रत्ययः)

१७३. **कम्बोजाल्लुक्** (जनपदशब्दात् क्षत्रियात्, तद्राजाः, प्रत्ययः)

१७४. **स्त्रियामवन्ति-कुन्ति-कुरुभ्यश्च** (लुक्, जनपदशब्दात् क्षत्रियात्, तद्राजाः, प्रत्ययः)

१७५. **अतश्च** (स्त्रियाम्, लुक्, जनपदशब्दात् क्षत्रियात्, तद्राजाः, प्रत्ययः)

१७६. **न प्राच्य-भर्गादि-यौधेयादिभ्यः** (स्त्रियाम्, लुक्, जनपदशब्दात् क्षत्रियात्, तद्राजाः, प्रत्ययः)

द्वितीयः पादः

१. **तेन रक्तं रागात्** (समर्थानां प्रथमाद्वा, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२. **लाक्षा-रोचनाट्ठक्** (तेन रक्तं रागात्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३. **नक्षत्रेण युक्तः कालः** (तेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४. **लुबविशेषे** (तेन, तद्धिताः, नक्षत्रेण युक्तः कालः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५. **सञ्ज्ञायां श्रवणाश्वत्थाभ्याम्** (लुप्, तेन, तद्धिताः, नक्षत्रेण युक्तः कालः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६. **द्वन्द्वाच्छः** (तेन, तद्धिताः, नक्षत्रेण युक्तः कालः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७. **दृष्टं साम** (तेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८. **वामदेवाड्ड्यड्ड्यौ** (तेन, दृष्टं साम, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९. **परिवृतो रथः** (तेन, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०. **पाण्डुकम्बलादिनिः** (परिवृतो रथः, तेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११. **द्वैपवैयाघ्रादञ्** (परिवृतो रथः, तेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२. **कौमारापूर्ववचने** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३. **तत्रोद्धृतममत्रेभ्यः** (अण्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४. **स्थण्डिलाच्छयितरि व्रते** (तत्र, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५. **संस्कृतम् भक्षाः** (तत्र, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१६. **शूलोखाद्यत्** (संस्कृतम् भक्षाः, तत्र, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१७. **दध्नष्ठक्** (संस्कृतम् भक्षाः, तत्र, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१८. **उदश्वितोऽन्यतरस्याम्** (ठक्, संस्कृतम् भक्षाः, तत्र, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१९. **क्षीराड्ढञ्** (संस्कृतम् भक्षाः, तत्र, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२०. **सास्मिन् पौर्णमासीति संज्ञायाम्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२१. **आग्रहायण्यश्वत्थाट्ठक्** (सास्मिन् पौर्णमासीति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२२. **विभाषा फाल्गुनी-श्रवणा-कार्तिकी-चैत्रीभ्यः** (ठक्, सास्मिन् पौर्णमासीति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२३. **सास्य देवता** (समर्थानां प्रथमाद्वा, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२४. **कस्येत्** (सास्य देवता, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२५. **शुक्राद्घन्** (सास्य देवता, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२६. **अपोनप्त्रपांनप्तृभ्यां घः** (सास्य देवता, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२७. **छ च** (अपोनप्त्रपानिप्तृभ्याम्, सास्य देवता, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२८. **महेन्द्राद् घाणौ च** (छ, सास्य देवता, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२९. **सोमाट्ट्यण्** (सास्य देवता, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३०. **वाय्वृतुपित्रुषसो यत्** (सास्य देवता, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३१. **द्यावापृथिवी-शुनासीर-मरुत्वदग्नीषोम-वास्तोष्पति-गृहमेधाच्छ च** (यत्, सास्य देवता, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३२. **अग्नेर्ढक्** (सास्य देवता, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३३. **कालेभ्यो भववत्** (सास्य देवता, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३४. **महाराज-प्रोष्ठपदाट्ठञ्** (सास्य देवता, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३५. **पितृव्य-मातुल-मातामह-पितामहाः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३६. **तस्य समूहः** (समर्थानां प्रथमाद्वा, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३७. **भिक्षादिभ्योऽण्** (तस्य समूहः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३८. **गोत्रोक्षोष्ट्रोरभ्र-राज-राजन्य-राजपुत्र-वत्स-मनुष्याजाद्वुञ्** (तस्य समूहः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३९. **केदाराद्यञ् च** (वुञ्, तस्य समूहः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४०. **ठञ्कवचिनश्च** (तस्य समूहः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४१. **ब्राह्मण-माणव-वाडवाद्यत्** (तस्य समूहः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४२. **ग्राम-जन-बन्धुभ्यस्तल्** (तस्य समूहः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४३. **अनुदात्तदेरञ्** (तस्य समूहः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४४. **खण्डिकादिभ्यश्च** (अञ्, तस्य समूहः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४५. **चरणेभ्यो धर्मवत्** (तस्य समूहः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४६. **अचित्त-हस्तिधेनोष्ठक्** (तस्य समूहः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४७. **केशाश्वाभ्यां यञ्छावन्यतरस्याम्** (तस्य समूहः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४८. **पाशादिभ्यो यः** (तस्य समूहः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४९. **खल-गो-रथात्** (यः, तस्य समूहः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
५०. **इनि-त्र-कट्यचश्च** (खलगोरथात्, तस्य समूहः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
५१. **विषयो देशे** (तस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
५२. **राजन्यादिभ्यो वुञ्** (विषयो देशे, तस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
५३. **भौरिक्याद्यैषुकार्यादिभ्यो विधल्भक्तलौ** (विषयो देशे, तस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
५४. **सोऽस्यादिरिति च्छन्दसः प्रगाथेषु** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
५५. **संग्रामे प्रयोजन-योद्धृभ्यः** (सोऽस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
५६. **तदस्यां प्रहरणमिति क्रीडायां णः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
५७. **घञः साऽस्यां क्रियेति ञः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
५८. **तदधीते तद्वेद** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
५९. **क्रतूक्थादिसूत्रान्ताट्ठक्** (तदधीते तद्वेद, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६०. **क्रमादिभ्यो वुन्** (तदधीते तद्वेद, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६१. **अनुब्राह्मणादिनिँः** (तदधीते तद्वेद, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६२. **वसन्तादिभ्यष्ठक्** (तदधीते तद्वेद, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६३. **प्रोक्ताल्लुक्** (तदधीते तद्वेद, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६४. **सूत्राच्च कोपधात्** (लुक्, तदधीते तद्वेद, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६५. **छन्दोब्राह्मणानि च तद्विषयाणि** (प्रोक्तात्, तदधीते तद्वेद, ङ्याप्प्रातिपदिकात्)
६६. **तदस्मिन्नस्तीति देशे तन्नाम्नि** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६७. **तेन निर्वृत्तम्** (देशे तन्नाम्नि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६८. **तस्य निवासः** (देशे तन्नाम्नि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६९. **अदूरभवश्च** (तस्य, देशे तन्नाम्नि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७०. **ओरञ्**
७१. **मतोश्च बह्वजङ्गात्** (अञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७२. **बह्वचः कूपेषु** (अञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७३. **उदक्च विपाशः** (कूपेषु, अञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७४. **संकलादिभ्यश्च** (अञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७५. **स्त्रीषु सोवीर-साल्व-प्राक्षु** (अञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७६. **सुवास्त्वादिभ्योऽण्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७७. **रोणी** (अण्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७८. **कोपधाच्च** (अण्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७९. **वुञ्छण्क-ठजिल-सेनि-रढञ्ण्य-य-फक्फिञिञ्ञ्यकक्-ठकोऽरीहण-कृशाश्वर्श्य-कुमुद-काश-तृण-प्रेक्षाश्म-सखि-सङ्काश-बल-पक्ष-कर्ण-सुतङ्गम-प्रगदिन्वराह-कुमुदादिभ्यः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
८०. **जनपदे लुप्** (ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः)
८१. **वरणादिभ्यश्च** (लुप्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
८२. **शर्कराया वा** (लुप्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
८३. **ठक्छौ च** (शर्करायाः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
८४. **नद्यां मतुँप्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
८५. **मध्वादिभ्यश्च** (मतुप्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
८६. **कुमुद-नड-वेतसेभ्यो ड्मतुँप्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
८७. **नडशादाड्ड्वलच्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
८८. **शिखाया वलच्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८९. **उत्करादिभ्यश्छः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९०. **नडादीनां कुँक्च** (छः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९१. **शेषे** (प्रत्ययः, परश्च)
९२. **राष्ट्रावारपाराद् घखौ** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९३. **ग्रामाद्-यखञौ** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९४. **कत्त्र्यादिभ्यो ढकञ्** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९५. **कुल-कुक्षि-ग्रीवाभ्यः श्वास्यलंकारेषु** (ढकञ्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९६. **नद्यादिभ्यो ढक्** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९७. **दक्षिणा-पश्चात्पुरसस्त्यक्** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९८. **कापिश्याः ष्फक्** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९९. **रङ्कोरमनुष्येऽण् च** (ष्फक्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१००. **द्यु-प्रागपागुदक्प्रतीचो यत्** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०१. **कन्थायाष्ठक्** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०२. **वर्णौ वुक्** (कन्थायाः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०३. **अव्ययात्त्यप्** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०४. **ऐषमो-ह्यः श्वसोऽन्यतरस्याम्** (त्यप्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०५. **तीर-रूप्योत्तरपदादञ्ञौ** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०६. **दिक्पूर्वपदादसंज्ञायां ञः** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०७. **मद्रेभ्योऽञ्** (दिक्पूर्वपदात्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०८. **उदीच्य-ग्रामाच्च बह्वचोऽन्तोदात्तात्** (अञ्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०९. **प्रस्थोत्तरपद-पलद्यादि-कोपधादण्** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
११०. **कण्वादिभ्यो गोत्रे** (अण्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१११. **इञश्च** (गोत्रे, अण्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
११२. **न द्व्यचः प्राच्यभरतेषु** (इञः, गोत्रे, अण्, शेषे, तद्धिताः,

ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११३. **वृद्धाच्छः** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११४. **भवतष्ठक्छसौ** (वृद्धात्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११५. **काश्यादिभ्यष्ठञ्ञिठौ** (वृद्धात्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११६. **वाहीक-ग्रामेभ्यश्च** (ठञ्ञिठौ, वृद्धात्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११७. **विभाषोशीनरेषु** (वाहीकग्रामेभ्यः, ठञ्ञिठौ, वृद्धात्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११८. **ओर्देशे ठञ्** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११६. **वृद्धात्प्राचाम्** (ओर्देशे ठञ्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२०. **धन्व-योपधाद्वुञ्** (वृद्धात्, देशे, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२१. **प्रस्थ-पुर-वहान्ताच्च** (वुञ्, वृद्धात्, देशे, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२२. **रोपधेतोः प्राचाम्** (वुञ्, वृद्धात्, देशे, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२३. **जनपद-तदवध्योश्च** (वुञ्, वृद्धात्, देशे, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२४. **अवृद्धादपि बहुवचनविषयात्** (जनपदतदवध्योः, वुञ्, वृद्धात्, देशे, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२६. **कच्छाग्नि-वक्त्र-गर्तोत्तरपदात्** (अवृद्धादपि, वुञ्, वृद्धात्, देशे, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२७. **धूमादिभ्यश्च** (वुञ्, देशे, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२८. **नगराकुत्सन-प्रवीण्ययोः** (वुञ्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२६. **अरण्यान्मनुष्ये** (वुञ्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२६. **विभाषा कुरु-युगन्धराभ्याम्** (वुञ्, देशे, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३०. **मद्र-वृज्योः कन्** (देशे, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३१. **कोपधादण्** (देशे, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३२. **कच्छादिभ्यश्च** (अण्, देशे, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३३. **मनुष्य-तत्स्थयोर्वुञ्** (कच्छादिभ्यः, देशे, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३४. **अपदातौ साल्वात्** (मनुष्यतत्स्थयोः, वुञ्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३५. **गो-यवाग्वोश्च** (साल्वात्, वुञ्, देशे, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३६. **गर्तोत्तरपदाच्छः** (देशे, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३७. **गहादिभ्यश्च** (छः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३८. **प्राचां कटादेः** (छः, देशे, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३९. **राज्ञः क च** (छः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१४०. **वृद्धादकेकान्त-खोपधात्** (छः, देशे, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१४१. **कन्था-पलद-नगर-ग्राम-ह्रदोत्तरपदात्** (वृद्धात्, छः, देशे, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१४२. **पर्वताच्च** (छः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१४३. **विभाषाऽमनुष्ये** (पर्वतात्, छः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१४४. **कृकण-पर्णाद्भारद्वाजे** (छः, देशे, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

तृतीयः पादः

१. **युष्मदस्मदोरन्यतरस्यां खञ् च** (छः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२. **तस्मिन्नणि च युष्माकास्माकौ** (युष्मदस्मदोः, तस्मिन्निति पदेन खञ् निर्दिश्यते, न छः)

३. **तवक-ममकावेकववचने** (तस्मिन्नणि, युष्मदस्मदोः)
४. **अर्धाद्यत्** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
५. **परावराधमोत्तम-पूर्वाच्च** (अर्धाद्यत्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६. **दिक्पूर्वपदाट्ठञ् च** (अर्धाद्यत्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७. **ग्राम-जनपदैकदेशादञ्ठञौ** (दिक्पूर्वपदात्, अर्धात्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
८. **मध्यान्मः** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९. **अ साम्प्रतिके** (मध्यात्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०. **द्वीपादनुसमुद्रं यञ्** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
११. **कालाट्ठञ्** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१२. **श्राद्धे शरदः** (कालाट्ठञ्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३. **विभाषा रोगातपयोः** (शरदः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१४. **निशा-प्रदोषाभ्यां च** (विभाषा, कालाट्ठञ्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१५. **श्वसस्तुट् च** (विभाषा, कालाट्ठञ्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१६. **संधि-वेलाद्यृतु-नक्षत्रेभ्योऽण्** (कालात्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१७. **प्रावृष एण्यः** (कालात्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१८. **वर्षाभ्यष्ठक्** (कालात्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१९. **छन्दसि ठञ्** (वर्षाभ्यः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२०. **वसन्ताच्च** (छन्दसि ठञ्, कालात्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२१. **हेमन्ताच्च** (छन्दसि ठञ्, कालात्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२२. **सर्वत्राण्च तलोपश्च** (हेमन्तात्, ठञ्, कालात्, शेषे, तद्धिताः,

ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२३. **सायं-चिरं-प्राह्णे-प्रगेऽव्ययेभ्यष्ट्युट्युलौ तुँट् च** (कालात्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२४. **विभाषा पूर्वाह्णापराह्णाभ्याम्** (ट्यु ट्यु लौ, तुट्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२५. **तत्र जातः** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२६. **प्रावृषष्ठप्** (तत्र जातः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२७. **संज्ञायां शरदो वुञ्** (तत्र जातः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२८. **पूर्वाह्णापराह्णार्द्रा-मूल-प्रदोषावस्कराद्वुन्** (संज्ञायाम्, तत्र जातः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२९. **पथः पन्थ च** (वुन्, तत्र जातः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३०. **अमावास्याया वा** (वुन्, तत्र जातः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३१. **अ च** (अमावास्यायाः, तत्र जातः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३२. **सिन्ध्वपकराभ्यां कन्** (तत्र जातः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३३. **अणञौ च** (सिन्ध्वपकराभ्याम्, तत्र जातः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३४. **श्रविष्ठा-फाल्गुन्यनुराधा-स्वाति-तिष्य-पुनर्वसु-हस्त-विशाखाऽषाढा-बहुलाल्लुक्** (तत्र जातः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३५. **स्थानान्त-गोशाल-खरशालाच्च** (लुक्, तत्र जातः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३६. **वत्सशालाभिजिदश्वयुक्शतभिषजो वा** (लुक्, तत्र जातः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३७. **नक्षेत्रेभ्यो बहुलम्** (लुक्, तत्र जातः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३८. **कृत-लब्ध-क्रीत-कुशलाः** (तत्र, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३९. **प्रायभवः** (तत्र, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४०. **उपजानूपकर्णोपनीवेष्ठक्** (प्रायभवः, तत्र, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४१. **सम्भूते** (तत्र, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४२. **कोशाड्ढञ्** (सम्भूते, तत्र, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४३. **कालात्-साधु-पुष्प्यत्पच्यमानेषु** (तत्र, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४४. **उप्ते च** (कालात्, तत्र, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४५. **आश्वयुज्या वुञ्** (उप्ते, कालात्, तत्र, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४६. **ग्रीष्म-वसन्तादन्यतरस्याम्** (वुञ्, उप्ते, कालात्, तत्र, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४७. **देयमृणे** (कालात्, तत्र, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४८. **कलाप्यश्वत्थ-यव-बुसाद् वुन्** (देयमृणे, कालात्, तत्र, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४९. **ग्रीष्मावरसमाद्वुञ्** (देयमृणे, कालात्, तत्र, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५०. **संवत्सराग्रहायणीभ्यां ठञ्च** (वुञ्, देयमृणे, कालात्, तत्र, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५१. **व्याहरति मृगः** (कालात्, तत्र, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५२. **तदस्य सोढम्** (कालात्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५३. **तत्र भवः** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५४. **दिगादिभ्यो यत्** (तत्र भवः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५५. **शरीरावयवाच्च** (यत्, तत्र भवः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५६. **दृति-कुक्षि-कलशिवस्त्यस्त्यहेर्ढञ्** (तत्र भवः, शेषे, तद्धिताः,

ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५७. **ग्रीवाभ्योऽण्च** (ढञ्, तत्र भवः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५८. **गम्भीराञ् ञ्यः** (तत्र भवः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५९. **अव्ययीभावाच्च** (ञ्यः, तत्र भवः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६०. **अन्तः पूर्वपदाट्ठञ्** (अव्ययीभावात्, तत्र भवः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६१. **ग्रामात्पर्यनुपूर्वात्** (ठञ्, अव्ययीभावात्, तत्र भवः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६२. **जिह्वा-मूलाङ्गुलेश्छः** (तत्र भवः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६३. **वर्गान्ताच्च** (छः, तत्र भवः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६४. **अशब्दे यत्खावन्यतरस्याम्** (वर्गान्तात्, तत्र भवः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६५. **कर्ण-ललाटात्कनलंकारे** (तत्र भवः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६६. **तस्य व्याख्यान इति च व्याख्यातव्यनाम्नः** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६७. **बह्वचोऽन्तोदात्ताट्ठञ्** (तस्य व्याख्यान इति च व्याख्यातव्यनाम्नः, तत्र भवः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६८. **क्रतुयज्ञेभ्यश्च** (ठञ्, तस्य व्याख्यान इति च व्याख्यातव्यनाम्नः, तत्र भवः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६९. **अध्यायेष्वेवर्षे** (ठञ्, तस्य व्याख्यान इति च व्याख्यातव्यनाम्नः, तत्र भवः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७०. **पौरोडाश-पुराडाशात्ष्ठन्** (तस्य व्याख्यान इति च व्याख्यातव्यनाम्नः, तत्र भवः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७१. **छन्दसो यदणौ** (तस्य व्याख्यान इति च व्याख्यातव्यनाम्नः, तत्र भवः,

शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७२. **द्व्यजृद्-ब्राह्मणर्क्-प्रथमाध्वर-पुरश्चरण-नामाख्याताट्ठक्** (तस्य व्याख्यान इति च व्याख्यातव्यनाम्नः, तत्र भवः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७३. **अणृगयनादिभ्यः** (तस्य व्याख्यान इति च व्याख्यातव्यनाम्नः, तत्र भवः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७४. **तत आगतः** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७५. **ठगायस्थानेभ्यः** (तत आगतः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७६. **शुण्डिकादिभ्योऽण्** (तत आगतः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७७. **विद्या-योनि-सम्बन्धेभ्यो वुञ्** (तत आगतः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७८. **ऋतष्ठञ्** (विद्यायोनिसंबन्धेभ्यः, तत आगतः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७९. **पितुर्यच्च** (ठञ्, तत आगतः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८०. **गोत्रादङ्कवत्** (तत आगतः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८१. **हेतु-मनुष्येभ्योऽन्यतरस्यां रूप्यः** (तत आगतः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८२. **मयट् च** (हेतुमनुष्येभ्यः, तत आगतः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८३. **प्रभवति** (ततः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८४. **विदूराञ् ञ्यः** (प्रभवति, ततः, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८५. **तद्गच्छति पथि-दूतयोः** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८६. **अभिनिष्क्रामति द्वारम्** (तद्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८७. **अधिकृत्य कृते ग्रन्थे** (तद्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्,

प्रत्ययः, परश्च)

८८. **शिशुक्रन्द-यमसभ-द्वन्द्वेन्द्र-जननादिभ्यश्छः** (अधिकृत्य कृते ग्रन्थे, तद्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८९. **सोऽस्य निवासः** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९०. **अभिजनश्च** (सोऽस्य, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९१. **आयुधजीविभ्यश्छः पर्वते** (अभिजनः, सोऽस्य, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९२. **शण्डिकादिभ्यो ञ्यः** (अभिजनः, सोऽस्य, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९३. **सिन्धु-तक्षशिलादिभ्योऽणञौ** (अभिजनः, सोऽस्य, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९४. **तूदी-शलातुर-वर्मती-कूच-वाराड्ढक्छण्ढञ्यकः** (अभिजनः, सोऽस्य, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९५. **भक्तिः** (सोऽस्य, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९६. **अचित्तददेशकाट्ठक्** (भक्तिः, सोऽस्य, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९७. **महाराजाट्ठञ्** (भक्तिः, सोऽस्य, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९८. **वासुदेवार्जुनाभ्यां वुन्** (भक्तिः, सोऽस्य, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९९. **गोत्र-क्षत्रियाख्येभ्यो बहुलं वुञ्** (भक्तिः, सोऽस्य, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१००. **जनपदिनां जनपदवत्सर्व जनपदेन समानशब्दानां बहुवचने** (भक्तिः, सोऽस्य, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०१. **तेन प्रोक्तम्** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०२. **तित्तिरि-वरतन्तु-खण्डिकोखाच्छण्** (तेन प्रोक्तम्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०३. **काश्यप-कौशिकाभ्यामृषिभ्यां णिनिः** (तेन प्रोक्तम्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०४. **कलापि-वैशम्पायनान्तेवासिभ्यश्च** (णिनिः, तेन प्रोक्तम्, शेषे,

तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०५. **पुराणप्रोक्तेषु ब्राह्मणकल्पेषु** (णिनिः, तेन प्रोक्तम्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०६. **शौनकादिभ्यश्छन्दसि** (णिनिः, तेन प्रोक्तम्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०७. **कठ-चरकाल्लुक्** (छन्दसि, तेन प्रोक्तम्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०८. **कलापिनोऽण्** (तेन प्रोक्तम्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०९. **छगलिनो ढिनुँक्** (तेन प्रोक्तम्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
११०. **पाराशर्य-शिलालिभ्यां भिक्षुनट-सूत्रयोः** (तेन प्रोक्तम्, शेषे, तद्धिताः, णिनिः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१११. **कर्मन्द-कृशाश्वादिनिँः** (भिक्षुनटसूत्रयोः, तेन प्रोक्तम्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
११२. **तेनैकदिक्** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
११३. **तसिश्च** (तेनैकदिक्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
११४. **उरसो यच्च** (तसिः, तेनैकदिक्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
११५. **उपज्ञाते** (तेन, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
११६. **कृते ग्रन्थे** (तेन, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
११७. **संज्ञायाम्**
११८. **कुलालादिभ्यो वुञ्** (कृते, तेन, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
११९. **क्षुद्रा-भ्रमर-वटर-पादपादञ्** (संज्ञायाम्, कृते, तेन, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१२०. **तस्येदम्** (शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१२१. **रथाद्यत्** (तस्येदम्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१२२. **पत्रपूर्वादञ्** (रथात्, तस्येदम्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्,

प्रत्ययः, परश्च)

१२३. **पत्राध्वर्यु-परिषदश्च** (अञ्, तस्येदम्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२४. **हल-सीराट्ठक्** (तस्येदम्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२५. **द्वन्द्वाद्वुन्वैरमैथुनिकयोः** (तस्येदम्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२६. **गोत्र-चरणाद्वुञ्** (तस्येदम्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२७. **सङ्घाङ्क-लक्षणेष्वञ्यञिञामण्** (गोत्रात्, तस्येदम्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२८. **शकलाद्वा** (सङ्घाङ्कलक्षणेषु, यञः, अण्, गोत्रात्, तस्येदम्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२९. **छन्दोगौक्थिक-याज्ञिक-वह्वृच-नटाञ् ञ्यः** (तस्येदम्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३०. **न दण्ड-माणवान्तेवासिषु** (गोत्रात्, तस्येदम्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३१. **रैवतिकादिभ्यश्छः** (गोत्रात्, तस्येदम्, शेषे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३२. **तस्य विकारः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३३. **अवयवे च प्राण्यौषधिवृक्षेभ्यः** (तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३४. **बिल्वादिभ्योऽण्** (अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३५. **कोपधाच्च** (अण्, अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३६. **त्रपु-जतुनोः षुक्** (अण्, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३७. **ओरञ्** (अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३८. **अनुदात्तदेश्च** (अञ्, अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः,

ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३६. **पलाशादिभ्यो वा** (अञ्, अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४०. **शम्याष्ट्लञ्** (अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४१. **मयड्वैतयोर्भाषायामभक्ष्याच्छादनयोः** (अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४२. **नित्यं वृद्धशरादिभ्यः** (मयट् भाषायामभक्ष्याच्छादनयोः, अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४३. **गोश्च पुरीषे** (मयट्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४४. **पिष्टाच्च** (मयट्, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४५. **संज्ञायां कन्** पिष्टात्, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४६. **व्रीहेः पुरोडाशे** (मयट्, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४७. **असंज्ञायां तिल-यवाभ्याम्** (मयट्, अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४८. **द्व्यचश्छन्दसि** (मयट्, अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४९. **नोत्वद्वर्ध्रबिल्वात्** (द्व्यचश्छन्दसि, मयट्, अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५०. **तालादिभ्योऽण्** (अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५१. **जातरूपेभ्यः परिमाणे** (अण्, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५२. **प्राणि-रजतादिभ्योऽञ्** (अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५३. **ञितश्च तत्प्रत्ययात्** (अञ्, अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५४. **क्रीतवत्परिमाणात्** (अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५५. **उष्ट्राद्वुञ्** (अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५६. **उमोर्णयोर्वा** (वुञ्, अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५७. **एण्या ढञ्** (अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५८. **गो–पयसोर्यत्** (अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५९. **द्रोश्च** (यत्, अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१६०. **माने वयः** (द्रोः, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१६१. **फले लुक्** (अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१६२. **प्लक्षादिभ्यो ऽण्** (फले, अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१६३. **जम्ब्वा वा** (अण्, फले, अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१६४. **लुप् च** (जम्ब्वा वा, फले, अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१६५. **हरीतक्यादिभ्यश्च** (लुप्, फले, अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१६६. **कंसीयपरशव्ययोर्यञञौ लुक्च** (अवयवे, तस्य विकारः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

चतुर्थः पादः

१. **प्राग्वहतेष्ठक्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२. **तेन दीव्यति खनति जयति जितम्** (ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्,

प्रत्ययः, परश्च)

३. **संस्कृतम्** (तेन, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४. **कुलुत्थ-कोपधादण्** (संस्कृतम्, तेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५. **तरति** (तेन, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६. **गापुच्छाट्ठञ्** (तरति, तेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७. **नौ-द्व्यचष्ठन्** (तरति, तेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८. **चरति** (तेन, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९. **आकर्षात्ष्ठल्** (चरति, तेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०. **पर्पादिभ्यः ष्ठन्** (चरति, तेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११. **श्वगणाट्ठञ्च** (ष्ठन्, चरति, तेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२. **वेतनादिभ्यो जीवति** (तेन, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३. **वस्न-क्रय-विक्रयाट्ठन्** (जीवति, तेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४. **आयुधाच्छ च** (ठन्, जीवति, तेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५. **हरत्युत्सङ्गादिभ्यः** (तेन, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१६. **भस्त्रादिभ्यः ष्ठन्** (हरति, तेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१७. **विभाषा विवधात्** (ष्ठन्, हरति, तेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१८. **अण्कुटिलिकायाः** (हरति, तेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१९. **निर्वृत्तेऽक्षद्यूतादिभ्यः** (तेन, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२०. **त्रेर्मम्नित्यम्** (निर्वृत्ते, तेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२१. **अपमित्य-याचिताभ्याकक्कनौ** (निर्वृत्ते, तेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२२. **संसृष्टे** (तेन, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२३. **चूर्णादिनिः** (संसृष्टे, तेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२४. **लवणाल्लुक्** (संसृष्टे, तेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२५. **मुद्गादण्** (संसृष्टे, तेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२६. **व्यञ्जनैरुपसिक्ते** (तेन, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२७. **ओजःसहोऽम्भसा वर्त्तते** (तेन, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२८. **तत्प्रत्यनु-पूर्वमीप-लोम-कूलम्** (वर्त्तते, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२९. **परिमुखं च** (तत्, वर्त्तते, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३०. **प्रयच्छति गर्ह्यम्** (तत्, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३१. **कुसीद-दशैकादशात्ष्ठन्ष्ठचौ** (प्रयच्छति गर्ह्यम्, तत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३२. **उञ्छति** (तत्, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३३. **रक्षति** (तत्, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३४. **शब्द-दर्दुरं करोति** (तत्, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३५. **पक्षि-मत्स्य-मृगान्हन्ति** (तत्, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३६. **परिपन्थं च तिष्ठति** (हन्ति, तत्, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३७. **माथोत्तरपद-पदव्यनुपदं धावति** (तत्, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३८. **आक्रन्दाट्ठञ्च** (धावति, तत्, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३९. **पदोत्तरपदं गृह्णाति** (तत्, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४०. **प्रतिकण्ठार्थ-ललामं च** (गृह्णाति, तत्, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४१. **धर्मं चरति** (तत्, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४२. **प्रतिथमेति ठंश्च** (तत्, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४३. **समवायान्समवैति** (तत्, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४४. **परिषदो ण्यः** (समवैति, तत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४५. **सेनाया वा** (ण्यः, समवैति, तत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४६. **संज्ञायां ललाट-कुक्कुट्यौ पश्यति** (तत्, ठक्, तद्धिताः,

ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४७. **तस्य धर्म्यम्** (ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४८. **अण्महिष्यादिभ्यः** (तस्य धर्म्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४९. **ऋतोऽञ्** (तस्य धर्म्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५०. **अवक्रयः** (तस्य, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५१. **तदस्य पण्यम्** (ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५२. **लवणाट्ठञ्** (तदस्य पण्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५३. **किशरादिभ्यः ष्ठन्** (तदस्य पण्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५४. **शलालुनोऽन्यतरस्याम्** (ष्ठन्, तदस्य पण्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५५. **शिल्पम्** (तदस्य, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५६. **मड्डुक-झर्झरादणन्यतरस्याम्** (शिल्पम्, तदस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५७. **प्रहरणम्** (तदस्य, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५८. **परश्वधाट्ठञ्च** (प्रहरणम्, तदस्य, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५९. **शक्ति-यष्ट्योरीकक्** (प्रहरणम्, तदस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६०. **अस्ति-नास्ति-दिष्टं मतिः** (तदस्य, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६१. **शीलम्** (तदस्य, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६२. **छत्रादिभ्यो णः** (शीलम्, तदस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६३. **कर्माध्ययने वृत्तम्** (तदस्य, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६४. **बह्वच्पूर्वपदाट्ठच्** (कर्माध्ययने वृत्तम्, तदस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६५. **हितं भक्षाः** (तदस्य, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६६. **तदस्मै दीयते नियुक्तम्** (ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६७. **श्राणा-मांसौदनाट्टिठन्** (तदस्मै दीयते नियुक्तम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६८. **भक्तादणन्यतरस्याम्** (तदस्मै दीयते नियुक्तम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६९. **तत्र नियुक्तः** (ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७०. **अगारान्ताट्ठन्** (तत्र नियुक्तः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७१. **अध्यायिन्यदेशकालात्** (तत्र, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७२. **कठिनान्त-प्रस्तार-संस्थानेषु व्यवहरति** (तत्र, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७३. **निकटे वसति** (तत्र, ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७४. **आवसथात्ष्ठल्** (वसति, तत्र, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७५. **प्राग्घिताद्यत्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७६. **तद्वहति रथ-युग-प्रासङ्गम्** (यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७७. **धुरो यड्ढकौ** (तद्वहति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७८. **खः सर्वधुरात्** (तद्वहति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७९. **एकधुराल्लुक्च** (खः, तद्वहति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
८०. **शकटादण्** (तद्वहति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
८१. **हल-सीराट्ठक्** (तद्वहति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
८२. **संज्ञायां जन्या** (तद्वहति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः,

परश्च)

८३. **विध्यत्यधनुषा** (तत्, यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८४. **धन-गणं लब्धा** (तत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८५. **अन्नाण्णः** (लब्धाः, तत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८६. **वशं गतः** (तत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८७. **पदमस्मिन्दृश्यम्** (यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८८. **मूलमस्याबर्हि** (यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८९. **संज्ञायां धेनुष्या** (यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९०. **गृहपतिना संयुक्ते ञ्यः** (संज्ञायाम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९१. **नौ-वयो-धर्म-विष-मूल-मूल-सीतातुलाभ्यस्तार्य-तुल्य-प्राप्य-वध्या-नाम्य-सम-समित-सम्मितेषु** (यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९२. **धर्म-पथ्यर्थ-न्यायादनपेते** (यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९३. **छन्दसो निर्मिते** (यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९४. **उरसोऽण्च** (निर्मिते, यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९५. **हृदयस्य प्रियः** (यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९६. **बन्धने चर्षौ** (हृदयस्य, यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९७. **मत-जन-हलात्करण-जल्पकर्षेषु** (यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९८. **तत्र साधुः** (यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९९. **प्रतिजनादिभ्यः खञ्** (तत्र साधुः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१००. **भक्ताण्णः** (तत्र साधुः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०१. **परिषदो ण्यः** (तत्र साधुः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः,

परश्च)

१०२. **कथादिभ्यष्ठक्** (तत्र साधुः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०३. **गुडादिभ्यष्ठञ्** (तत्र साधुः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०४. **पथ्यतिथि-वसति-स्वपतेर्ढञ्** (तत्र साधुः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०५. **सभाया यः** (तत्र साधुः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०६. **ढश्छन्दसि** (सभायाः, तत्र साधुः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०७. **समानतीर्थे वासी** (तत्र साधुः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०८. **समानोदरे शयित ओ चोदात्तः** (तत्र यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०९. **सोदराद्यः** (शयितः, तत्र, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११०. **भवे छन्दसि** (तत्र यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१११. **पाथो-नदीभ्यां ड्यण्** (भवे छन्दसि, तत्र, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११२. **वेशन्तहिमवद्भ्यामण्** (भवे छन्दसि, तत्र, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११३. **स्रोतसो विभाषा ड्यड्ड्यौ** (भवे छन्दसि, तत्र, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११४. **सगर्भ-सयूथ-सनुताद्यन्** (भवे छन्दसि, तत्र, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११५. **तुग्राद् घन्** (भवे छन्दसि, तत्र, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११६. **अग्राद्यत्** (भवे छन्दसि, तत्र, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः,

परश्च)

११७. **घच्छौ च** (अग्रात्, भवे छन्दसि, तत्र, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११८. **समुद्राभ्राद् घः** (भवे छन्दसि, तत्र, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११९. **बर्हिषि दत्तम्** (छन्दसि, तत्र यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२०. **दूतस्य भाग-कर्मणी** (छन्दसि, यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२१. **रक्षो-यातूनां हननी** (छन्दसि, यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२२. **रेवती जगती-हविष्याभ्यः प्रशस्ये** (छन्दसि, यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२३. **असुरस्य स्वम्** (छन्दसि, यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२४. **मायायामण्** (असुरस्य स्वम्, छन्दसि, यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२५. **तद्वानासामुपधानो मन्त्र इतीष्टकासु लुक्च मतोः** (छन्दसि, यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२६. **अश्विमानण्** (तद्वानासामुपधानो मन्त्र इतीष्टकासु लुक्च मतोः, छन्दसि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२७. **वयस्यासु मूर्ध्नो मतुँप्** (तद्वानासामुपधानो मन्त्र इतीष्टकासु लुक्च मतोः, छन्दसि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२८. **मत्वर्थे मास-तन्वोः** (छन्दसि, यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२९. **मधोर्ञ च** (मत्वर्थे मासतन्वोः, छन्दसि, यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३०. **ओजसोऽहनि यत्-खौ** (मत्वर्थे, छन्दसि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३१. **वेशोयशआदेर्भगाद्यल्** (मत्वर्थे, छन्दसि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्,

प्रत्ययः, परश्च)

१३२. **ख च** (वेशोयशआदेर्भगात्, मत्वर्थे, छन्दसि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३३. **पूर्वैः कृतमिनियौ च** (खः, छन्दसि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३४. **अद्भिः संस्कृतम्** (छन्दसि, यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३५. **सहस्रेण सम्मितौ घः** (छन्दसि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३६. **मतौ च** (सहस्रेण घः, छन्दसि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३७. **सोममर्हति यः** (छन्दसि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३८. **मये च** (सोमम् यः, छन्दसि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३९. **मधोः** (मये, छन्दसि, यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४०. **वसोः समूहे च** (मये, छन्दसि, यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४१. **नक्षत्राद् घः** (छन्दसि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४२. **सर्वदेवात्तातिल्** (छन्दसि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४३. **शिव-समरिष्टस्य करे** (तातिल्, छन्दसि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४४. **भावे च** (शिवसमरिष्टस्य, तातिल्, छन्दसि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

स्थाणुरयं भारहारः किलाभूदधीत्य वेदं न विजानाति योऽर्थम्।
योऽर्थज्ञ इत्सकलं भद्रमश्नुते नाकमेति ज्ञानविधूतपाप्मा।।

अथ पञ्चमोऽध्यायः

प्रथमः पादः

१. **प्राक् क्रीताच्छः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२. **उ-गवादिभ्यो यत्** (प्राक् क्रीतात्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३. **कम्बलाच्च संज्ञायाम्** (यत्, प्राक् क्रीतात्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४. **विभाषा हविरपूपादिभ्यः** (यत्, प्राक् क्रीतात्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
५. **तस्मै हितम्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६. **शरीरावयवाद्यत्** (तस्मै हितम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७. **खलयवमाषतिलवृषब्रह्मणश्च** (यत्, तस्मै हितम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
८. **अजाविभ्यां थ्यन्** (तस्मै हितम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९. **आत्मन्-विश्वजन-भोगोत्तर-पदात्खः** (तस्मै हितम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०. **सर्व-पुरुषाभ्यां ण-ढञौ** (तस्मै हितम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
११. **माणव-चरकाभ्यां खञ्** (तस्मै हितम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१२. **तदर्थं विकृतेः प्रकृतौ** (तस्मै हितम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३. **छदिरुपधि-बलेर्ढञ्** (तदर्थं विकृतेः प्रकृतौ, तस्मै हितम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१४. **ऋषभोपानहोर्ञ्यः** (तदर्थं विकृतेः प्रकृतौ, तस्मै हितम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१५. **चर्मणोऽञ्** (तदर्थं विकृतेः प्रकृतौ, तस्मै हितम्, तद्धिताः,

ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१६. **तदस्य तदस्मिन्स्यादिति** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१७. **परिखाया ढञ्** (तदस्य तदस्मिन्स्यादिति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१८. **प्राग्वतेष्ठञ्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१९. **आर्हादगोपुच्छ-संख्यापरिमाणाट्ठक्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२०. **असमासे निष्कादिभ्यः** (आर्हात् ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२१. **शताच्च ठन्यतावशते** (आर्हात्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२२. **संख्याया अतिशदन्तायाः कन्** (आर्हात्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२३. **वतोरिड्वा** (कन्, आर्हात्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२४. **विंशति-त्रिंशद्भ्यां ड्वुन्नसंज्ञायाम्** (आर्हात्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२५. **कंसाट्टिठन्** (आर्हात्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२६. **शूर्पादञन्यतरस्याम्** (आर्हात्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२७. **शतमान-विंशतिक-सहस्र-वसनादण्** (आर्हात्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२८. **अध्यर्द्धपूर्व-द्विगोर्लुगसंज्ञायाम्** (आर्हात्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२९. **विभाषा कार्षापणसहस्राभ्याम्** (अध्यर्द्धपूर्वद्विगोर्लुक्, आर्हात्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३०. **द्वि-त्रिपूर्वान्निष्कात्** (विभाषा, द्विगोः लुक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३१. **बिस्ताच्च** (द्वित्रिपूर्वात्, विभाषा, द्विगोः लुक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्,

प्रत्ययः, परश्च)

३२. **विंशतिकात्खः** (अध्यर्द्धपूर्वद्विगोः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३३. **खार्या ईकन्** (अध्यर्द्धपूर्वद्विगोः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३४. **पण-पाद-माष-शताद्यत्** (अध्यर्द्धपूर्वद्विगोः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३५. **शाणाद्वा** (यत्, अध्यर्द्धपूर्वद्विगोः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३६. **तेन क्रीतम्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३७. **तस्य निमित्तं संयोगोत्पातौ** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३८. **गो-द्व्यचोऽसंख्यापरिमाणाश्वादेर्यत्** (तस्य निमित्तं संयोगोत्पातौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३९. **पुत्राच्छ च** (यत्, तस्य निमित्तं संयोगोत्पातौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४०. **सर्वभूमि-पृथिवीभ्यामणञौ** (तस्य निमित्तं संयोगोत्पातौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४१. **तस्येश्वरः** (सर्वभूमिपृथिवीभ्यामणञौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४२. **तत्र विदित इति च** (सर्वभूमिपृथिवीभ्यामणञौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४३. **लोक-सर्वलोकाट्ठञ्** (तत्र विदितः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४४. **तस्य वापः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४५. **पात्रात्ष्ठन्** (तस्य वापः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४६. **तदस्मिन्वृद्ध्याय-लाभ-शुल्कोपदा दीयते** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४७. **पूरणार्धाट्ठन्** (तदस्मिन्वृद्ध्यायलाभशुल्कोपदा दीयते, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४८. **भागाद्यच्च** (ठन्, तदस्मिन्वृद्ध्यायलाभशुल्कोपदा दीयते, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४९. **तद्धरति वहत्यावहति भाराद्वंशादिभ्यः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५०. **वस्न-द्रव्याभ्यां ठन्कनौ** (तद्धरति वहत्यावहति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५१. **सम्भवत्यवहरति पचति** (तत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५२. **आढकाचितपात्रात्खोऽन्यतरस्याम्** (संभवत्यवहरति पचति, तत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५३. **द्विगोः ष्ठंश्च** (आढकाचितपात्रात्खोऽन्यतरस्याम्, संभवत्यवहरति पचति, तत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५४. **कुलिजाल्लुक्खौ च** (द्विगोष्ठन्, संभवत्यवहरति पचति, तत्, ठञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५५. **सोऽस्यांश-वस्न-भृतयः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५६. **तदस्य परिमाणम्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५७. **संख्यायाः संज्ञा-सङ्घ-सूत्राध्ययनेषु** (तदस्य परिमाणम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५८. **पंक्ति-विंशति-त्रिंशच्चत्वारिंशत्-पञ्चाशत्-षष्टि-सप्तत्यशीति-नवति-शतम्** (तदस्य परिमाणम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५९. **पञ्चद्दशतौ वर्गे वा** (तदस्य परिमाणम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६०. **सप्तनोऽञ् छन्दसि** (ङ्याप्प्रातिपदिकात्, वर्गे, तदस्य परिमाणम्, तद्धिताः, प्रत्ययः, परश्च)

६१. **त्रिंशच्चत्वारिंशतोर्ब्राह्मणे संज्ञायां डण्** (तदस्य परिमाणम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६२. **तदर्हति**

६३. **छेदादिभ्यो नित्यम्** (तदर्हति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६४. **शीर्षच्छेदाद्यच्च** (नित्यम्, तदर्हति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६५. **दण्डादिभ्यो यत्** (तदर्हति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६६. **छन्दसि च** (यत्, तदर्हति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६७. **पात्राद् घंश्च** (यत्, तदर्हति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६८. **कडङ्कर-दक्षिणाच्छ च** (यत्, तदर्हति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
६९. **स्थालीबिलात्** (छ, यत्, तदर्हति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७०. **यज्ञर्त्विग्भ्यां घखञौ** (तदर्हति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७१. **पारायण-तुरायण-चान्द्रायणं वर्तयति** (तत्, ठञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७२. **संशयमापन्नः** (तत्, ठञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७३. **योजनं गच्छति** (तत्, ठञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७४. **पथः ष्कन्** (गच्छति, ठञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७५. **पन्थो ण नित्यम्** (पथः, गच्छति, तत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७६. **उत्तरपथेनाहृतं च** (गच्छति, ठञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७७. **कालात्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७८. **तेन निर्वृत्तम्** (कालात्, ठञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
७९. **तमधीष्टो भृतो भूतो भावी** (कालात्, ठञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्,

प्रत्ययः, परश्च)

८०. **मासाद्वयसि यत्खञौ** (भूतः, कालात्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८१. **द्विगोर्यप्** (मासाद्वयसि, भूतः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८२. **षण्मासाण् ण्यच्च** (यप्, वयसि, भूतः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८३. **अवयसि ठंश्च** (षण्मासाण्ण्यत्, भूतः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८४. **समायाः खः** (तमधीष्टो भृतो भूतो भावी, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८५. **द्विगोर्वा** (समायाः खः, अधीष्टो भृतो भूतो भावी, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८६. **रात्र्यहः संवत्सराच्च** (द्विगोर्वा खः, तमधीष्टो भृतो भूतो भावी, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८७. **वर्षाल्लुक्च** (द्विगोर्वा खः, तमधीष्टो भृतो भूतो भावी, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८८. **चित्तवति नित्यम्** (वर्षात्, द्विगोः, तमधीष्टो भृतो भूतो भावी, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८९. **षष्टिकाः षष्टिरात्रेण पच्यन्ते** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९०. **वत्सरान्ताच्छश्छन्दसि** (तमधीष्टो भृतो भूतो भावी, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९१. **संपरिपूर्वात्ख च** (वत्सरान्ताच्छश्छन्दसि, तमधीष्टो भृतो भूतो भावी, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९२. **तेन परिजय्य-लभ्य-कार्य-सुकरम्** (कालात्, ठञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९३. **तदस्य ब्रह्मचर्यम्** (कालात्, ठञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९४. **तस्य च दक्षिणा यज्ञाख्येभ्यः** (ठञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्,

प्रत्ययः, परश्च)
९५. **तत्र च दीयते कार्यं भववत्** (कालात्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९६. **व्युष्टादिभ्योऽण्** (तत्र दीयते कार्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९७. **तेन यथाकथाच-हस्ताभ्यां णयतौ** (दीयते कार्यम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९८. **सम्पादिनिः** (तेन, ठञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९९. **कर्मवेषाद्यत्** (संपादिनिः, तेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१००. **तस्मै प्रभवति सन्तापादिभ्यः** (ठञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०१. **योगाद्यच्च** (तस्मै प्रभवति, ठञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०२. **कर्मण उकञ्** (तस्मै प्रभवति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०३. **समयस्तदस्य प्राप्तम्** (ठञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०४. **ऋतोरण्** (तदस्य प्राप्तम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०५. **छन्दसि घस्** (ऋतोः, तदस्य प्राप्तम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०६. **कालाद्यत्** (तदस्य प्राप्तम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०७. **प्रकृष्टे ठञ्** (कालात्, तदस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०८. **प्रयोजनम्** (तदस्य, ठञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०९. **विशाखाषाढादण्मन्थ-दण्डयोः** (प्रयोजनम्, तदस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११०. **अनुप्रवचनादिभ्यश्छः** (प्रयोजनम्, तदस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१११. **समापनात्सपूर्वपदात्** (छः, प्रयोजनम्, तदस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११२. **ऐकागारिकट् चौरे** (प्रयोजनम्, तदस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११३. **आकालिकडाद्यन्त-वचने** (प्रयोजनम्, तदस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११४. **तेन तुल्यं क्रिया चेद्वतिः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११५. **तत्र तस्येव** (वतिः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११६. **तदर्हम्** (वतिः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११७. **उपसर्गाच्छन्दसि धात्वर्थे** (वतिः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११८. **तस्य भावस्त्वतलौ** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११९. **आ च त्वात्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२०. **न नञ्पूर्वात् तत्पुरुषादचतुरसङ्गत-लवण-वट-युध-कत-रस-लसेभ्यः** (तस्य भावस्त्वतलौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२१. **पृथ्वादिभ्य इमनिज्वा** (तस्य भावस्त्वतलौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२२. **वर्णदृढादिभ्यः ष्यञ्च** (इमनिच्, तस्य भावस्त्वतलौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२३. **गुणवचन-ब्राह्मणादिभ्यः कर्मणि च** (ष्यञ्, तस्य भावस्त्वतलौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२४. **स्तेनाद्यन्नलोपश्च** (कर्मणि, तस्य भावस्त्वतलौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२५. **सख्युर्यः** (कर्मणि, तस्य भावस्त्वतलौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२६. **कपि-ज्ञात्योर्ढक्** (कर्मणि, तस्य भावस्त्वतलौ, तद्धिताः,

ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२७. **पत्यन्त-पुरोहितादिभ्यो यक्** (कर्मणि, तस्य भावस्त्वतलौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२८. **प्राणभृज्जाति-वयोवचनोद्गात्रादिभ्योऽञ्** (कर्मणि, तस्य भावस्त्वतलौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२९. **हायनान्त-युवादिभ्योऽण्** (कर्मणि, तस्य भावस्त्वतलौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३०. **इगन्ताच्च लघुपूर्वात्** (अण्, कर्मणि, तस्य भावस्त्वतलौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३१. **योपधाद् गुरूपोत्तमाद्वुञ्** (कर्मणि, तस्य भावस्त्वतलौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३२. **द्वन्द्व-मनोज्ञादिभ्यश्च** (वुञ्, कर्मणि, तस्य भावस्त्वतलौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३३. **गोत्रचरणाच्छलाघात्याकार-तदवेतेषु** (वुञ्, कर्मणि, तस्य भावस्त्वतलौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३४. **होत्राभ्यश्छः** (कर्मणि, तस्य भावस्त्वतलौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३५. **ब्रह्मणस्त्वः** (होत्राभ्यः, कर्मणि, तस्य भावस्त्वतलौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

द्वितीयः पादः

१. **धान्यानां भवने क्षेत्रे खञ्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२. **व्रीहिशाल्योर्ढक्** (धान्यानां भवने क्षेत्रे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३. **यव-यवक-षष्टिकाद्यत्** (धान्यानां भवने क्षेत्रे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४. **विभाषा तिल-माषोमा-भङ्गाणुभ्यः** (यत्, धान्यानां भवने क्षेत्रे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५. **सर्वचर्मणः कृतः ख-खञौ** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः,

परश्च)

६. **यथामुख-संमुखस्य दर्शनः खः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७. **तत्सर्वादेः पथ्यङ्ग-कर्म-पत्रपात्रं व्याप्नोति** (खः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८. **आप्रपदं प्राप्नोति** (तत्, खः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९. **अनुपद-सर्वान्नायानयं बद्धा-भक्षयति-नेयेषु** (तत्, खः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०. **परोवर-परम्पर-पुत्रपौत्र-मनुभवति** (तत्, खः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११. **अवार-पारात्यन्तानुकामं गामी** (तत्, खः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२. **समांसमां विजायते** (तत्, खः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३. **अद्यश्वीनाऽवष्टब्धे** (विजायते, तत्, खः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४. **आगवीनः** (खः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५. **अनुग्वलं गामी** (तत्, खः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१६. **अध्वनो यत्खौ** (अलंगामी, तत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१७. **अभ्यमित्राच्छ च** (यत्खौ, अलंगामी, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१८. **गोष्ठात्खञ्भूतपूर्वे** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१९. **अश्वस्यैकाहगमः** (खञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२०. **शालीन-कौपीने अधृष्टाकार्ययोः** (खञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२१. **व्रातेन जीवति** (खञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२२. **साप्तपदीनं सख्यम्** (खञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः,

परश्च)
२३. **हैयङ्गवीनं संज्ञायाम्** (खञ्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२४. **तस्य पाकमूले पील्वादि-कर्णादिभ्यः कुणब्जाहचौ** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२५. **पक्षात्तिः** (तस्य मूले, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२६. **तेन वित्तश्चुञ्चुप्चणपौ** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२७. **वि-नञ्भ्यां ना-नाञौ न सह** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२८. **वेः शालच्छङ्कटचौ** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२९. **सम्प्रोदश्च कटच्** (वेः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३०. **अवात्कुटारच्च** (कटच्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३१. **नते नासिकायाः संज्ञायां टीटञ्नाटज्भ्रटचः** (अवात्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३२. **नेर्बिडज्बिरीसचौ** (नते नासिकायाः संज्ञायाम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३३. **इनच्पिटच्चिकचि च** (नेः, नते नासिकायाः संज्ञायाम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३४. **उपाधिभ्यां त्यकन्नासन्नारूढयोः** (संज्ञायाम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३५. **कर्मणि घटोऽठच्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३६. **तदस्य संजातं तारकादिभ्य इतच्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३७. **प्रमाणे द्वयसज्दघ्नञ्मात्रचः** (तदस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३८. **पुरुष-हस्तिभ्यामण्च** (प्रमाणे द्वयसज्दघ्नञ्मात्रचः, तदस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३९. **यत्तदेतेभ्यः परिमाणे वतुँप्** (तदस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४०. **किमिदम्भ्यां वो घः** (परिमाणे वतुप्, तदस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्,

प्रत्ययः, परश्च)

४१. **किमः संख्यापरिमाणे डति च** (वतुप्, वो घः, तदस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४२. **संख्याया अवयवे तयप्** (तदस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४३. **द्वित्रिभ्यां तयस्यायज्वा** (तदस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४४. **उभादुदात्तो नित्यम्** (तयस्यायच्, तदस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४५. **तदस्मिन्नधिकमिति दशान्ताड्डः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४६. **शदन्तविंशतेश्च** (तदस्मिन्नधिकम् डः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४७. **संख्याया गुणस्य निमाने मयट्** (तदस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४८. **तस्य पूरणे डट्** (संख्यायाः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४९. **नान्तादसंख्यादेर्मँट्** (तस्य पूरणे डट्, संख्यायाः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५०. **थँट् च च्छन्दसि** (नान्तादसंख्यादेर्मट्, तस्य पूरणे डट्, संख्यायाः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५१. **षट्-कति-कतिपय-चतुरां थुँक्** (तस्य पूरणे डट्, संख्यायाः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५२. **बहु-पूग-गण-सङ्घस्य तिथुँक्** (तस्य पूरणे डट्, संख्यायाः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५३. **वतोरिथुक्** (तस्य पूरणे डट्, संख्यायाः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५४. **द्वेस्तीयः** (तस्य पूरणे, संख्यायाः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५५. **त्रेः संप्रसारणं च** (तीयः, तस्य पूरणे, संख्यायाः, तद्धिताः,

ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५६. **विंशत्यादिभ्यस्तमडन्यतरस्याम्** (तस्य पूरणे, संख्यायाः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५७. **नित्यं शतादि-मासार्ध-मास-संवत्सराच्च** (तमट्, तस्य पूरणे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५८. **षष्ट्यादेश्चासंख्यादेः** (नित्यम्, तमट्, तस्य पूरणे, संख्यायाः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५९. **मतौ छः सूक्त-साम्नोः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६०. **अध्यायानुवाकयोर्लुक्** (मतौ छः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६१. **विमुक्तादिभ्योऽण्** (अध्यायानुवाकयोः, मतौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६२. **गोषदादिभ्यो वुन्** (अध्यायानुवाकयोः, मतौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६३. **तत्र कुशलः पथः** (वुन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६४. **आकर्षादिभ्यः कन्** (तत्र कुशलः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६५. **धन-हिरण्यात्कामे** (कन्, तत्र, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६६. **स्वाङ्गेभ्यः प्रसिते** (कन्, तत्र, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६७. **उदराट्टगाद्यूने** (प्रसिते, तत्र, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६८. **सस्येन परिजातः** (कन्, (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६९. **अंशं हारी** (कन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७०. **तन्त्रादचिरापहृते** (कन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७१. **ब्राह्मणकोष्णिके संज्ञायाम्** (कन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः,

परश्च)

७२. **शीतोष्णाभ्यां कारिणि** (कन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७३. **अधिकम्** (कन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७४. **अनुकाभिकाभीकः कमिता** (कन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७५. **पार्श्वेनान्विच्छति** (कन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७६. **अयःशूल-दण्डाजिनाभ्यां ठक्ठञौ** (अन्विच्छति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७७. **तावतिथं ग्रहणमिति लुग्वा** (कन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७८. **स एषां ग्रामणीः** (कन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७९. **शृङ्खलमस्य बन्धनं करभे** (कन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८०. **उत्क उन्मनाः** (कन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८१. **काल-प्रयोजनाद्रोगे** (कन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८२. **तदस्मिन्नन्नं प्रायेण संज्ञायाम्** (कन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८३. **कुल्माषादञ्** (तदस्मिन्नन्नं प्रायेण संज्ञायाम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८४. **श्रोत्रियंश्छन्दोऽधीते** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८५. **श्राद्धमनेन भुक्तमिनिँठनौ** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८६. **पूर्वादिनिँः** (अनेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८७. **सपूर्वाच्च** (पूर्वात् इनिः, अनेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८८. **इष्टादिभ्यश्च** (इनिः, अनेन, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८९. **छन्दसि परिपन्थिपरिपरिणौ पर्यवस्थातरि** (इनिः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९०. **अनुपद्यन्वेष्टा** (इनिः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९१. **साक्षाद् द्रष्टरि संज्ञायाम्** (इनिः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९२. **क्षेत्रियच्परक्षेत्रे चिकित्स्यः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९३. **इन्द्रियमिन्द्र-लिङ्गमिन्द्र-दृष्टमिन्द्र-सृष्टमिन्द्र-जुष्टमिन्द्र-दत्तमिति वा** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९४. **तदस्यास्त्यस्मिन्निति मतुँप्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९५. **रसादिभ्यश्च** (तदस्यास्त्यस्मिन्निति मतुप्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९६. **प्राणिस्थादातो लजन्यतरस्याम्** (तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९७. **सिध्मादिभ्यश्च** (लच् अन्यतरस्याम्, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९८. **वत्सांसाभ्यां कामबले** (लच्, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९९. **फेनादिलच्च** (लच् अन्यतरस्याम्, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१००. **लोमादि-पामादि-पिच्छादिभ्यः शनेलचः** (अन्यतरस्याम्, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०१. **प्रज्ञा-श्रद्धार्चाभ्योः णः** (अन्यतरस्याम्, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०२. **तपः सहस्राभ्यां विनीनीँ** (तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०३. **अण्च** (तपः सहस्राभ्याम्, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०४. **सिकता-शर्कराभ्यां च** (अण्, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः,

ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०५. **देशे लुबिलचौ च** (सिकताशर्कराभ्याम्, अन्यतरस्याम्, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०६. **दन्त उन्नत उरच्** (तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०७. **ऊष-सुषि-मुष्क-मधो रः** (तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०८. **द्युद्रुभ्यां मः** (तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०९. **केशाद्वोऽन्यतरस्याम्** (अन्यतरस्याम्, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११०. **गाण्डचजगात्संज्ञायाम्** (वः, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१११. **काण्डाण्डादीरन्नीरचौ** (तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११२. **रजःकृष्यासुतिपरिषदो वलच्** (तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११३. **दन्त-शिखात्संज्ञायाम्** (वलच्, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११४. **ज्योत्स्ना-तमिस्रा-शृङ्गिणोर्जस्विनूर्जस्वल-गोमिन्मलिनमलीमसाः** (तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११५. **अत इनिठनौ** (तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११६. **व्रीह्यादिभ्यश्च** (इनिठनौ, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११७. **तुन्दादिभ्य इलच्च** (इनिठनौ, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११८. **एक-गो-पूर्वाट्ठञ्नित्यम्** (तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११९. **शत-सहस्रान्ताच्च निष्कात्** (ठञ्, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः,

ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२०. **रूपादाहत-प्रशंसयोर्यप्** (तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२१. **अस्माया-मेधा-स्रजो विनिँः** (तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२२. **बहुलं छन्दसि** (विनिः, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२३. **ऊर्णाया युस्** (तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२४. **वाचो ग्मिनिँः** (तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२५. **आलजाटचौ बहुभाषिणि** (वाचः, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२६. **स्वामिन्नैश्वर्ये** (तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२७. **अर्शआदिभ्योऽच्** (तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२८. **द्वन्द्वोपताप-गर्ह्यात्प्राणिस्थादिनिः** (अत, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२९. **वातातीसाराभ्यां कुँक्च**

१३०. **वयसि पूरणात्** (इनिः, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३१. **सुखादिभ्यश्च** (इनिः, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३२. **धर्म-शील-वर्णान्ताच्च** (इनिः, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३३. . **हस्ताज्जातौ** (इनिः, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३४. **वर्णाद्ब्रह्मचारिणि** (इनिः, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३५. **पुष्करादिभ्यो देशे** (इनिः, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३६. **बलादिभ्यो मतुँबन्यतरस्याम्** (इनिः, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३७. **संज्ञायां मन्माभ्याम्** (इनिः, तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३८. **कं-शम्भ्यां बभयुस्तितुतयसः** (तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३९. **तुन्दि-बलि-वटेर्भः** (तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१४०. **अहंशुभमोर्युस्** (तदस्यास्त्यस्मिन्निति, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

तृतीयः पादः

१. **प्राग्दिशो विभक्तिः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२. **किं-सर्वनाम-बहुभ्योऽद्व्यादिभ्यः** (प्राग्दिशः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३. **इदम इश्** (प्राग्दिशः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्)
४. **एतेतौ रथोः** (इदमः, प्राग्दिशः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्)
५. **एतदोऽन्** (प्राग्दिशः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्)
६. **सर्वस्य सोऽन्यतरस्यां दि** (प्राग्दिशः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्)
७. **पञ्चम्यास्तसिल्** (किंसर्वनामबहुभ्योऽव्यादिभ्यः, विभक्तिः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
८. **तसेश्च** (तसिल्, किंसर्वनामबहुभ्योऽव्यादिभ्यः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्)
९. **पर्यभिभ्यां च** (तसिल्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०. **सप्तम्यास्त्रल** (किंसर्वनामबहुभ्योऽव्यादिभ्यः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
११. **इदमो हः** (सप्तम्याः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१२. **किमोऽत्** (सप्तम्याः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३. **वा ह च च्छन्दसि** (किमः, सप्तम्याः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्,

प्रत्ययः, परश्च)

१४. **इतराभ्योऽपि दृश्यन्ते** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५. **सर्वैकान्यकिंयत्तदः काले दा** (सप्तम्याः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१६. **इदमो र्हिल्** (काले, सप्तम्याः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१७. **अधुना** (इदमः, काले, सप्तम्याः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१८. **दानीं च** (इदमः, काले, सप्तम्याः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१९. **तदो दा च** (दानीम्, काले, सप्तम्याः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२०. **तयोर्दा-र्हिलौ च च्छन्दसि** (काले, सप्तम्याः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२१. **अनद्यतने र्हिलन्यतरस्याम्** (किंसर्वनामबहुभ्यः, काले, सप्तम्याः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२२. **सद्यःपरुत्परार्यैषमः परेद्यव्यद्यपूर्वेद्युरन्येद्युरन्यतरेद्युरितरेद्युरपरेद्यु-रधरेद्युरुभयेद्युरुत्तरेद्युः** (काले, सप्तम्याः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२३. **प्रकारवचने थाल्** (किंसर्वनामबहुभ्यः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२४. **इदमस्थमुँः** (प्रकारवचने, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२५. **किमश्च** (थमुः, प्रकारवचने, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२६. **था हेतौ च च्छन्दसि** (किमः, प्रकारवचने, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२७. **दिक्शब्देभ्यः सप्तमी-पञ्चमी-प्रथमाभ्यो दिग्देश-कालेष्वस्तातिँः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२८. **दक्षिणोत्तराभ्यामतसुँच्** (दिक्शब्देभ्यः सप्तमीपञ्चमीप्रथमाभ्यो दिग्देशकालेषु, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२९. **विभाषा परावराभ्याम्** (अतसुच्, दिक्शब्देभ्यः सप्तमीपञ्चमीप्रथमाभ्यो दिग्देशकालेषु, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३०. **अञ्चेर्लुक्** (दिक्शब्देभ्यः सप्तमीपञ्चमीप्रथमाभ्यो दिग्देशकालेषु, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३१. **उपर्युपरिष्टात्** (दिक्शब्देभ्यः सप्तमीपञ्चमीप्रथमाभ्यो दिग्देशकालेषु, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३२. **पश्चात्** (दिक्शब्देभ्यः सप्तमीपञ्चमीप्रथमाभ्यो दिग्देशकालेषु, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३३. **पश्च पश्चा च च्छन्दसि** (पश्चात्, दिक्शब्देभ्यः सप्तमीपञ्चमीप्रथमाभ्यो दिग्देशकालेषु, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३४. **उत्तराधर-दक्षिणादातिँः** (दिक्शब्देभ्यः सप्तमीपञ्चमीप्रथमाभ्यो दिग्देशकालेषु, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३५. **एनबन्यतरस्यामदूरेऽपञ्चम्याः** (उत्तराधरदक्षिणात्, दिक्शब्देभ्यः सप्तमीपञ्चमीप्रथमाभ्यो दिग्देशकालेषु, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३६. **दक्षिणादाच्** (अपञ्चम्याः, दिक्शब्देभ्यः सप्तमीपञ्चमीप्रथमाभ्यो दिग्देशकालेषु, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३७. **आहि च दूरे** (दक्षिणादाच्, अपञ्चम्याः, दिक्शब्देभ्यः सप्तमीपञ्चमीप्रथमाभ्यो दिग्देशकालेषु, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३८. **उत्तराच्च** (आहि दूरे, आच्, अपञ्चम्याः, दिक्शब्देभ्यः सप्तमीपञ्चमीप्रथमाभ्यो दिग्देशकालेषु, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३९. **पूर्वाधरावराणामसिँ पुरधवश्चैषाम्** (दिक्शब्देभ्यः सप्तमीपञ्चमीप्रथमाभ्यो दिग्देशकालेषु, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४०. **अस्ताति च** (पूर्वाधरावराणाम् पुरधवः, दिक्शब्देभ्यः सप्तमीपञ्चमीप्रथमाभ्यो दिग्देशकालेषु, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४१. **विभाषाऽवरस्य** (अस्ताति, दिक्शब्देभ्यः सप्तमीपञ्चमीप्रथमाभ्यो दिग्देशकालेषु, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४२. **संख्याया विधार्थे धा** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४३. **अधिकरणविचाले च** (संख्यायाः धा, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४४. **एकाद्धो ध्यमुँञन्यतरस्याम्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४५. **द्वि-त्र्योश्च धमुँञ्** (धः अन्यतरस्याम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४६. **एधाच्च** (द्वित्र्योः, धः अन्यतरस्याम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४७. **याप्ये पाशप्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४८. **पूरणाद्भागे तीयादन्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४९. **प्रागेकादशभ्योऽच्छन्दसि** (पूरणाद् भागे अन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५०. **षष्ठाष्टमाभ्यां ञ च** (अच्छन्दसि, भागे अन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५१. **मानपश्वङ्गयोः कन्लुकौ च** (षष्ठाष्टमाभ्याम्, भागे तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५२. **एकादाकिनिच्चासहाये** (कन्लुकौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५३. **भूतपूर्वे चरट्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५४. **षष्ठ्या रूप्य च** (भूतपूर्वे चरट्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५५. **अतिशायने तमबिष्ठनौ** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५६. **तिङश्च** (अतिशायने तमप्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५७. **द्विवचनविभज्योपपदे तरबीयसुँनौ** (अतिशायने, तिङः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५८. **अजादी गुणवचनादेव** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५९. **तुश्छन्दसि** (अजादि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६०. **प्रशस्यस्य श्रः** (अजादि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः,

परश्च)

६१. **ज्य च** (प्रशस्यस्य, अजादि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६२. **वृद्धस्य च** (ज्य, अजादि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६३. **अन्तिक-बाढयोर्नेद-साधौ** (अजादि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६४. **युवाल्पयोः कनन्यतरस्याम्** (अजादि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६५. **विन्मतोर्लुक्** (अजादि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६६. **प्रशंसायां रूपप्** (तिङः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६७. **ईषदसमाप्तौ कल्पब्देश्यदेशीयरः** (तिङः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६८. **विभाषा सुपो बहुच्पुरस्तात्तु** (ईषदसमाप्तौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६९. **प्रकारवचने जातीयर्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७०. **प्रागिवात्कः** (सुपः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७१. **अव्यय-सर्वनाम्नामकँच्प्राक्टेः** (सुपः, प्रागिवात्, तिङश्च, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७२. **कस्य च दः** (अव्ययम् अकच्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७३. **अज्ञाते** (प्रागिवात् कः, अव्ययसर्वनाम्नामकच्प्राक्टेः, तिङः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७४. **कुत्सिते** (प्रागिवात् कः, अव्ययसर्वनाम्नामकच्प्राक्टेः, तिङः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७५. **संज्ञायां कन्** (प्रागिवात्, कुत्सितेः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७६. **अनुकम्पायाम्** (तिङः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७७. **नीतौ च तद्युक्तात्** (अनुकम्पायाम्, तिङः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्,

प्रत्ययः, परश्च)

७८. **बह्वचो मनुष्यनाम्नष्ठज्वा** (नीतौ च तद्युक्तात्, अनुकम्पायाम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७९. **घनिलचौ च** (बह्वचो मनुष्यनाम्नष्ठज्वा, नीतौ च तद्युक्तात्, अनुकम्पायाम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८०. **प्राचामुपादेरडज्वुचौ च** (घनिलचौ, बह्वचो मनुष्यनाम्नष्ठज्वा, नीतौ च तद्युक्तात्, अनुकम्पायाम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८१. **जातिनाम्नः कन्** (मनुष्यनाम्नः, नीतौ च तद्युक्तात्, अनुकम्पायाम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८२. **अजिनान्तस्योत्तरपदलोपश्च** (कन्, मनुष्यनाम्नः, अनुकम्पायाम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८३. **ठाजादावूर्ध्वं द्वितीयादचः** (लोपः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८४. **शेवल-सुपरि-विशाल-वरुणार्यमादीनां तृतीयात्** (ठाजादावूध्वम्, अचः, लोपः, मनुष्यनाम्नः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८५. **अल्पे** (तिङः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८६. **ह्रस्वे** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८७. **संज्ञायां कन्** (ह्रस्वे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८८. **कुटी-शमी-शुण्डाभ्यो रः** (ह्रस्वे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८९. **कुत्वा डुपच्** (ह्रस्वे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९०. **कासू-गोणीभ्यां ष्टरच्** (ह्रस्वे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९१. **वत्सोक्षाश्वर्षभेभ्यश्च तनुत्वे** (ष्टरच्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९२. **किं-यत्तदो निर्धारणे द्वयोरेकस्य डतरच** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९३. **वा बहूनां जातिपरिप्रश्ने डतमच्** (किंयत्तदो निर्धारणे एकस्य, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९४. **एकाच्च प्राचाम्** (बहूनां डतमच्, निर्धारणे एकस्य डतरच्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९५. **अवक्षेपणे कन्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९६. **इवे प्रतिकृतौ** (कन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९७. **संज्ञायां च** (इवे, कन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९८. **लुम्मनुष्ये** (संज्ञायाम्, इवे, कन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
९९. **जीविकार्थे चापण्ये** (लुप्, मनुष्ये, कन्, प्रतिकृतौ, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१००. **देवपथादिभ्यश्च** (इवे प्रतिकृतौ, कन्, लुप्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०१. **वस्तेर्ढञ्** (इवे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०२. **शिलाया ढः** (इवे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०३. **शाखादिभ्यो यः** (इवे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०४. **द्रव्यं च भव्ये** (यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०५. **कुशाग्राच्छः** (इवे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०६. **समासाच्च तद्विषयात्** (छः, इवे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०७. **शर्करादिभ्योऽण्** (इवे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०८. **अङ्गुल्यादिभ्यष्ठक्** (इवे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०९. **एकशालायाष्ठजन्यतरस्याम्** (इवे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
११०. **कर्क-लोहितादीकक्** (इवे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१११. **प्रत्न-पूर्व-विश्वेमात्थाल्छन्दसि** (इवे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
११२. **पूगाञ्ञ्योऽग्रामणीपूर्वात्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११३. **व्रात-च्फञोरस्त्रियाम्** (ञ्यः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११४. **आयुधजीवि-सङ्घाञ्ञ्यड्वाहीकेष्वब्राह्मणराजन्यात्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११५. **वृकाट्टेण्यण्** (आयुधजीविसङ्घात्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११६. **दामन्यादि-त्रिगर्त-षष्ठाच्छः** (आयुधजीविसङ्घात्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११७. **पर्श्वादि-यौधेयादिभ्यो ऽणञौ** (आयुधजीविसङ्घात्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११८. **अभिजिद्विदभृच्छालावच्छिखावच्छमीवदूर्णावच्छ्रुमदणो यञ्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११९. **ञ्यादयस्तद्राजाः**

चतुर्थः पादः

१. **पादशतस्य संख्यादेर्वीप्सायां वुन्लोपश्च** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२. **दण्डव्यवसर्गयोश्च** (पादशतस्य संख्यादेः वुन्लोपश्च, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

३. **स्थूलादिभ्यः प्रकारवचने कन्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४. **अनत्यन्तगतौ क्तात्** (कन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५. **न सामिवचने** (क्तात्, कन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६. **बृहत्या आच्छादने** (कन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७. **अषडक्षाशितङ्ग्वलंकर्मालंपुरुषाऽध्युत्तरपदात्खः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८. **विभाषाञ्चेरदिक्स्त्रियाम्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९. **जात्यन्ताच्छ बन्धुनि** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१०. **स्थानान्ताद्विभाषा सस्थानेनेति चेत्** (छः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
११. **किमेत्तिङव्ययघादाम्वद्रव्यप्रकर्षे** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१२. **अमुँ च च्छन्दसि** (किमेत्तिङव्ययघादाम्वद्रव्यप्रकर्षे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१३. **अनुगादिनष्ठक्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१४. **णचः स्त्रियामञ्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१५. **अणिनुणः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१६. **विसारिणो मत्स्ये** (अण्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१७. **संख्यायाः क्रियाभ्यावृत्तिगणने कृत्वसुँच्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१८. **द्वित्रिचतुर्भ्यः सुँच्** (संख्यायाः क्रियाभ्यावृत्तिगणने, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
१९. **एकस्य सकृच्च** (सुच्, क्रियाभ्यावृत्तिगणने, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२०. **विभाषा बहोर्धाऽविप्रकृष्टकाले** (संख्यायाः क्रियाभ्यावृत्तिगणने, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२१. **तत्प्रकृतवचने मयट्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२२. **समूहवच्च बहुषु** (तत्प्रकृतवचने मयट्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२३. **अनन्तावसथेतिह-भेषजाञ्ञ्यः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२४. **देवतान्तात्तादर्थ्ये यत्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२५. **पादार्घाभ्यां च** (तादर्थ्ये यत्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२६. **अतिथेर्ञ्यः** (तादर्थ्ये, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२७. **देवात्तल्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

२८. **अवेः कः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
२९. **यावादिभ्यः कन्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३०. **लोहितान्मणौ** (कन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३१. **वर्णे चानित्ये** (लोहितात्, कन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३२. **रक्ते** (लोहितात्, कन्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३३. **कालाच्च** (रक्ते, कन्, वर्णे चानित्ये, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३४. **विनयादिभ्यष्ठक्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३५. **वाचो व्याहृतार्थायाम्** (ठक्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३६. **तद्युक्तात्कर्मणोऽण्** (व्याहृतार्थायाम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३७. **ओषधेरजातौ** (अण्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३८. **प्रज्ञादिभ्यश्च** (अण्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
३९. **मृदस्तिकन्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४०. **सस्नौ प्रशंसायाम्** (मृदः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४१. **वृक-ज्येष्ठाभ्यां तिल्तातिलौ च च्छन्दसि** (प्रशंसायाम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४२. **बह्वल्पार्थाच्छस्कारकादन्यतरस्याम्** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४३. **संख्यैकवनाच्च वीप्सायाम्** (शस् अन्यतरस्याम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४४. **प्रतियोगे पञ्चम्यास्तसिँः** (अन्यतरस्याम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४५. **अपादाने चाहीयरुहोः** (पञ्चम्याः तसिः, अन्यतरस्याम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)
४६. **अतिग्रहाव्यथन-क्षेपेष्वकर्त्तरि तृतीयायाः** (तसिः, अन्यतरस्याम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४७. **हीयमान-पाप-योगाच्च** (अकर्त्तरि तृतीयायाः, तसिः, अन्यतरस्याम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४८. **षष्ठ्या व्याश्रये** (तसिः, अन्यतरस्याम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

४९. **रोगाच्चापनयने** (षष्ठ्याः, तसिः, अन्यतरस्याम्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५०. **कृभ्वस्तियोगे संपद्यकर्त्तरि च्विः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५१. **अरुर्मनश्चक्षुश्चेतो-रहो-रजसां लोपश्च** (कृभ्वस्तियोगे संपद्यकर्त्तरि च्विः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५२. **विभाषा साति कार्त्स्न्ये** (कृभ्वस्तियोगे संपद्यकर्त्तरि, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५३. **अभिविधौ सम्पदा च** (विभाषा सातिः, कृभ्वस्तियोगे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५४. **तदधीनवचने** (संपदा, सातिः, कृभ्वस्तियोगे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५५. **देये त्रा च** (तदधीनवचने, संपदा, सातिः, कृभ्वस्तियोगे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५६. **देव-मनुष्य-पुरुष-पुरु-मर्त्येभ्यो द्वितीया-सप्तम्योर्बहुलम्** (त्रा, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५७. **अव्यक्तानुकरणाद्द्व्यजवरार्धादनितौ डाच्** (कृभ्वस्तियोगे, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५८. **कृञो द्वितीय-तृतीय-शम्बबीजात्कृषौ** (डाच्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

५९. **संख्यायाश्च गुणान्तायाः** (कृञः कृषौ, डाच्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६०. **समयाच्च यापनायाम्** (कृञः, डाच्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६१. **सपत्रनिष्पत्रादतिव्यधने** (कृञः, डाच्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६२. **निष्कुलान्निष्कोषणे** (कृञः, डाच्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६३. **सुख-प्रियादानुलोम्ये** (कृञः, डाच्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६४. **दुःखात्प्रातिलोम्ये** (कृञः, डाच्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६५. **शूलात्पाके** (कृञः, डाच्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६६. **सत्यादशपथे** (कृञः, डाच्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६७. **मद्रात्परिवापणे** (कृञः, डाच्, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६८. **समासान्ताः** (तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

६९. **न पूजनात्** (समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७०. **किमः क्षेपे** (न, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७१. **नञस्तत्पुरुषात्** (न, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७२. **पथो विभाषा** (नञस्तत्पुरुषात्, न, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७३. **बहुव्रीहौ संख्येये डजबहुगणात्** (समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७४. **ऋक्पूरब्धूःपथामानक्षे** (समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७५. **अच्प्रत्यन्ववपूर्वात्सामलोम्नः** (समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७६. **अक्ष्णोऽदर्शनात्** (अच्, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७७. **अचतुर-विचतुर-सुचतुर-स्त्री-पुंस-धेन्वनडुहर्क्साम-वाङ्मन- साक्षि-**

भ्रुवदारगवोर्वष्ठीवपद-ष्ठीव-नक्तंदिव-रात्रिंदिवाहर्दिव-सरजस-निःश्रेयस-पुरुषायुष-द्व्यायुष-त्र्यायुषर्ग्यजुष-जातोक्ष-महोक्ष-वृद्धोक्षोपशुन-गोष्ठश्वाः (ङ्याप्प्रातिपदिकात्, अच्, समासान्ताः, तद्धिताः, प्रत्ययः, परश्च)

७८. **ब्रह्महस्तिभ्यां वर्चसः** (अच्, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

७९. **अवसमन्धेभ्यस्तमसः** (अच्, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८०. **श्वसो वसीयः श्रेयसः** (अच्, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८१. **अन्वव-तप्ताद्रहसः** (अच्, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८२. **प्रतेरुरसः सप्तमीस्थात्** (अच्, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८३. **अनुगवमायामे** (अच्, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८४. **द्विस्तावा त्रिस्तावा वेदिः** (अच्, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८५. **उपसर्गादध्वनः** (अच्, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८६. **तत्पुरुषस्याङ्गुलेः संख्याव्ययादेः** (अच्, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८७. **अहः सर्वैकदेशसंख्यातपुण्याच्च रात्रेः** (तत्पुरुषस्य संख्याव्ययादेः, अच्, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८८. **अह्नोऽह्न एतेभ्यः** (तत्पुरुषस्य संख्याव्ययादेः, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

८९. **न संख्यादेः समाहारे** (अह्नोऽह्न, तत्पुरुषस्य, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९०. **उत्तमैकाभ्यां च** (न, अह्नोऽह्न, तत्पुरुषस्य, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९१. **राजाहःसखिभ्यष्टच्** (तत्पुरुषस्य, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९२. **गोरतद्धितलुकि** (टच्, तत्पुरुषस्य, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९३. **अग्राख्यायामुरसः** (टच्, तत्पुरुषस्य, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९४. **अनोश्मायःसरसां जातिसंज्ञयोः** (टच्, तत्पुरुषस्य, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९५. **ग्रामकौटाभ्यां च तक्ष्णः** (टच्, तत्पुरुषस्य, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९६. **अतेः शुनः** (टच्, तत्पुरुषस्य, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९७. **उपमानादप्राणिषु** (शुनः, टच्, तत्पुरुषस्य, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९८. **उत्तर-मृग-पूर्वाच्च सक्थ्नः** (उपमानात्, टच्, तत्पुरुषस्य, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

९९. **नावो द्विगोः** (टच्, तत्पुरुषस्य, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१००. **अर्द्धाच्च** (नावो द्विगोः, टच्, तत्पुरुषस्य, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०१. **खार्याः प्राचाम्** (नावो द्विगोः, अर्द्धात्, टच्, तत्पुरुषस्य, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०२. **द्वित्रिभ्यामञ्जलेः** (टच्, तत्पुरुषस्य, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०३. **अनसन्तान्नपुंसकाच्छन्दसि** (टच्, तत्पुरुषस्य, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०४. **ब्रह्मणो जानपदाख्यायाम्** (टच्, तत्पुरुषस्य, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०५. **कुमहद्भ्यामन्यतरस्याम्** (ब्रह्मणः, टच्, तत्पुरुषस्य, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०६. **द्वन्द्वाच्चुदषहान्तात्समाहारे** (टच्, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०७. **अव्ययीभावे शरत्प्रभृतिभ्यः** (टच्, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०८. **अनश्च** (अव्ययीभावे, टच्, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१०९. **नपुंसकादन्यतरस्याम्** (अनः, अव्ययीभावे, टच्, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११०. **नदी-पौर्णमास्याग्रहायणीभ्यः** (अन्यतरस्याम्, अव्ययीभावे, टच्, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१११. **झयः** (अन्यतरस्याम्, अव्ययीभावे, टच्, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११२. **गिरेश्च सेनकस्य** (अन्यतरस्याम्, अव्ययीभावे, टच्, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११३. **बहुव्रीहौ सक्थ्यक्ष्णोः स्वाङ्गात्षच्** (समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११४. **अङ्गुलेर्दारुणि** (बहुव्रीहौ, षच्, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११५. **द्वित्रिभ्यां ष मूर्ध्नः** (बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११६. **अप्पूरणीप्रमाण्योः** (बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११७. **अन्तर्बहिर्भ्यां च लोम्नः** (अप्, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११८. **अञ्नासिकायाः संज्ञायां नसं चास्थूलात्** (बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

११९. **उपसर्गाच्च** (अञ्, नासिकायाः, नसं, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२०. **सुप्रात-सुश्व-सुदिव-शारिकुक्ष-चतुरश्रैणीपदाजपदप्रोष्ठपदाः** (अच्, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२१. **नञ्दुःसुभ्यो हलि-सक्थ्योरन्यतरस्याम्** (अच्, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२२. **नित्यमसिच्प्रजामेधयोः** (नञ्दुःसुभ्यः, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२३. **बहुप्रजाश्छन्दसि** (असिच्, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२४. **धर्मादनिच्केवलात्** (बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२५. **जम्भा सुहरित-तृण-सोमेभ्यः** (अनिच्, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२६. **दक्षिणेर्मा लुब्धयोगे** (अनिच्, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२७. **इच्कर्मव्यतिहारे** (बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२८. **द्विदण्ड्यादिभ्यश्च** (इच्, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१२९. **प्रसम्भ्यां जानुनोर्ज्ञुः** (बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३०. **ऊर्ध्वाद्विभाषा** (जानुनोः ज्ञुः, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३१. **ऊधसोऽनङ्** (बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३२. **धनुषश्च** (अनङ्, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३३. **वा संज्ञायाम्** (धनुषः, अनङ्, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३४. **जायाया निङ्** (बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३५. **गन्धस्येदुत्पूति-सु-सुरभिभ्यः** (बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३६. **अल्पाख्यायाम्** (गन्धस्य इत्, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३७. **उपमानाच्च** (गन्धस्य इत्, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३८. **पादस्य लोपोऽहस्त्यादिभ्यः** (उपमानात्, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१३९. **कुम्भपदीषु च** (पादस्य लोपः, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४०. **संख्यासुपूर्वस्य** (पादस्य लोपः, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४१. **वयसि दन्तस्य दतृ** (संख्यासुपूर्वस्य, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४२. **छन्दसि च** (दन्तस्य दतृ, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४३. **स्त्रियां संज्ञायाम्** (दन्तस्य दतृ, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४४. **विभाषा श्यावारोकाभ्याम्** (दन्तस्य दतृ, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४५. **अग्रान्त-शुद्ध-शुभ्र-वृष-वराहेभ्यश्च** (विभाषा, दन्तस्य दतृ, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४६. **ककुदस्यावस्थायां लोपः** (बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४७. **त्रिककुत्पर्वते** (लोपः, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४८. **उद्विभ्यां काकुदस्य** (लोपः, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१४९. **पूर्णाद्विभाषा** (काकुदस्य, लोपः, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५०. **सुहृद्दुर्हृदौ मित्रामित्रयोः** (बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५१. **उरःप्रभृतिभ्यः कप्** (बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५२. **इनः स्त्रियाम्** (कप्, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५३. **नद्यृतश्च** (कप्, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५४. **शेषाद्विभाषा** (कप्, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५५. **न संज्ञायाम्** (कप्, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५६. **ईयसश्च** (न, कप्, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५७. **वन्दिते भ्रातुः** (न, कप्, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५८. **ऋतश्छन्दसि** (न, कप्, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१५९. **नाडीतन्त्र्योः स्वाङ्गे** (न, कप्, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

१६०. **निष्प्रवाणिश्च** (न, कप्, बहुव्रीहौ, समासान्ताः, तद्धिताः, ङ्याप्प्रातिपदिकात्, प्रत्ययः, परश्च)

...पृष्ठ ५६ से आगे।

तपिं तिपिं चापिमथो वपिं स्वपिं, लिपिं लुपिं तृप्यतिदृप्यती सृपिम्।
स्वरेण नीचेन शपिं छुपिं क्षिपिं प्रतीहि पान्तान् पठितांस्त्रयोदश॥९॥

अदिं हदिं स्कन्दिभिदिच्छिदिक्षुदीन्, शदिं सदिं स्विद्यतिपद्यती खिदिम्।
तुदिं नुदिं विद्यति विन्त इत्यपि, प्रतीहि दान्तान् दश पञ्च चानिटः॥१०॥

पचिं वचिं विचिरिचिरञ्चिपृच्छतीन्, निजिं सिचिं मुचिभजिभञ्जिभृज्जजीन्।
त्यजिं यजिं युजिरुचिसञ्जिमज्जतीन्, भुजिं स्वजिं सृजिमृजी विद्ध्यनिट्स्वरान्॥११॥

षष्ठोऽध्यायः

प्रथमः पादः

१. **एकाचो द्वे प्रथमस्य**
२. **अजादेर्द्वितीयस्य** (एकाचः, द्वे)
३. **न न्द्राः संयोगादयः** (अजादेर्द्वितीयस्य, एकाचः, द्वे)
४. **पूर्वोऽभ्यासः** (द्वे)
५. **उभे अभ्यस्तम्** (द्वे)
६. **जक्षित्यादयः षट्** (अभ्यस्तम्)
७. **तुजादिनां दीर्घोऽभ्यासस्य**
८. **लिटि धातोरनभ्यासस्य** (एकाचो द्वे प्रथमस्य, अजादेर्द्वितीयस्य)
९. **सन्यङोः** (धातोरनभ्यासस्य, एकाचो द्वे प्रथमस्य, अजादेर्द्वितीयस्य)
१०. **श्लौ** (धातोरनभ्यासस्य, एकाचो द्वे प्रथमस्य, अजादेर्द्वितीयस्य)
११. **चङि** (धातोरनभ्यासस्य, एकाचो द्वे प्रथमस्य, अजादेर्द्वितीयस्य)
१२. **दाश्वान्साह्वान्मीढ्वांश्च**
१३. **ष्यङः सम्प्रसारणं पुत्रपत्योस्तत्पुरुषे**
१४. **बन्धुनि बहुव्रीहौ** (ष्यङः संप्रसारणम्)
१५. **वचिस्वपियजादीनां किति** (संप्रसारणम्)
१६. **ग्रहि-ज्या-वयि-व्यधि-वष्टि-विचति-वृश्चति-पृच्छति-भृज्जतीनां ङिति च** (किति, संप्रसारणम्)
१७. **लिट्यभ्यासस्योभयेषाम्** (संप्रसारणम्)
१८. **स्वापेश्चङि** (संप्रसारणम्)
१९. **स्वपि-स्यमि-व्येञां यङि** (संप्रसारणम्)
२०. **न वशः** (यङि, संप्रसारणम्)
२१. **चायः की** (यङि)
२२. **स्फायः स्फी निष्ठायाम्**
२३. **स्त्यः प्रपूर्वस्य** (निष्ठायाम्, संप्रसारणम्)
२४. **द्रवमूर्ति-स्पर्शयोः श्यः** (निष्ठायाम्, संप्रसारणम्)
२५. **प्रतेश्च** (श्यः, निष्ठायाम्, संप्रसारणम्)
२६. **विभाषाऽभ्यवपूर्वस्य** (श्यः, निष्ठायाम्, संप्रसारणम्)

२७. **शृतं पाके** (विभाषा, निष्ठायाम्)
२८. **प्यायः पी** (विभाषा, निष्ठायाम्)
२९. **लिड्यङोश्च** (प्यायः पी)
३०. **विभाषा श्वेः** (लिड्यङोः, संप्रसारणम्)
३१. **णौ च संश्चङोः** (विभाषा श्वेः, संप्रसारणम्)
३२. **ह्वः सम्प्रसारणमभ्यस्तस्य च** (णौ च संश्चङोः)
३३. **बहुलं छन्दसि** (ह्वः संप्रसारणम्)
३४. **चायः की** (बहुलं छन्दसि)
३५. **अपस्पृधेथामानृचुरानृहुश्चिच्युषेतित्याजश्राताः श्रितमाशीराशीर्ताः** (छन्दसि, संप्रसारणम्)
३६. **न सम्प्रसारणे सम्प्रसारणम्** (संप्रसारणम्)
३७. **लिटि वयो यः** (न, संप्रसारणम्)
३८. **वश्चास्यान्यतरस्यां किति** (लिटि वयो यः)
३९. **वेञः** (लिटि, न, संप्रसारणम्)
४०. **ल्यपि च** (वेञः, न, संप्रसारणम्)
४१. **ज्यश्च** (ल्यपि, न, संप्रसारणम्)
४२. **व्यश्च** (ल्यपि, न, संप्रसारणम्)
४३. **विभाषा परेः** (व्यः, ल्यपि, न, संप्रसारणम्)
४४. **आदेच उपदेशेऽशिति**
४५. **न व्यो लिटि** (आदेच उपदेशे)
४६. **स्फुरतिस्फुलत्योर्घञि** (आदेचः)
४७. **क्रीङ्जीनां णौ** (आदेचः)
४८. **सिध्यतेरपारलौकिके** (णौ, आदेचः)
४९. **मीनाति-मिनोति-दीङां ल्यपि च** (आदेच उपदेशे)
५०. **विभाषा लीयतेः** (ल्यपि, आदेच उपदेशे)
५१. **खिदेश्छन्दसि** (विभाषा, आदेचः)
५२. **अपगुरो णमुलि** (विभाषा, आदेचः)
५३. **चिस्फुरोर्णौ** (विभाषा, आदेचः)
५४. **प्रजने वीयतेः** (णौ, विभाषा, आदेचः)
५५. **बिभेतेर्हेतुभये** (णौ, विभाषा, आदेचः)

५६. **नित्यं स्मयतेः** (हेतुभये, णौ, आदेचः)
५७. **सृजिदृशोर्झल्यमकिति**
५८. **अनुदात्तस्य चर्दुपधस्यान्यतरस्याम्** (झल्यमकिति, उपदेशे)
५९. **शीर्षश्छन्दसि**
६०. **ये च तद्धिते** (शीर्षन्)
६१. **पद्दन्नोमास्हृन्निशसन्यूषन्दोषन्यकञ्छकन्नुदन्नासञ्छस्प्रभृतिषु** (छन्दसि)
६२. **धात्वादेः षः सः** (उपदेशे)
६३. **णो नः** (धात्वादेः, उपदेशे)
६४. **लोपो व्योर्वलि**
६५. **वेरपृक्तस्य** (लोपः)
६६. **हल्ङ्याब्भ्यो दीर्घात्-सु-तिस्यपृक्तं हल्** (लोपः)
६७. **एङ्ह्रस्वात्सम्बुद्धेः** (हल्, लोपः)
६८. **शेश्छन्दसि बहुलम्** (लोपः)
६९. **ह्रस्वस्य पिति कृति तुक्**
७०. **संहितायाम्**
७१. **छे च** (संहितायाम्, ह्रस्वस्य तुक्)
७२. **आङ्माङोश्च** (छे, संहितायाम्, तुक्)
७३. **दीर्घात् पदान्ताद्वा** (छे, संहितायाम्, तुक्)
७४. **इको यणचि** (संहितायाम्)
७५. **एचोऽयवायावः** (अचि, संहितायाम्)
७६. **वान्तो यि प्रत्यये** (एचः, अचि, संहितायाम्)
७७. **धातोस्तन्निमित्तस्यैव** (वान्तो यि प्रत्यये, संहितायाम्)
७८. **क्षय्य-जय्यौ शक्यार्थे** (धातोः, यि प्रत्यये, संहितायाम्)
७९. **क्रय्यस्तदर्थे** (धातोः, यि प्रत्यये, संहितायाम्)
८०. **भय्य-प्रवय्ये च च्छन्दसि** (धातोः, यि प्रत्यये, संहितायाम्)
८१. **एकः पूर्वपरयोः** (संहितायाम्)
८२. **अन्तादिवच्च** (एकः पूर्वपरयोः)
८३. **षत्वतुकोरसिद्धः** (एकः पूर्वपरयोः)
८४. **आद् गुणः** (एकः पूर्वपरयोः, अचि, संहितायाम्)
८५. **वृद्धिरेचि** (आत्, एकः पूर्वपरयोः, संहितायाम्)

८६. **एत्येधत्यूठसु** (वृद्धिरेचि, अचि, आत्, एकः पूर्वपरयोः, संहितायाम्)
८७. **आटश्च** (वृद्धिः, अचि, एकः पूर्वपरयोः, संहितायाम्)
८८. **उपसर्गादृति धातौः** (वृद्धिः, आत्, एकः पूर्वपरयोः, अचि, संहितायाम्)
८९. **वा सुप्यापिशलेः** (उपसर्गादृति धातौः, वृद्धिः, आत्, एकः पूर्वपरयोः, संहितायाम्)
९०. **औतोऽम्शसोः** (एकः पूर्वपरयोः, अचि, संहितायाम्)
९१. **एङि पररूपम्** (उपसर्गात् धातौः, आत्, एकः पूर्वपरयोः, संहितायाम्)
९२. **ओमाङोश्च** (पररूपम्, आत्, एकः पूर्वपरयोः, संहितायाम्)
९३. **उस्यपदान्तात्** (पररूपम्, आत्, एकः पूर्वपरयोः, संहितायाम्)
९४. **अतो गुणे** (पररूपम्, अपदान्तात्, एकः पूर्वपरयोः, संहितायाम्)
९५. **अव्यक्तानुकरणस्यात इतौ** (पररूपम्, एकः पूर्वपरयोः, संहितायाम्)
९६. **नाम्रेडितस्यान्त्यस्य तु वा** (अव्यक्तानुकरणस्यात इतौ, पररूपम्, एकः पूर्वपरयोः, संहितायाम्)
९७. **अकः सवर्णे दीर्घः** (अचि, एकः पूर्वपरयोः, संहितायाम्)
९८. **प्रथमयोः पूर्वसवर्णः** (अकः दीर्घः, एकः पूर्वपरयोः, अचि, संहितायाम्)
९९. **तस्माच्छसो नः पुंसि** (पूर्वसवर्ण, संहितायाम्)
१००. **नादिचि** (पूर्वसवर्णः, दीर्घः, एकः पूर्वपरयोः, संहितायाम्)
१०१. **दीर्घाज्जसि च** (न इचि, पूर्वसवर्णः, दीर्घः, एकः पूर्वपरयोः, संहितायाम्)
१०२. **वा च्छन्दसि** (दीर्घाज्जसि च, इचि, पूर्वसवर्णः, दीर्घः, एकः पूर्वपरयोः, संहितायाम्)
१०३. **अमि पूर्वः** (अकः एकः पूर्वपरयोः, संहितायाम्)
१०४. **सम्प्रसारणाच्च** (पूर्वः, एकः पूर्वपरयोः, अचि, संहितायाम्)
१०५. **एङः पदान्तादति** (पूर्वः, एकः पूर्वपरयोः, संहितायाम्)
१०६. **ङसि-ङसोश्च** (एङः अति, पूर्वः, एकः पूर्वपरयोः, संहितायाम्)
१०७. **ऋत् उत्** (ङसिङसोः, अति, एकः पूर्वपरयोः, संहितायाम्)
१०८. **ख्यत्यात् परस्य** (उत्, ङसिङसोः, अति, संहितायाम्)
१०९. **अतो रोरप्लुतादप्लुते** (उत्, अति, संहितायाम्)
११०. **हशि च** (अतः, रोः, उत्, संहितायाम्)
१११. **प्रकृत्यान्तः पादमव्यपरे** (एङः अति, संहितायाम्)
११२. **अव्यादवद्यादवक्रमुरव्रतायमवन्त्ववस्युषु च** (प्रकृत्या अन्तः पादम्,

एङः अति, संहितायाम्)
११३. **यजुष्युरः** (प्रकृत्या, एङः अति, संहितायाम्)
११४. **आपो-जुषाणो-वृष्णो-वर्षिष्ठे-अम्बे-अम्बाले-अम्बिके पूर्वे** (यजुषि, प्रकृत्या, अति, संहितायाम्)
११५. **अङ्ग इत्यादौ च** (यजुषि, प्रकृत्या, एङः, अति, संहितायाम्)
११६. **अनुदात्ते च कुधपरे** (यजुषि, प्रकृत्या, एङः, अति, संहितायाम्)
११७. **अवपथासि च** (अनुदात्ते, यजुषि, प्रकृत्या, एङः, अति, संहितायाम्)
११८. **सर्वत्र विभाषाः गोः** (प्रकृत्या, एङः पदान्तात् अति, संहितायाम्)
११९. **अवङ् स्फोटायनस्य** (गोः विभाषा, अचि, पदान्तात्, संहितायाम्)
१२०. **इन्द्रे च** (अवङ्, गोः, अचि, संहितायाम्)
१२१. **प्लुतप्रगृह्या अचि नित्यम्** (प्रकृत्या, संहितायाम्)
१२२. **आङोऽनुनासिकश्छन्दसि बहुलम्** (अचि, प्रकृत्या, संहितायाम्)
१२३. **इकोऽसवर्णे शाकल्यस्य ह्रस्वश्च** (अचि, प्रकृत्या, संहितायाम्)
१२४. **ऋत्यकः** (शाकल्यस्य ह्रस्वश्च, प्रकृत्या, संहितायाम्)
१२५. **अप्लुतवदुपस्थिते**
१२६. **ई३ चाक्रवर्मणस्य** (अप्लुतवत्, अचि)
१२७. **दिव उत्** (पद)
१२८. **एतत्तदोः सुलोपोऽकोरनञ्समासे हलि** (संहितायाम्)
१२९. **स्यश्छन्दसि बहुलम्** (सुलोपः, हलि, संहितायाम्)
१३०. **सोऽचि लोपे चेत्पादपूरणम्** (सुलोपः, संहितायाम्)
१३१. **सुट्कात् पूर्वः** (संहितायाम्)
१३२. **सम्परिभ्यां करोतौ भूषणे** (सुट्कात्पूर्वः, संहितायाम्)
१३३. **समवाये च** (संपरिभ्याम्, करोतौ, सुट्कात्पूर्वः, संहितायाम्)
१३४. **उपात्प्रतियत्नवैकृतवाक्याध्याहारेषु च** (करोतौ, सुट्कात्पूर्वः, संहितायाम्)
१३५. **किरतौ लवने** (उपात्, सुट् कात् पूर्वः, संहितायाम्)
१३६. **हिंसायां प्रतेश्च** (किरतौ, उपात्, सुट्कात्पूर्वः, संहितायाम्)
१३७. **अपाच्चतुष्पाच्छकुनिष्वालेखने** (किरतौ, सुट्कात्पूर्वः, संहितायाम्)
१३८. **कुस्तुम्बुरूणि जातिः** (सुट्, संहितायाम्)
१३९. **अपरस्पराः क्रियासातत्ये** (सुट्, संहितायाम्)
१४०. **गोष्पदं सेवितासेवितप्रमाणेषु** (सुट्, संहितायाम्)

१४१. **आस्पदं प्रतिष्ठायाम्** (सुट्, संहितायाम्)
१४२. **आश्चर्यमनित्ये** (सुट्, संहितायाम्)
१४३. **वर्चस्केऽवस्करः** (सुट्, संहितायाम्)
१४४. **अपस्करो रथाङ्गम्** (सुट्, संहितायाम्)
१४५. **विष्किरः शकुनौ वा** (सुट्कात्पूर्वः, संहितायाम्)
१४६. **ह्रस्वाच्चन्द्रोत्तरपदे मन्त्रे** (सुट्, संहितायाम्)
१४७. **प्रतिष्कशश्च कशेः** (सुट्, संहितायाम्)
१४८. **प्रस्कण्वहरिश्चन्द्रावृषी** (सुट्, संहितायाम्)
१४९. **मस्करमस्करिणौ वेणु-परिव्राजकयोः** (सुट्, संहितायाम्)
१५०. **कास्तीराजस्तुन्दे नगरे** (सुट्, संहितायाम्)
१५१. **पारस्करप्रभृतीनि च संज्ञायाम्** (सुट्, संहितायाम्)
१५२. **अनुदात्तं पदमेकवर्जम्**
१५३. **कर्षात्वतो घञोऽन्त उदात्तः**
१५४. **उञ्छादीनां च** (अन्त उदात्तः)
१५५. **अनुदात्तस्य च यत्रोदात्तलोपः** (उदात्तः)
१५६. **धातोः** (अन्त उदात्तः)
१५७. **चितः** (अन्त उदात्तः)
१५८. **तद्धितस्य** (चितः, अन्त उदात्तः)
१५९. **कितः** (तद्धितस्य, अन्त उदात्तः)
१६०. **तिसृभ्यो जसः** (अन्त उदात्तः)
१६१. **चतुरः शसि** (अन्त उदात्तः)
१६२. **सावेकाचस्तृतीयादिर्विभक्तिः** (उदात्तः)
१६३. **अन्तोदात्तादुत्तरपदादन्यतरस्यामनित्यसमासे** (एकाचस्तृतीयादिर्विभक्तिः, उदात्तः)
१६४. **अञ्चेश्छन्दस्यसर्वनामस्थानम्** (विभक्तिः, उदात्तः)
१६५. **ऊडिदम्पदाद्यप्पुम्रैद्युभ्यः** (असर्वनामस्थानम्, अन्तोदात्तात्, विभक्तिः, उदात्तः)
१६६. **अष्टनो दीर्घात्** (असर्वनामस्थानम्, विभक्तिः, उदात्तः)
१६७. **शतुरनुमो नद्यजादी** (असर्वनामस्थानम्, अन्तोदात्तात्, विभक्तिः, उदात्तः)

१६८. **उदात्तयणो हल्पूर्वात्** (नद्यजादी, असर्वनामस्थानम्, विभक्तिः, उदात्तः)
१६९. **नोङ्धात्वोः** (उदात्तयणो हल्पूर्वात्, अजादी, असर्वनामस्थानम्, विभक्तिः, उदात्तः)
१७०. **ह्रस्वनुड्भ्यां मतुप्** (अन्तोदात्तात्, उदात्तः)
१७१. **नामन्यतरस्याम्** (ह्रस्वः, मतुप्, अन्तोदात्तात्, विभक्तिः, उदात्तः)
१७२. **ङ्याश्छन्दसि बहुलम्** (नाम्, विभक्तिः, उदात्तः)
१७३. **षट्-त्रि-चतुर्भ्यो हलादिः** (विभक्तिः, उदात्तः)
१७४. **झल्युपोत्तमम्** (षट्त्रिचतुर्भ्यः, विभक्तिः, उदात्तः)
१७५. **विभाषा भाषायाम्** (झल्युपोत्तमम्, षट्त्रिचतुर्भ्यः, विभक्तिः, उदात्तः)
१७६. **न गो-श्वन्साववर्ण-राडङ्क्रुङ्कृद्भ्यः**
१७७. **दिवो झल्** (न, विभक्तिः, उदात्तः)
१७८. **नृ चान्यतरस्याम्** (झल्, न, विभक्तिः, उदात्तः)
१७९. **तित्स्वरितम्**
१८०. **तास्यनुदात्तेन्ङिददुपदेशाल्लसार्वधातुकमनुदात्तमह्न्विङोः**
१८१. **आदिः सिचोऽन्यतरस्याम्** (उदात्तः)
१८२. **स्वपादिहिंसामच्यनिटि** (आदिः अन्यतरस्याम्, लसार्वधातुकम्, उदात्तः)
१८३. **अभ्यस्तानामादिः** (अच्यनिटि, लसार्वधातुकम्, उदात्तः)
१८४. **अनुदात्ते च** (अभ्यस्तानाम्, आदिः, लसार्वधातुकम्, उदात्तः)
१८५. **सर्वस्य सुपि** (आदिः, उदात्तः)
१८६. **भी-ह्री-भृ-हु-मद-जन-धन-दरिद्रा-जागरां प्रत्ययात्पूर्वं पिति** (अभ्यस्तानाम्, लसार्वधातुकम्, उदात्तः)
१८७. **लिति** (प्रत्ययात् पूर्वम्, उदात्तः)
१८८. **आदिर्णमुल्यन्यतरस्याम्** (उदात्तः)
१८९. **अचः कर्तृयकि** (आदिः अन्यतरस्याम्, उदात्तः, अदुपदेशात्)
१९०. **थलि च सेटीडन्तो वा** (आदिः, अन्यतरस्याम्, उदात्तः)
१९१. **ञ्नित्यादिर्नित्यम्** (उदात्तः)
१९२. **आमन्त्रितस्य च** (आदिः, उदात्तः)
१९३. **पथि-मथोः सर्वनामस्थाने** (आदिः, उदात्तः)
१९४. **अन्तश्च तवै युगपत्** (आदिः, उदात्तः)
१९५. **क्षयो निवासे** (आदिः, उदात्तः)

१९६. **जयः करणम्** (आदिः, उदात्तः)
१९७. **वृषादीनां च** (आदिः, उदात्तः)
१९८. **संज्ञायामुपमानम्** (आदिः, उदात्तः)
१९९. **निष्ठा च द्व्यजनात्** (संज्ञायाम्, आदिः, उदात्तः)
२००. **शुष्कधृष्टौ** (आदिः, उदात्तः)
२०१. **आशितः कर्ता** (आदिः, उदात्तः)
२०२. **रिक्ते विभाषा** (आदिः, उदात्तः)
२०३. **जुष्टार्पिते च च्छन्दसि** (विभाषा, आदिः, उदात्तः)
२०४. **नित्यं मन्त्रे** (जुष्टार्पिते, आदिः, उदात्तः)
२०५. **युष्मदस्मदोर्ङसि** (आदिः, उदात्तः)
२०६. **ङयि च** (युष्मदस्मदोः, आदिः, उदात्तः)
२०७. **यतोऽनावः** (आदिः, उदात्तः)
२०८. **ईड-वन्द-वृ-शंस-दुहां ण्यतः** (आदिः, उदात्तः)
२०९. **विभाषा वेण्विन्धानयोः** (आदिः, उदात्तः)
२१०. **त्याग-राग-हास-कुह-श्वठ-क्रथानाम्** (विभाषा, आदिः, उदात्तः)
२११. **उपोत्तमं रिति** (उदात्तः)
२१२. **चङ्यन्यतरस्याम्** (उपोत्तमम्, उदात्तः)
२१३. **मतोः पूर्वमात्संज्ञायां स्त्रियाम्** (उदात्तः)
२१४. **अन्तोऽवत्याः** (संज्ञायाम्, उदात्तः)
२१५. **ईवत्याः** (अन्तः, संज्ञायाम्, उदात्तः)
२१६. **चौ** (अन्तः, उदात्तः)
२१७. **समासस्य** (अन्तः, उदात्तः)

द्वितीयः पादः

१. **बहुव्रीहौ प्रकृत्या पूर्वपदम्**
२. **तत्पुरुषे तुल्यार्थ-तृतीया-सप्तम्युपमानाव्यय-द्वितीयाकृत्याः** (प्रकृत्या पूर्वपदम्)
३. **वर्णो वर्णेष्वनेते** (तत्पुरुषे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
४. **गाध-लवणयोः प्रमाणे** (तत्पुरुषे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
५. **दायाद्यं दायादे** (तत्पुरुषे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)

६. **प्रतिबन्धि चिर-कृच्छ्रयोः** (तत्पुरुषे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
७. **पदेऽपदेशे** (तत्पुरुषे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
८. **निवाते वातत्राणे** (तत्पुरुषे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
९. **शारदेऽनार्तवे** (तत्पुरुषे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
१०. **अध्वर्यु-कषाययोर्जातौ** (तत्पुरुषे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
११. **सदृश-प्रतिरूपयोः सादृश्ये** (तत्पुरुषे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
१२. **द्विगौ प्रमाणे** (तत्पुरुषे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
१३. **गन्तव्य-पण्यं वाणिजे** (तत्पुरुषे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
१४. **मात्रोपज्ञोपक्रमच्छाये नपुंसके** (तत्पुरुषे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
१५. **सुख-प्रिययोर्हिते** (तत्पुरुषे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
१६. **प्रीतौ च** (सुखप्रिययोः, तत्पुरुषे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
१७. **स्वं स्वामिनि** (तत्पुरुषे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
१८. **पत्यावैश्वर्ये** (तत्पुरुषे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
१९. **न भूवाक्चिद्दिधिषु** (पत्यावैश्वर्ये, तत्पुरुषे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
२०. **वा भुवनम्** (पत्यावैश्वर्ये, तत्पुरुषे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
२१. **आशङ्का-बाधने-दीयस्सु सम्भावने** (तत्पुरुषे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
२२. **पूर्वे भूतपूर्वे** (तत्पुरुषे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
२३. **सविध-सनीड-समर्याद-सवेश-सदेशेषु सामीप्ये** (तत्पुरुषे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
२४. **विस्पष्टादीनि गुणवचनेषु** (तत्पुरुषे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
२५. **श्र-ज्यावम-कन्पापवत्सु भावे कर्मधारये** (प्रकृत्या पूर्वपदम्)
२६. **कुमारश्च** (कर्मधारये, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
२७. **आदिः प्रत्येनसि** (कुमारः, कर्मधारये, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
२८. **पूगेष्वन्यतरस्याम्** (आदिः, कुमारः, २६कर्मधारये, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
२९. **इगन्त-काल-कपाल-भगाल-शरावेषु द्विगौ** (प्रकृत्या पूर्वपदम्)
३०. **बह्वन्यतरस्याम्** (इगन्तकालकपालभगालशरावेषु द्विगौ, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
३१. **दिष्टिवितस्त्योश्च** (अन्यतरस्याम्, द्विगौ, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
३२. **सप्तमी सिद्ध-शुष्क-पक्व-बन्धेष्वकालात्** (प्रकृत्या पूर्वपदम्)
३३. **परि-प्रत्युपापा वर्ज्यमानाहोरात्रावयवेषु** (प्रकृत्या पूर्वपदम्)
३४. **राजन्य-बहुवचन-द्वन्द्वेऽन्धकवृष्णिषु** (प्रकृत्या पूर्वपदम्)

३५. **संख्या** (द्वन्द्वे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
३६. **आचार्योपसर्जनश्चान्तेवासी** (द्वन्द्वे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
३७. **कार्तकौजपादयश्च** (द्वन्द्वे, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
३८. **महान्व्रीह्यपराह्ण-गृष्टीष्वासजाबाल-भार-भारत-हैलिहिल-रौरव-प्रवृद्धेषु** (प्रकृत्या पूर्वपदम्)
३९. **क्षुल्लकश्च वैश्वदेवे** (महान्, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
४०. **उष्ट्रः सादिवाम्योः** (प्रकृत्या पूर्वपदम्)
४१. **गौः साद-सादि-सारथिषु** (प्रकृत्या पूर्वपदम्)
४२. **कुरुगार्हपत रिक्तगुर्वसूतजरत्यश्लीलदृढरूपा पारेवडवातैतिलकद्रूपण्य-कम्बलो दासीभाराणां च** (प्रकृत्या पूर्वपदम्)
४३. **चतुर्थी तदर्थे** (प्रकृत्या पूर्वपदम्)
४४. **अर्थे** (चतुर्थी, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
४५. **क्ते च** (चतुर्थी, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
४६. **कर्मधारयेऽनिष्ठा** (क्ते, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
४७. **अहीने द्वितीया** (क्ते, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
४८. **तृतीया कर्मणि** (क्ते, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
४९. **गतिरनन्तरः** (कर्मणि, क्ते, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
५०. **तादौ च निति कृत्यतौ** (गतिरनन्तरः, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
५१. **तवै चान्तश्च युगपत्**
५२. **अनिगन्तोऽञ्चतौ वप्रत्यये** (गतिः, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
५३. **न्यधी च** (अञ्चतौ वप्रत्यये, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
५४. **ईषदन्यतरस्याम्** (प्रकृत्या पूर्वपदम्)
५५. **हिरण्यपरिमाणं धने** (अन्यतरस्याम्, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
५६. **प्रथमोऽचिरोपसम्पत्तौ** (अन्यतरस्याम्, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
५७. **कतरकतमौ कर्मधारये** (अन्यतरस्याम्, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
५८. **आर्यो ब्राह्मण-कुमारयोः** (कर्मधारये, अन्यतरस्याम्, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
५९. **राजा च** (ब्राह्मणकुमारयोः, कर्मधारये, अन्यतरस्याम्, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
६०. **षष्ठी प्रत्येनसि** (राजा, अन्यतरस्याम्, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
६१. **क्ते नित्यार्थे** (अन्यतरस्याम्, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
६२. **ग्रामः शिल्पिनि** (अन्यतरस्याम्, प्रकृत्या पूर्वपदम्)

६३. **राजा च प्रशंसायाम्** (शिल्पिनि, अन्यतरस्याम्, प्रकृत्या पूर्वपदम्)
६४. **आदिरुदात्तः** (पूर्वपदम्)
६५. **सप्तमी-हारिणौ धर्म्येऽहरणे** (आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
६६. **युक्ते च** (आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
६७. **विभाषाऽध्यक्षे** (आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
६८. **पापं च शिल्पिनि** (विभाषा, आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
६९. **गोत्रान्तेवासि-माणव-ब्राह्मणेषु क्षेपे** (आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
७०. **अङ्गानि मैरेये** (आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
७१. **भक्ताख्यास्तदर्थेषु** (आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
७२. **गो-बिडाल-सिंह-सैन्धवेषूपमाने** (आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
७२. **अके जीविकार्थे** (आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
७४. **प्राचां क्रीडायाम्** (अके, आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
७५. **अणि नियुक्ते** (आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
७६. **शिल्पिनि चाकृञः** (अणि, आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
७७. **संज्ञायां च** (अकृञः, अणि, आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
७८. **गो-तन्तियवं पाले** (आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
७९. **णिनि** (आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
८०. **उपमानं शब्दार्थ-प्रकृतावेव** (णिनि, आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
८१. **युक्तारोह्यादयश्च** (आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
८२. **दीर्घ-काश-तुष-भ्राष्ट्र-वटं जे** (आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
८३. **अन्त्यात्पूर्वं बह्वचः** (जे, उदात्तः, पूर्वपदम्)
८४. **ग्रामेऽनिवसन्तः** (आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
८५. **घोषादिषु च** (आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
८६. **छात्र्यादयः शालायाम्** (आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
८७. **प्रस्थेऽवृद्धमकर्क्यादीनाम्** (आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
८८. **मालादीनां च** (प्रस्थे, आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
८९. **अमहन्नवं नगरेऽनुदीचाम्** (आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
९०. **अर्मे चावर्णं द्व्यच्त्र्यच्** (अमहन्नवम्, आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
९१. **न भूताधिक-संजीव-मद्राश्म-कज्जलम्** (अर्मे, आदिरुदात्तः, पूर्वपदम्)
९२. **अन्तः** (उदात्तः, पूर्वपदम्)

९३. **सर्वं गुणकार्त्स्न्ये** (अन्तः, उदात्तः, पूर्वपदम्)
९४. **संज्ञायां गिरि-निकाययोः** (अन्तः, उदात्तः, पूर्वपदम्)
९५. **कुमार्यां वयसि** (अन्तः, उदात्तः, पूर्वपदम्)
९६. **उदकेऽकेवले** (अन्तः, उदात्तः, पूर्वपदम्)
९७. **द्विगौ क्रतौ** (अन्तः, उदात्तः, पूर्वपदम्)
९८. **सभायां नपुंसके** (अन्तः, उदात्तः, पूर्वपदम्)
९९. **पुरे प्राचाम्** (अन्तः, उदात्तः, पूर्वपदम्)
१००. **अरिष्ट-गौड-पूर्वे च** (पुरे, अन्तः, उदात्तः, पूर्वपदम्)
१०१. **न हास्तिन-फलक-मार्देयाः** (पुरे, अन्तः, उदात्तः, पूर्वपदम्)
१०२. **कुसूल-कूप-कुम्भ-शालं बिले** (अन्तः, उदात्तः, पूर्वपदम्)
१०३. **दिक्शब्दा ग्राम-जनपदाख्यान-चानराटेषु** (अन्तः, उदात्तः, पूर्वपदम्)
१०४. **आचार्योपसर्जनश्चान्तेवासिनि** (दिक्शब्दाः, अन्तः, उदात्तः, पूर्वपदम्)
१०५. **उत्तरपदवृद्धौ सर्वं च** (दिक्शब्दाः, अन्तः, उदात्तः, पूर्वपदम्)
१०६. **बहुव्रीहौ विश्वं संज्ञायाम्** (अन्तः, उदात्तः, पूर्वपदम्)
१०७. **उदराश्वेषुषु क्षेपे** (बहुव्रीहौ संज्ञायाम्, अन्तः, उदात्तः, पूर्वपदम्)
१०८. **नदी बन्धुनि** (बहुव्रीहौ, अन्तः, उदात्तः, पूर्वपदम्)
१०९. **निष्ठोपसर्गपूर्वमन्यतरस्याम्** (बहुव्रीहौ, अन्तः, उदात्तः, पूर्वपदम्)
११०. **उत्तरपदादिः** (उदात्तः)
१११. **कर्णो वर्णलक्षणात्** (उत्तरपदादिः, बहुव्रीहौ, उदात्तः)
११२. **संज्ञौपम्ययोश्च** (कर्णः, उत्तरपदादिः, बहुव्रीहौ, उदात्तः)
११३. **कण्ठ-पृष्ठ-ग्रीवा-जङ्घं च** (संज्ञौपम्ययोः, उत्तरपदादिः, बहुव्रीहौ, उदात्तः)
११४. **शृङ्गमवस्थायां च** (संज्ञौपम्ययोः, उत्तरपदादिः, बहुव्रीहौ, उदात्तः)
११५. **नञो जर-मर-मित्र-मृताः** (उत्तरपदादिः, बहुव्रीहौ, उदात्तः)
११६. **सोर्मनसी अलोमोषसी** (उत्तरपदादिः, बहुव्रीहौ, उदात्तः)
११७. **क्रत्वादयश्च** (६/२/११७) (सोः, उत्तरपदादिः, बहुव्रीहौ, उदात्तः)
११८. **आद्युदात्तं द्व्यच्छन्दसि** (सोः, उत्तरपदादिः, बहुव्रीहौ, उदात्तः)
११९. **वीर-वीर्यौ च** (छन्दसि, सोः, उत्तरपदादिः, बहुव्रीहौ, उदात्तः)
१२०. **कूल-तीर-तूल-मूल-शालाक्षसममव्ययीभावे** (उत्तरपदादिः, उदात्तः)
१२१. **कंस-मन्थ-शूर्प-पाय्य-काण्डं द्विगौ** (उत्तरपदादिः, उदात्तः)

१२२. **तत्पुरुषे शालायां नपुंसके** (उत्तरपदादिः, उदात्तः)
१२३. **कन्था च** (तत्पुरुषे नपुंसके, उत्तरपदादिः, उदात्तः)
१२४. **आदिश्चिहणादीनाम्** (कन्था, तत्पुरुषे नपुंसके, उदात्तः)
१२५. **चेल-खेट-कटुक-काण्डं गर्हायाम्** (तत्पुरुषे उत्तरपदादिः, उदात्तः)
१२६. **चीरमुपमानम्** (तत्पुरुषे उत्तरपदादिः, उदात्तः)
१२७. **पलल-सूप-शाकं मिश्रे** (तत्पुरुषे उत्तरपदादिः, उदात्तः)
१२८. **कूल-सूद-स्थल-कर्षाः संज्ञायाम्** (तत्पुरुषे उत्तरपदादिः, उदात्तः)
१२९. **अकर्मधारये राज्यम्** (तत्पुरुषे उत्तरपदादिः, उदात्तः)
१३०. **वर्ग्यादयश्च** (अकर्मधारये, तत्पुरुषे उत्तरपदादिः, उदात्तः)
१३१. **पुत्रः पुम्भ्यः** (तत्पुरुषे उत्तरपदादिः, उदात्तः)
१३२. **नाचार्य-राजर्त्विक्-संयुक्त-ज्ञात्याख्येभ्यः** (पुत्रः, तत्पुरुषे उत्तरपदादिः, उदात्तः)
१३३. **चूर्णादीन्यप्राणिषष्ठ्याः** (तत्पुरुषे उत्तरपदादिः, उदात्तः)
१३४. **षट् च काण्डादीनि** (अप्राणिषष्ठ्याः, तत्पुरुषे उत्तरपदादिः, उदात्तः)
१३५. **कुण्डं वनम्** (तत्पुरुषे उत्तरपदादिः, उदात्तः)
१३६. **प्रकृत्या भगालम्** (तत्पुरुषे उत्तरपदम्)
१३७. **शितेर्नित्याबह्वज्बहुव्रीहावभसत्** (प्रकृत्या, उत्तरपदम्)
१३८. **गतिकारकोपपदात्कृत्** (प्रकृत्या, तत्पुरुषे, उत्तरपदम्)
१३९. **उभे वनस्पत्यादिषु युगपत्** (प्रकृत्या)
१४०. **देवताद्वन्द्वे च** (उभे युगपत्, प्रकृत्या)
१४१. **नोत्तरपदेऽनुदात्तादावपृथिवी-रुद्र-पूष-मन्थिषु** (देवताद्वन्द्वे, उभे युगपत्, प्रकृत्या)
१४२. **अन्तः** (उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१४३. **थाथघञ्क्ताजबित्रकाणाम्** (अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१४४. **सूपमानात्क्तः** (अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१४५. **संज्ञायामनाचितादीनाम्** (क्तः, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१४६. **प्रवृद्धादीनां च** (क्तः, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१४७. **कारकाद्दत्त-श्रुतयोरेवाशिषि** (संज्ञायाम्, क्तः, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१४८. **इत्थम्भूतेन कृतमिति च** (कारकात्, क्तः, अन्तः, उत्तरपदस्य,

उदात्तः)

१४९. **अनो भाव-कर्मवचनः** (कारकात्, क्तः, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१५०. **मन्क्तिन्व्याख्यान-शयनासन-स्थान-याजकादिक्रीताः** (कारकात्, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१५१. **सप्तम्याः पुण्यम्** (अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१५२. **ऊनार्थ-कलहं तृतीयायाः** (अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१५३. **मिश्रं चानुपसर्गमसन्धौ** (तृतीयायाः, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१५४. **नञो गुणप्रतिषेधे सम्पाद्यर्हहितालमर्थस्तद्धिताः** (अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१५५. **य-यतोश्चातदर्थे** (नञः गुणप्रतिषेधे तद्धिताः, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१५६. **अच्कावशक्तौ** (नञः, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१५७. **आक्रोशे च** (अच्कौ, नञः, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१५८. **संज्ञायाम्** (आक्रोशे, नञः, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१५९. **कृत्योकेष्णुच्चार्वादयश्च** (नञः, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१६०. **विभाषा तृन्नन्न-तीक्ष्ण-शुचिषु** (नञः, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१६१. **बहुव्रीहाविदमेतत्तद्भ्यः प्रथम-पूरणयोः क्रियागणने** (अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१६२. **संख्यायाः स्तनः** (बहुव्रीहौ, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१६३. **विभाषा छन्दसि** (संख्यायाः स्तनः, बहुव्रीहौ, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१६४. **संज्ञायां मित्राजिनयोः** (बहुव्रीहौ, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१६५. **व्यवायिनोऽन्तरम्** (बहुव्रीहौ, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१६६. **मुखं स्वाङ्गम्** (बहुव्रीहौ, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१६७. **नाव्यय-दिक्छब्द-गो-महत्स्थूल-मुष्टि-पृथु-वत्सेभ्यः** (मुखं स्वाङ्गम्, बहुव्रीहौ, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१६८. **निष्ठोपमानादन्यतरस्याम्** (मुखं स्वाङ्गम्, बहुव्रीहौ, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१६९. **जाति-काल-सुखादिभ्योऽनाच्छादनात् क्तोऽकृत-मित-प्रतिपन्नाः** (बहुव्रीहौ, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१७०. **वा जाते** (जातिकालसुखादिभ्यः, बहुव्रीहौ, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१७१. **नञ्सुभ्याम्** (बहुव्रीहौ, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१७२. **कपि पूर्वम्** (नञ्सुभ्याम्, बहुव्रीहौ, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१७३. **ह्रस्वान्तेऽन्त्यात्पूर्वम्** (कपि, नञ्सुभ्याम्, बहुव्रीहौ, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१७४. **बहोर्नञ्वदुत्तरपदभूम्नि** (बहुव्रीहौ, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१७५. **न गुणादयोऽवयवाः** (बहोः, बहुव्रीहौ, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१७६. **उपसर्गात्स्वाङ्गं ध्रुवमपर्शु** (बहुव्रीहौ, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१७७. **वनं समासे** (उपसर्गात्, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१७८. **अन्तः** (वनम्, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१७९. **अन्तश्च** (उपसर्गात्, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१८०. **न निविभ्याम्** (अन्तः, उपसर्गात्, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१८१. **परेरभितोभावि मण्डलम्** (उपसर्गात्, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१८२. **प्रादस्वाङ्गं संज्ञायाम्** (उपसर्गात्, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१८३. **निरुदकादीनि च** (अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१८४. **अभेर्मुखम्** (उपसर्गात्, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१८५. **अपाच्च** (मुखम्, उपसर्गात्, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१८६. **स्फिग-पूत-वीणाऽञ्जोऽध्व-कुक्षि-सीरनाम-नाम च** (अपात्, उपसर्गात्, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१८७. **अधेरुपरिस्थम्** (उपसर्गात्, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१८८. **अनोरप्रधान-कनीयसी** (उपसर्गात्, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१८९. **पुरुषश्चान्वादिष्टः** (अनोः, उपसर्गात्, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१९०. **अतेरकृत्पदे** (उपसर्गात्, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१९१. **नेरनिधाने** (उपसर्गात्, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१९२. **प्रतेरंश्वादयस्तत्पुरुषे** (उपसर्गात्, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१९३. **उपाद्द्व्यजजिनमगौरादयः** (तत्पुरुषे, उपसर्गात्, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१९४. **सोरवक्षेपणे** (तत्पुरुषे, उपसर्गात्, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)
१९५. **विभाषोत्पुच्छे** (तत्पुरुषे, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१६६. **द्वि-त्रिभ्यां पाद्दन्मूर्धसु बहुव्रीहौ** (विभाषा, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१६७. **सक्थं चाक्रान्तात्** (बहुव्रीहौ, विभाषा, अन्तः, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

१६८. **परादिश्छन्दसि बहुलम्** (सक्थम्, उत्तरपदस्य, उदात्तः)

तृतीयः पादः

१. **अलुगुत्तरपदे**

२. **पञ्चम्याः स्तोकादिभ्यः** (अलुग् उत्तरपदे)

३. **ओजःसहोऽम्भस्तमसस्तृतीयायाः** (अलुग् उत्तरपदे)

४. **मनसः संज्ञायाम्** (तृतीयायाः, अलुगुत्तरपदे)

५. **आज्ञायिनि च** (मनसः, तृतीयायाः, अलुगुत्तरपदे)

६. **आत्मनश्च** (अलुगुत्तरपदे, तृतीयायाः, तृतीयायाः)

७. **वैयाकरणाख्यायां चतुर्थ्याः परस्य च** (अलुगुत्तरपदे, आत्मनः)

८. **हलदन्तात्सप्तम्याः संज्ञायाम्** (अलुगुत्तरपदे)

९. **कारनाम्नि च प्राचां हलादौ** (हलदन्तात्सप्तम्याः, अलुगुत्तरपदे)

१०. **मध्याद् गुरौ** (सप्तम्याः, अलुगुत्तरपदे)

११. **अमूर्ध-मस्तकात्स्वाङ्गादकामे** (हलदन्तात्, सप्तम्याः, अलुगुत्तरपदे)

१२. **बन्धे च विभाषा** (हलदन्तात्, सप्तम्याः, अलुगुत्तरपदे)

१३. **तत्पुरुषे कृति बहुलम्** (सप्तम्याः, अलुगुत्तरपदे)

१४. **प्रावृट्शरत्कालदिवां जे** (सप्तम्याः, अलुगुत्तरपदे)

१५. **विभाषा वर्ष-क्षर-शर-वरात्** (जे, सप्तम्याः, अलुगुत्तरपदे)

१६. **घ-काल-तनेषु कालनाम्नः** (विभाषा, सप्तम्याः, अलुगुत्तरपदे)

१७. **शय-वास-वासिष्वकालात्** (विभाषा, सप्तम्याः, अलुगुत्तरपदे)

१८. **नेन्सिद्ध-बध्नातिषु च** (सप्तम्याः, अलुगुत्तरपदे)

१९. **स्थे च भाषायाम्** (न, सप्तम्याः, अलुगुत्तरपदे)

२०. **षष्ठ्या आक्रोशे** (अलुगुत्तरपदे)

२१. **पुत्रेऽन्यतरस्याम्** (षठ्या आक्रोशे, अलुगुत्तरपदे)

२२. **ऋतो विद्या-योनि-सम्बन्धेभ्यः** (षठ्या, अलुगुत्तरपदे)

२३. **विभाषा स्वसृ-पत्योः** (ऋतो विद्यायोनिसंबन्धेभ्यः, षठ्या, अलुगुत्तरपदे)

२४. **आनङ् ऋतो द्वन्द्वे** (विद्यायोनिसंबन्धेभ्यः, उत्तरपदे)

२५. **देवताद्वन्द्वे च** (आनङ्, उत्तरपदे)
२६. **ईदग्नेः सोम-वरुणयोः** (देवताद्वन्द्वे, उत्तरपदे)
२७. **इद् वृद्धौ** (अग्नेः, देवताद्वन्द्वे, उत्तरपदे)
२८. **दिवो द्यावा** (देवताद्वन्द्वे, उत्तरपदे)
२९. **दिवसश्च पृथिव्याम्** (दिवो द्यावा, देवताद्वन्द्वे, उत्तरपदे)
३०. **उषासोषसः** (देवताद्वन्द्वे, उत्तरपदे)
३१. **मातर-पितरावुदीचाम्**
३२. **पितरा-मातरा च च्छन्दसि**
३३. **स्त्रियाः पुंवद्भाषित-पुंस्कादनूङ् समानाधिकरणे स्त्रियामपूरणीप्रियादिषु** (उत्तरपदे)
३४. **तसिलादिष्वाकृत्वसुचः** (स्त्रियाः पुंवद्भाषितपुंस्कादनूङ्)
३५. **क्यङ्-मानिनोश्च** (स्त्रियाः पुंवद्भाषितपुंस्कादनूङ्, उत्तरपदे)
३६. **न कोपधायाः** (स्त्रियाः पुंवद्भाषितपुंस्कादनूङ्, उत्तरपदे)
३७. **संज्ञा-पूरण्योश्च** (न, स्त्रियाः पुंवद्भाषितपुंस्कादनूङ्, उत्तरपदे)
३८. **वृद्धि-निमित्तस्य च तद्धितस्यारक्तविकारे** (न, स्त्रियाः पुंवद्भाषित-पुंस्कादनूङ्, उत्तरपदे)
३९. **स्वाङ्गाच्चेतः** (न, स्त्रियाः पुंवद्भाषितपुंस्कादनूङ्, उत्तरपदे)
४०. **जातेश्च** (न, स्त्रियाः पुंवद्भाषितपुंस्कादनूङ्, उत्तरपदे)
४१. **पुंवत्कर्मधारय-जातीयदेशीयेषु** (स्त्रियाः भाषितपुंस्कादनूङ्)
४२. **घ-रूप-कल्प-चेलड्-ब्रुव-गोत्र-मत-हतेषु ङ्यो ऽनेकाचो ह्रस्वः** (भाषितपुंस्कात्, उत्तरपदे)
४३. **नद्याः शेषस्यान्यतरस्याम्** (घरूपकल्पचेलड्ब्रुवगोत्रमतहतेषु ह्रस्वः, उत्तरपदे)
४४. **उगितश्च** (नद्याः अन्यतरस्याम्, घरूपकल्पचेलड्ब्रुवगोत्रमतहतेषु ह्रस्वः, उत्तरपदे)
४५. **आन्महतः समानाधिकरणजातीययोः** (उत्तरपदे)
४६. **द्व्यष्टनः संख्यायामबहुव्रीह्यशीत्योः** (आत्, उत्तरपदे)
४७. **त्रेस्त्रयः** (संख्यायामबहुव्रीह्यशीत्योः, उत्तरपदे)
४८. **विभाषा चत्वारिंशत्प्रभृतौ सर्वेषाम्** (संख्यायामबहुव्रीह्यशीत्योः, उत्तरपदे)
४९. **हृदयस्य हृल्लेखयदण्लासेषु** (उत्तरपदे)

५०. **वा शोक-ष्यञ्रोगेषु** (हृदयस्य हृत्, उत्तरपदे)
५१. **पादस्य पदाज्याति-गोपहतेषु** (उत्तरपदे)
५२. **पद्यत्यतदर्थे** (पादस्य, उत्तरपदे)
५३. **हिम-काषि-हतिषु च** (पद्, पादस्य, उत्तरपदे)
५४. **ऋचः शे** (पद्, पादस्य, उत्तरपदे)
५५. **वा घोष-मिश्र-शब्देषु** (पद्, पादस्य, उत्तरपदे)
५६. **उदकस्योदः संज्ञायाम्** (उत्तरपदे)
५७. **पेषं-वास-वाहन-धिषु च** (उदकस्योदः, उत्तरपदे)
५८. **एकहलादौ पूरयितव्येऽन्यतरस्याम्** (उदकस्योदः, उत्तरपदे)
५९. **मन्थौदन-सक्तु-बिन्दु-वज्र-भार-हारवीवध-गाहेषु च** (अन्यतरस्याम्, उदकस्योदः, उत्तरपदे)
६०. **इको ह्रस्वोऽङ्यो गालवस्य** (अन्यतरस्याम्, उत्तरपदे)
६१. **एक तद्धिते च** (ह्रस्वः, उत्तरपदे)
६२. **ङ्यापोः संज्ञा-छन्दसोर्बहुलम्** (ह्रस्वः, उत्तरपदे)
६३. **त्वे च** (ङ्यापोः बहुलम्, ह्रस्वः)
६४. **इष्टकेषीका-मालानां चिततूलभारिषु** (ह्रस्वः, उत्तरपदे)
६५. **खित्यनव्ययस्य** (ह्रस्वः, उत्तरपदे)
६६. **अरुर्द्विषदजन्तस्य मुम्** (खित्यनव्ययस्य, उत्तरपदे)
६७. **इच एकाचोऽम्प्रत्ययवच्च** (खिति, उत्तरपदे)
६८. **वाचंयम-पुरन्दरौ च** (मुम्)
६९. **कारे सत्यागदस्य** (मुम्, उत्तरपदे)
७०. **श्येन-तिलस्य पाते ञे** (मुम्, उत्तरपदे)
७१. **रात्रेः कृति विभाषा** (मुम्, उत्तरपदे)
७२. **नलोपो नञः** (उत्तरपदे)
७३. **तस्मान्नुडचि** (नञः, उत्तरपदे)
७४. **नभ्राण्नपान्नवेदा-नासत्या-नमुचि-नकुल-नख-नपुंसक-नक्षत्र-नक्र-नाकेषु प्रकृत्या** (नञः)
७५. **एकादिश्चैकस्य चादुक्** (प्रकृत्या, नञः, उत्तरपदे)
७६. **नगोऽप्राणिष्वन्यतरस्याम्** (प्रकृत्या, नञः, उत्तरपदे)
७७. **सहस्य सः संज्ञायाम्** (उत्तरपदे)

७८. **ग्रन्थान्ताधिके च** (सहस्य सः, उत्तरपदे)
७९. **द्वितीये चानुपाख्ये** (सहस्य सः, उत्तरपदे)
८०. **अव्ययीभावे चाकाले** (सहस्य सः, उत्तरपदे)
८१. **वोपसर्जनस्य** (सहस्य, सः)
८२. **प्रकृत्याशिषि** (सहस्य)
८३. **समानस्य च्छन्दस्यमूर्द्धप्रभृत्युदर्केषु** (सः, उत्तरपदे)
८४. **ज्योतिर्जनपद-रात्रि-नाभि-नाम-गोत्र-रूप-स्थान-वर्ण-वयो-वचन-बन्धुषु** (समानस्य, सः, उत्तरपदे)
८५. **चरणे ब्रह्मचारिणि** (समानस्य, सः, उत्तरपदे)
८६. **तीर्थे ये** (समानस्य, सः, उत्तरपदे)
८७. **विभाषोदरे** (ये, समानस्य, सः, उत्तरपदे)
८८. **दृग्दृशवतुषु** (समानस्य, सः, उत्तरपदे)
८९. **इदंकिमोरीश्की** (दृग्दृशवतुषु, उत्तरपदे)
९०. **आ सर्वनाम्नः** (दृग्दृशवतुषु, उत्तरपदे)
९१. **विष्वग्देवयोश्च टेरद्र्यञ्चतौ वप्रत्यये** (सर्वनाम्नः, उत्तरपदे)
९२. **समः समि** (अञ्चतौ वप्रत्यये, उत्तरपदे)
९३. **तिरसस्तिर्यलोपे** (अञ्चतौ वप्रत्यये, उत्तरपदे)
९४. **सहस्य सध्रिः** (अञ्चतौ वप्रत्यये, उत्तरपदे)
९५. **सध मादस्थयोश्छन्दसि** (सहस्य, उत्तरपदे)
९६. **द्व्यन्तरुपसर्गेभ्योऽप ईत्** (उत्तरपदे)
९७. **ऊदनोर्देशे** (अपः, उत्तरपदे)
९८. **अषष्ठ्यतृतीयास्थस्यान्यस्य दुगाशीराशास्थास्थितोत्सुकोति-कारकरागच्छेषु** (उत्तरपदे)
९९. **अर्थे विभाषा** (अषष्ठ्यतृतीयास्थस्य अन्यस्य दुक्, उत्तरपदे)
१००. **कोः कत्तत्पुरुषेऽचि** (उत्तरपदे)
१०१. **रथवदयोश्च** (कोः कत्, उत्तरपदे)
१०२. **तृणे च जातौ** (कोः कत्, उत्तरपदे)
१०३. **का पथ्यक्षयोः** (कोः, उत्तरपदे)
१०४. **ईषदर्थे** (का, कोः, उत्तरपदे)
१०५. **विभाषा पुरुषे** (का, कोः, उत्तरपदे)

१०६. **कवं चोष्णे** (विभाषा, का, कोः, उत्तरपदे)
१०७. **पथि च च्छन्दसि** (विभाषा, कवम्, का, कोः, उत्तरपदे)
१०८. **पृषोदरादीनि यथोपदिष्टम्**
१०९. **संख्या-विसाय-पूर्वस्याह्नस्याहन्नन्यतरस्यां ङौ**
११०. **ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः**
१११. **सहिवहोरोदवर्णस्य** (ढ्रलोपे)
११२. **साढ्यै साढ्वा साढेति निगमे**
११३. **संहितायाम्**
११४. **कर्णे लक्षणस्याविष्टाष्ट-पञ्चमणि-भिन्नच्छिन्न-च्छिद्र-स्रुव-स्वस्तिकस्य** (पूर्वस्य दीर्घः अणः, संहितायाम्)
११५. **नहि-वृति-वृषि-व्यधि-रुचि-सहि-तनिषु क्वौ** (पूर्वस्य दीर्घः अणः, संहितायाम्)
११६. **वन-गिर्योः संज्ञायां कोटरकिंशुलुकादीनाम्** (पूर्वस्य दीर्घः अणः, उत्तरपदे, संहितायाम्)
११७. **वले** (संज्ञायाम्, पूर्वस्य दीर्घः अणः, संहितायाम्)
११८. **मतौ बह्वचोऽनजिरादीनाम्** (संज्ञायाम्, पूर्वस्य दीर्घः अणः, संहितायाम्)
११९. **शरादीनां च** (मतौ, संज्ञायाम्, पूर्वस्य दीर्घः अणः, संहितायाम्)
१२०. **इको वहेऽपीलोः** (दीर्घः, उत्तरपदे, संहितायाम्)
१२१. **उपसर्गस्य घञ्यमनुष्ये बहुलम्** (पूर्वस्य दीर्घः अणः, उत्तरपदे, संहितायाम्)
१२२. **इकः काशे** (उपसर्गस्य, दीर्घः, उत्तरपदे, संहितायाम्)
१२३. **दस्ति** (इकः, उपसर्गस्य, दीर्घः, संहितायाम्)
१२४. **अष्टनः संज्ञायाम्** (पूर्वस्य दीर्घः अणः, उत्तरपदे, संहितायाम्)
१२५. **छन्दसि च** (अष्टनः, पूर्वस्य दीर्घः अणः, उत्तरपदे)
१२६. **चितेः कपि** (पूर्वस्य दीर्घः अणः, संहितायाम्)
१२७. **विश्वस्य वसुराटोः** (पूर्वस्य दीर्घः अणः, उत्तरपदे, संहितायाम्)
१२८. **नरे संज्ञायाम्** (विश्वस्य, पूर्वस्य दीर्घः अणः, संहितायाम्)
१२९. **मित्रे चर्षौ** (विश्वस्य, पूर्वस्य दीर्घः अणः, उत्तरपदे, संहितायाम्)
१३०. **मन्त्रे सोमाश्वेन्द्रिय-विश्वदेव्यस्य मतौ** (पूर्वस्य दीर्घः अणः, संहितायाम्)
१३१. **ओषधेश्च विभक्तावप्रथमायाम्** (मन्त्रे, संहितायाम्, पूर्वस्य दीर्घः

अणः)

१३२. **ऋचि तु-नु-घ-मक्षु-तङ्कुत्रोरुष्याणाम्** (संहितायाम्, दीर्घः अणः)

१३३. **इकः सुञि** (संहितायाम्, ऋचि, दीर्घः उत्तरपदे)

१३४. **द्व्यचोऽतस्तिङः** (ऋचि, दीर्घः उत्तरपदे, संहितायाम्)

१३५. **निपातस्य च** (ऋचि, दीर्घः अणः, उत्तरपदे, संहितायाम्)

१३६. **अन्येषामपि दृश्यते** (दीर्घः अणः, उत्तरपदे, संहितायाम्)

१३७. **चौ** (पूर्वस्य दीर्घः अणः, उत्तरपदे, संहितायाम्)

१३८. **सम्प्रसारणस्य** (पूर्वस्य दीर्घः अणः, उत्तरपदे, संहितायाम्)

चतुर्थः पादः

१. **अङ्गस्य**

२. **हलः** (अङ्गस्य, संप्रसारणस्य, दीर्घः अणः)

३. **नामि** (अङ्गस्य, दीर्घः)

४. **न ति-सृचतसृ** (नामि, अङ्गस्य, दीर्घः)

५. **छन्दस्युभयथा** (तिसृ चतसृ, नामि, अङ्गस्य, दीर्घः)

६. **नृ च** (छन्दस्युभयथा, नामि, अङ्गस्य, दीर्घः)

७. **नोपधायाः** (६/४/७) (नामि, अङ्गस्य, दीर्घः)

८. **सर्वनामस्थाने चासम्बुद्धौ** (नोपधायाः, नामि, अङ्गस्य, दीर्घः)

९. **वा षपूर्वस्य निगमे** (सर्वनामस्थाने असम्बुद्धौ, नोपधायाः, अङ्गस्य, दीर्घः)

१०. **सान्त-महतः संयोगस्य** (सर्वनामस्थाने असम्बुद्धौ, नोपधायाः, अङ्गस्य, दीर्घः)

११. **अप्तृन्तृच्स्वसृ-नप्तृ-नेष्टृ-त्वष्टृ-क्षत्तृ-होतृ-पोतृ-प्रशास्तॄणाम्** (सर्वनामस्थाने असम्बुद्धौ, उपधायाः, अङ्गस्य, दीर्घः)

१२. **इन्हन्पूषार्यम्णां शौ** (उपधायाः, अङ्गस्य, दीर्घः)

१३. **सौ च** (इन्हन्पूषार्यम्णाम्, असम्बुद्धौ, उपधायाः, अङ्गस्य, दीर्घः)

१४. **अत्वसन्तस्य चाधातोः** (सौ, असम्बुद्धौ, उपधायाः, अङ्गस्य, दीर्घः)

१५. **अनुनासिकस्य क्विझलोः क्ङिति** (उपधायाः, अङ्गस्य, दीर्घः)

१६. **अज्झनगमां सनि** (झलि, अङ्गस्य, दीर्घः)

१७. **तनोतेर्विभाषा** (सनि, झलि, उपधायाः, अङ्गस्य, दीर्घः)

१८. **क्रमश्च क्त्वि** (विभाषा, झलि, उपधायाः, अङ्गस्य, दीर्घः)
१९. **च्छ्वोः शूडनुनासिके च** (क्विझलोः क्ङिति, अङ्गस्य)
२०. **ज्वर-त्वर-स्रिव्यविमवामुपधायाश्च** (च्छ्वोः अनुनासिके, शूठ् क्विझलोः, अङ्गस्य)
२१. **राल्लोपः** (च्छ्वोः अनुनासिके, क्विझलोः क्ङिति, अङ्गस्य)
२२. **असिद्धवदत्राभात्**
२३. **श्नान्नलोपः**
२४. **अनिदितां हल उपधायाः क्ङिति** (न लोपः, अङ्गस्य)
२५. **दंश-सञ्ज-स्वञ्जां शपि** (उपधायाः, न लोपः, अङ्गस्य)
२६. **रञ्जेश्च** (शपि, उपधायाः, न लोपः, अङ्गस्य)
२७. **घञि च भाव-करणयोः** (रञ्जेः, उपधायाः, न लोपः, अङ्गस्य)
२८. **स्यदो जवे** (घञि, उपधायाः, न लोपः)
२९. **अवोदैधौद्म-प्रश्रथ-हिमश्रथाः** (घञि, उपधायाः, न लोपः)
३०. **नाञ्चेः पूजायाम्** (उपधायाः, न लोपः, अङ्गस्य)
३१. **क्त्वि स्कन्दि-स्यन्दोः** (न उपधायाः, न लोपः, अङ्गस्य)
३२. **जान्त-नशां विभाषा** (क्त्वि, न उपधायाः, न लोपः, अङ्गस्य)
३३. **भञ्जेश्च चिणि** (विभाषा, उपधायाः, न लोपः, अङ्गस्य)
३४. **शास इदङ्हलोः** (क्ङिति, उपधायाः, अङ्गस्य)
३५. **शा हौ** (शासः, अङ्गस्य)
३६. **हन्तेर्जः** (हौ, अङ्गस्य)
३७. **अनुदात्तोपदेश-वनति-तनोत्यादीनामनुनासिकलोपो झलि क्ङिति** (अङ्गस्य)
३८. **वा ल्यपि** (अनुदात्तोपदेशवनतितनोत्यादीरनाम्, अनुनासिक लोपः, अङ्गस्य)
३९. **न क्तिचि दीर्घश्च** (अनुदात्तोपदेशवनतितनोत्यादीरनाम्, अनुनासिक लोपः, अङ्गस्य)
४०. **गमः क्वौ** (अनुनासिक लोपः, अङ्गस्य)
४१. **विड्वनोरनुनासिकस्यात्** (अङ्गस्य)
४२. **जन-सन-खनां सञ्झलोः** (आत्, झलि क्ङिति)
४३. **ये विभाषा** (जनसनखनाम्, आत्)

४४. **तनोतेर्यकि** (विभाषा, आत्, अङ्गस्य)
४५. **सनः क्तिचि लोपश्चास्यान्यतरस्याम्** (आत्, अङ्गस्य)
४६. **आर्धधातुके**
४७. **भ्रस्जो रोपधयो रमन्यतरस्याम्** (आर्धधातुके, अङ्गस्य)
४८. **अतो लोपः** (आर्धधातुके, अङ्गस्य)
४९. **यस्य हलः** (लोपः, आर्धधातुके)
५०. **क्यस्य विभाषा** (हलः, लोपः, आर्धधातुके)
५१. **णेरनिटि** (लोपः, आर्धधातुके, अङ्गस्य)
५२. **निष्ठायां सेटि** (णेः, लोपः)
५३. **जनिता मन्त्रे** (णेः, लोपः)
५४. **शमिता यज्ञे** (णेः, लोपः)
५५. **अयामन्ताल्वाय्येत्न्विष्णुषु** (णेः, आर्धधातुके)
५६. **ल्यपि लघुपूर्वात्** (अय्, णेः, आर्धधातुके)
५७. **विभाषापः** (ल्यपि, अय्, णेः, आर्धधातुके)
५८. **यु-प्लुवोर्दीर्घश्छन्दसि** (ल्यपि, अङ्गस्य)
५९. **क्षियः** (दीर्घः, ल्यपि, अङ्गस्य)
६०. **निष्ठायामण्यदर्थे** (क्षियः, दीर्घः, अङ्गस्य)
६१. **वाऽऽक्रोशदैन्ययोः** (निष्ठायामण्यदर्थे, क्षियः, अङ्गस्य)
६२. **स्य-सिच्-सीयुट्-तासिषु भाव-कर्म्मणोरुपदेशेऽज्झन-ग्रह-दृशां वा चिण्वदिट् च** (अङ्गस्य)
६३. **दीङो युडचि क्ङिति** (अ-ङ्गस्य, आर्धधातुके)
६४. **आतो लोप इटि च** (अचि क्ङिति, आर्धधातुके, अङ्गस्य)
६५. **ईद्यति** (आतः, अङ्गस्य)
६६. **घु-मा-स्था-गा-पा-जहातिसां हलि** (ईत्, क्ङिति, आर्धधातुके, अङ्गस्य)
६७. **एर्लिङि** (घुमास्थागापाजहातिसाम्, क्ङिति, आर्धधातुके, अङ्गस्य)
६८. **वान्यस्य संयोगादेः** (एर्लिङि, आतः, आर्धधातुके, अङ्गस्य)
६९. **न ल्यपि** (घुमास्थागापाजहातिसाम्, अङ्गस्य)
७०. **मयतेरिदन्यतरस्याम्** (ल्यपि, अङ्गस्य)
७१. **लुङ्-लङ्-लृङ्क्ष्वडुदात्तः** (अङ्गस्य)

७२. **आडजादीनाम्** (लुङ्लङ्लृङ्क्षु उदात्तः, अङ्गस्य)
७३. **छन्दस्यपि दृश्यते** (आट्, उदात्तः, अङ्गस्य)
७४. **न माङ्योगे** (लुङ्लङ्लृङ्क्ष्वट्, आट्, अङ्गस्य)
७५. **बहुलं छन्दस्यमाङ्योगेऽपि** (लुङ्लङ्लृङ्क्ष्वडुदात्तः, आट्, अङ्गस्य, माङ्योगे, न)
७६. **इरयो रे** (बहुलं छन्दसि)
७७. **अचि श्नु-धातु-भ्रुवां य्वोरियङुवङौ** (अङ्गस्य)
७८. **अभ्यासस्यासवर्णे** (अचि य्वोः, इयँङुवँङौ)
७९. **स्त्रियाः** (अचि, इयँङ्)
८०. **वाऽम्शसोः** (स्त्रियाः, इयँङ्)
८१. **इणो यण्** (अचि, अङ्गस्य)
८२. **एरनेकाचोऽसंयोग-पूर्वस्य** (अचि, यण्, अङ्गस्य, धातोः)
८३. **ओः सुपि** (अनेकाचोऽसंयोगपूर्वस्य, अचि, यण्, अङ्गस्य, धातोः)
८४. **वर्षाभ्वश्च** (सुपि, अचि, यण्, अङ्गस्य)
८५. **न भू-सुधियोः** (सुपि, अचि, यण्, अङ्गस्य)
८६. **छन्दस्युभयथा** (भूसुधियोः, अङ्गस्य)
८७. **हु-श्नुवोः सार्वधातुके** (अनेकाचोऽसंयोगपूर्वस्य, अचि, यण्, अङ्गस्य)
८८. **भुवो वुग्लुङ्लिटोः** (अचि, अङ्गस्य)
८९. **ऊदुपधाया गोहः** (अचि, अङ्गस्य)
९०. **दोषो णौ** (ऊत्, उपधायाः, अङ्गस्य)
९१. **वा चित्तविरागे** (दोषो णौ, उत्, उपधायाः, अङ्गस्य)
९२. **मितां ह्रस्वः** (णौ, उपधायाः, अङ्गस्य)
९३. **चिण्णमुलोर्दीर्घोऽन्यतरस्याम्** (मिताम्, णौ, उपधायाः, अङ्गस्य)
९४. **खचि ह्रस्वः** (णौ, उपधायाः, अङ्गस्य)
९५. **ह्लादो निष्ठायाम्** (ह्रस्वः, उपधायाः, अङ्गस्य)
९६. **छादेर्घेऽद्व्युपसर्गस्य** (ह्रस्वः, उपधायाः, अङ्गस्य)
९७. **इस्मन्त्रन्क्विषु च** (छादेः, ह्रस्वः, उपधायाः, अङ्गस्य)
९८. **गम-हन-जन-खन-घसां लोपः क्ङित्यनङि** (अचि, उपधायाः, अङ्गस्य)
९९. **तनि-पत्योश्छन्दसि** (लोपः क्ङिति, अचि, उपधायाः, अङ्गस्य)

१००. **घसि-भसोर्हलि च** (छन्दसि, लोपः क्ङिति, अचि, उपधायाः, अङ्गस्य)
१०१. **हु-झल्भ्यो हेर्धिः** (हलि, अङ्गस्य)
१०२. **श्रु-शृ-णु-पॄ-कृ-वृभ्यश्छन्दसि** (हेर्धिः, अङ्गस्य)
१०३. **अङितश्च** (छन्दसि, हेर्धिः)
१०४. **चिणो लुक्** (अङ्गस्य)
१०५. **अतो हेः** (लुक्, अङ्गस्य)
१०६. **उतश्च प्रत्ययादसंयोगपूर्वात्** (हेः, लुक्, अङ्गस्य)
१०७. **लोपश्चास्यान्यतरस्यां म्वोः** (उतः प्रत्ययात् असंयोगपूर्वात्, अङ्गस्य)
१०८. **नित्यं करोतेः** (लोपः म्वोः, उतः प्रत्ययात्, अङ्गस्य)
१०९. **ये च** (नित्यं करोतेः, लोपः, उतः प्रत्ययात्, अङ्गस्य)
११०. **अत उत्सार्वधातुके** (करोतेः, उतः प्रत्ययात्, क्ङिति, अङ्गस्य)
१११. **श्नसोरल्लोपः** (सार्वधातुके, क्ङिति)
११२. **श्नाभ्यस्तयोरातः** (लोपः, सार्वधातुके, क्ङिति, अङ्गस्य)
११३. **ई हल्यघोः** (श्नाभ्यस्तयोः आतः, सार्वधातुके, क्ङिति, अङ्गस्य)
११४. **इद् दरिद्रस्य** (हलि, आतः, सार्वधातुके, क्ङिति, अङ्गस्य)
११५. **भियोऽन्यतरस्याम्** (इत्, हलि, सार्वधातुके, क्ङिति, अङ्गस्य)
११६. **जहातेश्च** (अन्यतरस्याम्, इत्, हलि, सार्वधातुके, क्ङिति, अङ्गस्य)
११७. **आ च हौ** (जहातेः, इत्, अन्यतरस्याम्)
११८. **लोपो यि** (जहातेः, सार्वधातुके, क्ङिति)
११९. **घ्वसोरेद्धावभ्यासलोपश्च** (क्ङिति, अङ्गस्य)
१२०. **अत एकहल्मध्येऽनादेशादेर्लिटि** (एत्, अभ्यासलोपश्च, क्ङिति, अङ्गस्य)
१२१. **थलि च सेटि** (अत एकहल्मध्येऽनादेशादेर्लिटि, एत्, अभ्यासलोपश्च, अङ्गस्य)
१२२. **तॄ-फल-भज-त्रपश्च** (थलि च सेटि, अतः लिटि, एत्, अभ्यासलोपश्च, क्ङिति, अङ्गस्य)
१२३. **राधो हिंसायाम्** (थलि च सेटि, अतः लिटि, एत्, अभ्यासलोपश्च, क्ङिति, अङ्गस्य)
१२४. **वा जॄ-भ्रमु-त्रसाम्** (थलि च सेटि, अतः लिटि, एत्, अभ्यासलोपश्च,

क्ङिति, अङ्गस्य)

१२५. **फणां च सप्तानाम्** (वा, थलि च सेटि, अतः लिटि, एत्, अभ्यासलोपश्च, क्ङिति, अङ्गस्य)

१२६. **न शस-दद-वादि-गुणानाम्** (वा, अतः, लिटि, थलि च सेटि, एत्, अभ्यासलोपश्च, क्ङिति, अङ्गस्य)

१२७. **अर्वणस्त्रसावनञः** (अङ्गस्य)

१२८. **मघवा बहुलम्** (तृ, अङ्गस्य)

१२९. **भस्य**

१३०. **पादः पत्** (भस्य, अङ्गस्य)

१३१. **वसोः सम्प्रसारणम्** (भस्य, अङ्गस्य)

१३२. **वाह ऊठ्** (सम्प्रसारणम्, भस्य, अङ्गस्य)

१३३. **श्व-युव-मघोनामतद्धिते** (सम्प्रसारणम्, भस्य, अङ्गस्य)

१३४. **अल्लोपोऽनः** (भस्य, अङ्गस्य)

१३५. **षपूर्व-हन्धृतराज्ञामणि** (अल्लोपोऽनः, भस्य, अङ्गस्य)

१३६. **विभाषा ङिश्योः** (अल्लोपोऽनः, अङ्गस्य)

१३७. **न संयोगाद्वमन्तात्** (अल्लोपोऽनः, भस्य, अङ्गस्य)

१३८. **अचः** (अल्लोपः, भस्य, अङ्गस्य)

१३९. **उद ईत्** (अचः, भस्य, अङ्गस्य)

१४०. **आतो धातोः** (लोपः, भस्य, अङ्गस्य)

१४१. **मन्त्रेष्वाङ्यादेरात्मनः** (लोपः, भस्य, अङ्गस्य)

१४२. **ति विंशतेर्डिति** (लोपः, भस्य, अङ्गस्य)

१४३. **टेः** (डिति, लोपः, भस्य, अङ्गस्य)

१४४. **नस्तद्धिते** (टेः, लोपः, भस्य, अङ्गस्य)

१४५. **अह्नष्टखोरेव** (तद्धिते, टेर्लोपः, भस्य, अङ्गस्य)

१४६. **ओर्गुणः** (तद्धिते, भस्य, अङ्गस्य)

१४७. **ढे लोपोऽकद्र्वाः** (ओः, तद्धिते, भस्य, अङ्गस्य)

१४८. **यस्येति च** (लोपः, तद्धिते, भस्य, अङ्गस्य)

१४९. **सूर्य-तिष्यागस्त्य-मत्स्यानां य उपधायाः** (ईति, तद्धिते, भस्य, अङ्गस्य)

१५०. **हलस्तद्धितस्य** (उपधायाः, यः, ईति, भस्य, अङ्गस्य)

१५१. **आपत्यस्य च तद्धितेऽनाति** (हलः, यः, लोपः, भस्य, अङ्गस्य)
१५२. **क्यच्व्योश्च** (आपत्यस्य, हलः, लोपः, अङ्गस्य)
१५३. **बिल्वकादिभ्यश्छस्य लुक्** (तद्धिते, भस्य, अङ्गस्य)
१५४. **तुरिष्ठेमेयःसु** (लोपः, भस्य, अङ्गस्य)
१५५. **टेः** (इष्ठेमेयः सु, लोपः, अङ्गस्य)
१५६. **स्थूल-दूर-युव-ह्रस्व-क्षिप्र-क्षुद्राणां यणादिपरं पूर्वस्य च गुणः** (इष्ठेमेयः सु, लोपः, भस्य, अङ्गस्य)
१५७. **प्रिय-स्थिर-स्फिरोरु-बहुल-गुरु-वृद्ध-तृप्र-दीर्घ-वृन्दारकाणां प्र-स्थ-स्फ-वर्बंहि-गर्वर्षि-त्रब्द्राघिवृन्दाः** (इष्ठेमेयः सु, भस्य, अङ्गस्य)
१५८. **बहोर्लोपो भू च बहोः** (इष्ठेमेयः सु, भस्य, अङ्गस्य)
१५९. **इष्ठस्य यिट् च** (बहोः भू च बहोः, भस्य, अङ्गस्य)
१६०. **ज्यादादीयसः** (भस्य, अङ्गस्य)
१६१. **र ऋतो हलादेर्लघोः** (इष्ठेमेयः सु, भस्य, अङ्गस्य)
१६२. **विभाषर्जोश्छन्दसि** (र ऋतः, इष्ठेमेयः सु, भस्य, अङ्गस्य)
१६३. **प्रकृत्यैकाच्** (इष्ठेमेयः सु, भस्य, अङ्गस्य)
१६४. **इनण्यनपत्ये** (प्रकृत्या, भस्य, अङ्गस्य)
१६५. **गाथि-विदथि-केशि-गणि-पणिनश्च** (इन्, अणि, प्रकृत्या, भस्य, अङ्गस्य)
१६६. **संयोगादिश्च** (इन्, अणि, प्रकृत्या)
१६७. **अन्** (अणि, प्रकृत्या, भस्य, अङ्गस्य)
१६८. **ये चाभावकर्मणोः** (अन्, प्रकृत्या, भस्य, अङ्गस्य)
१६९. **आत्माध्वानौ खे** (प्रकृत्या, भस्य, अङ्गस्य)
१७०. **न मपूर्वोऽपत्येऽवर्म्मणः** (अन्, अणि, प्रकृत्या, भस्य, अङ्गस्य)
१७१. **ब्राह्मोऽजातौ** (अपत्ये)
१७२. **कार्म्मस्ताच्छील्ये** (अङ्गस्य, भस्य)
१७३. **औक्षमनपत्ये** (६/४/१७३) (भस्य, अङ्गस्य)
१७४. **दाण्डिनायन-हास्तिनायनाथर्वणिक-जैह्माशिनेय-वाशिनायनि-भ्रौणहत्य-धैवत्यसारवैक्ष्वाक-मैत्रेय-हिरण्मयानि**
१७५. **ऋत्व्य-वास्त्व्य-वास्त्व-माध्वी-हिरण्ययानिच्छन्दसि**

अथ सप्तमोऽध्यायः

प्रथमः पादः

१. **युवोरनाकौ** (अङ्गस्य)
२. **आयनेयीनीयियः फ-ढ-ख-छ-घां प्रत्ययादीनाम्** (अङ्गस्य)
३. **झोऽन्तः** (प्रत्ययस्य, अङ्गस्य)
४. **अदभ्यस्तात्** (झः, प्रत्ययस्य, अङ्गस्य)
५. **आत्मनेपदेष्वनतः** (अत्, झः, प्रत्ययस्य, अङ्गस्य)
६. **शीङो रुट्** (अत्, झः, अङ्गस्य)
७. **वेत्तेर्विभाषा** (रुट्, अत्, झः, अङ्गस्य)
८. **बहुलं छन्दसि** (रुट्, अत्, झः, अङ्गस्य)
९. **अतो भिस ऐस्** (अङ्गस्य)
१०. **बहुलं छन्दसि** (अतो भिस ऐस्, अङ्गस्य)
११. **नेदमदसोरकोः** (भिस ऐस्, अङ्गस्य)
१२. **टा-ङसि-ङसामिनात्स्याः** (अतः, अङ्गस्य)
१३. **ङेर्यः** (अतः, अङ्गस्य)
१४. **सर्वनाम्नः स्मै** (ङेः, अतः, अङ्गस्य)
१५. **ङसि-ङ्योः स्मात्स्मिनौ** (सर्वनाम्नः, अतः, अङ्गस्य)
१६. **पूर्वादिभ्यो नवभ्यो वा** (ङसिङ्योः स्मात्स्मिनौ, सर्वनाम्नः, अतः, अङ्गस्य)
१७. **जसः शी** (सर्वनाम्नः, अतः, अङ्गस्य)
१८. **औङ आपः** (शी, अङ्गस्य)
१९. **नपुंसकाच्च** (औङः, शी, अङ्गस्य)
२०. **जश्शसोः शिः** (नपुंसकात्, अङ्गस्य)
२१. **अष्टाभ्य औश्** (जश्शसोः, अङ्गस्य)
२२. **षड्भ्यो लुक्** (जश्शसोः, अङ्गस्य)
२३. **स्वमोर्नपुंसकात्** (लुक्, अङ्गस्य)
२४. **अतोऽम्** (स्वमोर्नपुंसकात्, अङ्गस्य)
२५. **अद्ड्डतरादिभ्यः पञ्चभ्यः** (स्वमोः, अङ्गस्य)
२६. **नेतराच्छन्दसि** (अद्ड्, स्वमोः, अङ्गस्य)

२७. **युष्मदस्मदभ्यां ङसोऽश्** (अङ्गस्य)
२८. **ङे प्रथमयोरम्** (युष्मदस्मदभ्याम्, अङ्गस्य)
२९. **शसो न** (युष्मदस्मदभ्याम्, अङ्गस्य)
३०. **भ्यसो भ्यम्** (युष्मदस्मदभ्याम्, अङ्गस्य)
३१. **पञ्चम्या अत्** (भ्यसः, युष्मदस्मदभ्याम्, अङ्गस्य)
३२. **एकवचनस्य च** (पञ्चम्या अत्, युष्मदस्मदभ्याम्, अङ्गस्य)
३३. **साम आकम्** (युष्मदस्मदभ्याम्, अङ्गस्य)
३४. **आत औ णलः** (अङ्गस्य)
३५. **तुह्योस्तातङ्ङाशिष्यन्यतरस्याम्** (अङ्गस्य)
३६. **विदेः शतुर्वसुः** (अङ्गस्य)
३७. **समासेऽनञ्पूर्वे क्त्वो ल्यप्**
३८. **क्त्वापि च्छन्दसि** (समासेऽनञ्पूर्वे क्त्वो ल्यप्)
३९. **सुपां सु-लुक्-पूर्वसवर्णाच्छेया-डा-ड्या-याजालः** (छन्दसि)
४०. **अमो मश्** (छन्दसि)
४१. **लोपस्त आत्मनेपदेषु** (छन्दसि)
४२. **ध्वमो ध्वात्** (छन्दसि)
४३. **यजध्वैनमिति च** (छन्दसि)
४४. **तस्य तात्** (छन्दसि)
४५. **तप्तनप्तनथनाश्च** (तस्य, छन्दसि)
४६. **इदन्तो मसि** (छन्दसि)
४७. **क्त्वो यक्** (छन्दसि)
४८. **इष्ट्वीनमिति च** (छन्दसि)
४९. **स्नात्व्यादयश्च** (छन्दसि)
५०. **आज्जसेरसुक्** (छन्दसि, अङ्गस्य)
५१. **अश्व-क्षीर-वृष-लवणानामात्मप्रीतौ क्यचि** (असुक्, अङ्गस्य)
५२. **आमि सर्वनाम्नः सुँट्** (आत्, अङ्गस्य)
५३. **त्रेस्त्रयः** (आमि, अङ्गस्य)
५४. **ह्रस्व-नद्यापो नुट्** (आमि, अङ्गस्य)
५५. **षट्चतुर्भ्यश्च** (नुट्, आमि, अङ्गस्य)
५६. **श्री-ग्रामण्योश्छन्दसि** (नुट्, आमि, अङ्गस्य)

५७. **गोः पादान्ते** (छन्दसि, नुट्, आमि, अङ्गस्य)
५८. **इदितो नुम्धातोः**
५६. **शे मुचादीनाम्** (नुम्, अङ्गस्य)
६०. **मस्जि-नशोर्झलि** (नुम्, अङ्गस्य)
६१. **रधिजभोरचि** (नुम्, अङ्गस्य)
६२. **नेट्यलिटि रधेः** (नुम्, अङ्गस्य)
६३. **रभेरशब्लिटोः** (अचि, नुम्, अङ्गस्य)
६४. **लभेश्च** (अशब्लिटोः, अचि, नुम्, अङ्गस्य)
६५. **आङो यि** (लभेः, नुम्, अङ्गस्य)
६६. **उपात् प्रशंसायाम्** (यि, लभेः, नुम्, अङ्गस्य)
६७. **उपसर्गात् खल्घञोः** (लभेः, नुम्, अङ्गस्य)
६८. **न सुदुर्भ्यां केवलाभ्याम्** (उपसर्गात्खल्घञोः, लभेः, अङ्गस्य)
६६. **विभाषा चिण्णमुलोः** (लभेः, नुम्, अङ्गस्य)
७०. **उगिदचां सर्वनामस्थानेऽधातोः** (नुम्, अङ्गस्य)
७१. **युजेरसमासे** (सर्वनामस्थाने, नुम्, अङ्गस्य)
७२. **नपुंसकस्य झलचः** (सर्वनामस्थाने, नुम्, अङ्गस्य)
७३. **इकोऽचि विभक्तौ** (नपुंसकस्य, नुम्, अङ्गस्य)
७४. **तृतीयादिषु भाषितपुंस्कं पुंवद् गालवस्य** (इकोऽचि विभक्तौ, नपुंसकस्य, नुम्, अङ्गस्य)
७५. **अस्थि-दधि-सक्थ्यक्ष्णामनङुदात्तः** (तृतीयादिषु, अचि विभक्तौ, नपुंसकस्य, अङ्गस्य)
७६. **छन्दस्यपि दृश्यते** (अस्थिदधिसक्थ्यक्ष्णामनङुदात्तः, नपुंसकस्य, अङ्गस्य)
७७. **ई च द्विवचने** (छन्दसि, अस्थिदधिसक्थ्यक्ष्णाम् उदात्तः, नपुंसकस्य, अङ्गस्य)
७८. **नाभ्यस्ताच्छतुः** (नुम्, अङ्गस्य)
७६. **वा नपुंसकस्य** (अभ्यस्ताच्छतुः, नुम्, अङ्गस्य)
८०. **आच्छीनद्योर्नुम्** (वा, नुम्, शतुः, अङ्गस्य)
८१. **शप्श्यनोर्नित्यम्** (शीनद्योः, शतुः, नुम्, अङ्गस्य)
८२. **सावनडुहः** (नुम्, अङ्गस्य)
८३. **दृक्स्ववस्स्वतवसां छन्दसि** (सौ, नुम्, अङ्गस्य)

८४. **दिव औत्** (सौ, अङ्गस्य)
८५. **पथि-मथ्यृभुक्षामात्** (सौ, अङ्गस्य)
८६. **इतोऽत्सर्वनामस्थाने** (पथिमथ्यृभुक्षाम्, अङ्गस्य)
८७. **थो न्थः** (सर्वनामस्थाने, पथिमथोः, अङ्गस्य)
८८. **भस्य टेर्लोपः** (पथिमथ्यृभुक्षाम्, अङ्गस्य)
८९. **पुंसोऽसुङ्** (सर्वनामस्थाने, अङ्गस्य)
९०. **गोतो णित्** (सर्वनामस्थाने, अङ्गस्य)
९१. **णलुत्तमो वा** (णित्)
९२. **सख्युरसम्बुद्धौ** (णित्, सर्वनामस्थाने, अङ्गस्य)
९३. **अनङ् सौ** (सख्युरसंबुद्धौ, अङ्गस्य)
९४. **ऋदुशनस्पुरुदंसोऽनेहसां च** (अनङ् सौ, असम्बुद्धौ, अङ्गस्य)
९५. **तृज्वत् क्रोष्टुः** (सर्वनामस्थाने, असम्बुद्धौ, अङ्गस्य)
९६. **स्त्रियां च** (तृज्वत्क्रोष्टुः, अङ्गस्य)
९७. **विभाषा तृतीयादिष्वचि** (तृज्वत्क्रोष्टुः, अङ्गस्य)
९८. **चतुरनडुहोरामुदात्तः** (सर्वनामस्थाने, अङ्गस्य)
९९. **अम् सम्बुद्धौ** (चतुरनडुहोः, अङ्गस्य)
१००. **ऋत् इद्धातोः** (अङ्गस्य)
१०१. **उपधायाश्च** (ऋत् इद्धातोः, अङ्गस्य)
१०२. **उदोष्ठ्यपूर्वस्य** (ऋतः धातोः, अङ्गस्य)
१०३. **बहुलं छन्दसि** (उत्, ॠतः धातोः, अङ्गस्य)

द्वितीयः पादः

१. **सिचि वृद्धिः परस्मैपदेषु** (अङ्गस्य)
२. **अतो ल्रान्तस्य** (सिचि वृद्धिः परस्मैपदेषु, अङ्गस्य)
३. **वदव्रजहलन्तस्याचः** (सिचि वृद्धिः परस्मैपदेषु, अङ्गस्य)
४. **नेटि** (हलन्तस्य, सिचि वृद्धिः परस्मैपदेषु, अङ्गस्य)
५. **ह्मयन्त-क्षण-श्वस-जागृ-णिश्व्येदिताम्** (नेटि, सिचि वृद्धिः परस्मैपदेषु, अङ्गस्य)
६. **ऊर्णोतेर्विभाषा** (नेटि, सिचि वृद्धिः परस्मैपदेषु, अङ्गस्य)
७. **अतो हलादेर्लघोः** (विभाषा, नेटि, सिचि वृद्धिः परस्मैपदेषु, अङ्गस्य)

८. **नेड् वशि कृति**
९. **ति-तु-त्र-त-थ-सि-सु-सर-कसेषु च** (नेट्, कृति)
१०. **एकाच उपदेशेऽनुदात्तात्** (नेट्)
११. **श्र्युकः किति** (नेट्, अङ्गस्य)
१२. **सनि ग्रहगुहोश्च** (उकः, नेट्, अङ्गस्य)
१३. **कृ-सृ-भृ-वृ-स्तु-द्रु-स्रु-श्रुवो लिटि** (नेट्, अङ्गस्य)
१४. **श्वीदितो निष्ठायाम्** (नेट्, अङ्गस्य)
१५. **यस्य विभाषा** (निष्ठायाम्, नेटि, अङ्गस्य)
१६. **आदितश्च** (निष्ठायाम्, नेटि, अङ्गस्य)
१७. **विभाषा भावादिकर्मणोः** (आदितः, निष्ठायाम्, नेटि, अङ्गस्य)
१८. **क्षुब्ध-स्वान्त-ध्वान्त-लग्न-म्लिष्ट-विरिब्ध-फाण्ट-बाढानि मन्थ-मन-स्तमः सक्ताविस्पष्टस्वरा- नायासभृशेषु** (निष्ठायाम्, नेटि, अङ्गस्य)
१९. **धृषिशसी वैयात्ये** (निष्ठायाम्, नेटि, अङ्गस्य)
२०. **दृढः स्थूलबलयोः** (निष्ठायाम्, नेटि, अङ्गस्य)
२१. **प्रभौ परिवृढः** (निष्ठायाम्, नेटि, अङ्गस्य)
२२. **कृच्छ्र-गहनयोः कषः** (निष्ठायाम्, नेट्, अङ्गस्य)
२३. **घुषिरविशब्दने** (निष्ठायाम्, नेट्, अङ्गस्य)
२४. **अर्देः संनिविभ्यः** (निष्ठायाम्, नेट्, अङ्गस्य)
२५. **अभेश्चाविदूर्ये** (अर्देः, निष्ठायाम्, नेट्, अङ्गस्य)
२६. **णेरध्ययने वृत्तम्** (निष्ठायाम्, नेट्, अङ्गस्य)
२७. **वा दान्त-शान्त-पूर्ण-दस्त-स्पष्ट-च्छन्न-ज्ञप्ताः** (णेः, निष्ठायाम्, नेट्, अङ्गस्य)
२८. **रुष्यम-त्वर-संघुषास्वनाम्** (वा, निष्ठायाम्, नेट्, अङ्गस्य)
२९. **हृषेर्लोमसु** (वा, निष्ठायाम्, नेट्, अङ्गस्य)
३०. **अपचितश्च** (वा, निष्ठायाम्, नेट्, अङ्गस्य)
३१. **ह्रु ह्वरेश्छनदसि** (निष्ठायाम्, अङ्गस्य)
३२. **अपरिह्वृताश्च** (छन्दसि, निष्ठायाम्, अङ्गस्य)
३३. **सोमे ह्वरितः** (छन्दसि, निष्ठायाम्, अङ्गस्य)
३४. **ग्रसित-स्कभित-स्तभितोत्तभित-चत्त-विकस्ता विशस्तृ-शंस्तृ-शास्तृ-**

तरुतृ-तरूतृ-वरुतृ-वरूतृ-वरूत्री-रुज्ज्वलिति-क्षरिति-क्षमितिवमित्यमितीति च (छन्दसि, निष्ठायाम्, नेट्, अङ्गस्य)

३५. **आर्धधातुकस्येड् वलादेः**

३६. **स्नु-क्रमोरनात्मनेपदनिमित्ते** (आर्धधातुकस्येड्वलादेः, अङ्गस्य)

३७. **ग्रहोऽलिटि दीर्घः** (आर्धधातुकस्येड्वलादेः, अङ्गस्य)

३८. **वृतो वा** (अलिटि दीर्घः, आर्धधातुकस्येड्वलादेः, अङ्गस्य)

३९. **न लिङि** (वृतः, दीर्घः, इट्, अङ्गस्य)

४०. **सिचि च परस्मैपदेषु** (न, वृतः, दीर्घः, इट्, अङ्गस्य)

४१. **इट् सनि वा** (वृतः, अङ्गस्य)

४२. **लिङ् सिचोरात्मनेपदेषु** (वा, वृतः, इट्, अङ्गस्य)

४३. **ऋतश्च संयोगादेः** (लिङ्सिचोरात्मनेपदेषु, वा, इट्, अङ्गस्य)

४४. **स्वरतिसूतिसूयतिधूञूदितो वा** (आर्धधातुकस्येड्वलादेः, अङ्गस्य)

४५. **रधादिभ्यश्च** (वा, आर्धधातुकस्येड्वलादेः, अङ्गस्य)

४६. **निरः कुषः** (वा, आर्धधातुकस्येड्वलादेः, अङ्गस्य)

४७. **इण्निष्ठायाम्** (निरः कुषः, अङ्गस्य)

४८. **तीष-सह-लुभ-रुष-रिषः** (वा, आर्धधातुकस्येड्, अङ्गस्य)

४९. **सनीवन्तर्ध-भ्रस्ज-दम्भु-श्रि-स्वृ-यूर्णु-भर-ज्ञपि-सनाम्** (वा, इट्, अङ्गस्य)

५०. **क्लिशः क्त्वा-निष्ठयोः** (वा, इट्, अङ्गस्य)

५१. **पूङश्च** (क्त्वानिष्ठयोः, वा, इट्, अङ्गस्य)

५२. **वसति-क्षुधोरिट्** (क्त्वानिष्ठयोः, इट्, अङ्गस्य)

५३. **अञ्चेः पूजायाम्** (क्त्वानिष्ठयोः, इट्, अङ्गस्य)

५४. **लुभो विमोहने** (क्त्वानिष्ठयोः, इट्, अङ्गस्य)

५५. **जॄ-व्रश्च्योः क्त्वि** (इट्, अङ्गस्य)

५६. **उदितो वा** (क्त्वि, इट्, अङ्गस्य)

५७. **सेऽसिचि कृत-चृत-च्छृद-तृद-नृतः** (वा, आर्धधातुकस्येड्, अङ्गस्य)

५८. **गमेरिट् परस्मैपदेषु** (से, आर्धधातुकस्य, अङ्गस्य)

५९. **न वृद्भ्यश्चतुर्भ्यः** (परस्मैपदेषु, से, आर्धधातुकस्येड्, अङ्गस्य)

६०. **तासि च क्लृपः** (न, से, आर्धधातुकस्येड्, परस्मैपदेषु, अङ्गस्य)

६१. **अचस्तास्वत् थल्यनिटो नित्यम्** (न, इट्, अङ्गस्य, उपदेशे)

६२. **उपदेशेऽत्वतः** (तास्वत् थल्यनिटो नित्यम्, न, इट्, अङ्गस्य)
६३. **ऋतो भारद्वाजस्य** (तास्वत् थल्यनिटो नित्यम्, न, इट्, अङ्गस्य)
६४. **बभूथाततन्थ-जगृभ्म-ववर्थेति निगमे** (थलि, न, इट्)
६५. **विभाषा सृजि-दृशोः** (थलि, न, इट्, अङ्गस्य)
६६. **इडत्त्यर्ति-व्ययतीनाम्** (थलि, अङ्गस्य)
६७. **वस्वेकाजाद्घसाम्** (इट्, अङ्गस्य)
६८. **विभाषा गम-हन-विद-विशाम्** (वसु, इट्, अङ्गस्य)
६९. **सनिं-ससनिवांसम्** (वसु, इट्, अङ्गस्य)
७०. **ऋद्धनोः स्ये** (इट्, अङ्गस्य)
७१. **अञ्जेः सिचि** (इट्, अङ्गस्य)
७२. **स्तु-सु-धू-ञ्भ्यः परस्मैपदेषु** (सिचि, इट्, अङ्गस्य)
७३. **यम-रम-नमातां सक्च** (परस्मैपदेषु, सिचि, इट्, अङ्गस्य)
७४. **स्मिपूङ्रञ्ज्वशां सनि** (इट्, अङ्गस्य)
७५. **किरश्च पञ्चभ्यः** (सनि, इट्, अङ्गस्य)
७६. **रुदादिभ्यः सार्वधातुके** (पञ्चभ्यः, वलादेः, इट्, अङ्गस्य)
७७. **ईशः से** (सार्वधातुके, इट्, अङ्गस्य)
७८. **ईडजनोर्ध्वे च** (से, सार्वधातुकस्य, इट्, अङ्गस्य)
७९. **लिङः सलोपोऽनन्त्यस्य** (सार्वधातुके, अङ्गस्य)
८०. **अतो येयः** (सार्वधातुके, अङ्गस्य)
८१. **आतो ङितः** (अतः इयः, सार्वधातुके, अङ्गस्य)
८२. **आने मुक्** (अतः अङ्गस्य)
८३. **ईदासः** (अङ्गस्य)
८४. **अष्टन आ विभक्तौ** (अङ्गस्य)
८५. **रायो हलि** (आः विभक्तौ, अङ्गस्य)
८६. **युष्मदस्मदोरनादेशे** (आः विभक्तौ, अङ्गस्य)
८७. **द्वितीयायां च** (युष्मदस्मदोः, आः विभक्तौ, अङ्गस्य)
८८. **प्रथमायाश्च द्विवचने भाषायाम्** (युष्मदस्मदोः, आः, विभक्तौ, अङ्गस्य)
८९. **योऽचि** (युष्मदस्मदोरनादेशे, विभक्तौ, अङ्गस्य)
९०. **शेषे लोपः** (युष्मदस्मदोः, विभक्तौ, अङ्गस्य)

९१. **मपर्यन्तस्य**
९२. **युवावौ द्विवचने** (मपर्यन्तस्य, युष्मदस्मदोः, विभक्तौ, अङ्गस्य)
९३. **यूय-वयौ जसि** (मपर्यन्तस्य, युष्मदस्मदोः, विभक्तौ, अङ्गस्य)
९४. **त्वाहौ सौ** (मपर्यन्तस्य, युष्मदस्मदोः, विभक्तौ, अङ्गस्य)
९५. **तुभ्य-मह्यौ ङयि** (मपर्यन्तस्य, युष्मदस्मदोः, विभक्तौ, अङ्गस्य)
९६. **तव-ममौ ङसि** (मपर्यन्तस्य, युष्मदस्मदोः, विभक्तौ, अङ्गस्य)
९७. **त्व-मावेकवचने** (मपर्यन्तस्य, युष्मदस्मदोः, विभक्तौ, अङ्गस्य)
९८. **प्रत्ययोत्तरपदयोश्च** (त्वमावेकवचने, मपर्यन्तस्य, युष्मदस्मदोः, विभक्तौ, अङ्गस्य)
९९. **त्रि-चतुरोः स्त्रियां तिसृचतसृ** (विभक्तौ, अङ्गस्य)
१००. **अचि र ऋतः** (तिसृचतसृ, विभक्तौ, अङ्गस्य)
१०१. **जराया जरसन्यतरस्याम्** (अचि, विभक्तौ, अङ्गस्य)
१०२. **त्यदादीनामः** (विभक्तौ, अङ्गस्य)
१०३. **किमः कः** (विभक्तौ, अङ्गस्य)
१०४. **कु तिहोः** (किमः, विभक्तौ, अङ्गस्य)
१०५. **क्वाति** (किमः, विभक्तौ, अङ्गस्य)
१०६. **तदोः सः सावनन्त्ययोः** (विभक्तौ, अङ्गस्य, त्यदादीनाम्)
१०७. **अदस औ सुलोपश्च** (सौ, विभक्तौ, अङ्गस्य)
१०८. **इदमो मः** (सौ, विभक्तौ, अङ्गस्य)
१०९. **दश्च** (इदमो मः, विभक्तौ, अङ्गस्य)
११०. **यः सौ** (दः, इदमः, विभक्तौ, अङ्गस्य)
१११. **इदोऽय् पुंसि** (सौ, इदमः, विभक्तौ, अङ्गस्य)
११२. **अनाप्यकः** (इदः, इदमः, विभक्तौ, अङ्गस्य)
११३. **हलि लोपः** (अकः, इदः, इदमः, विभक्तौ, अङ्गस्य)
११४. **मृजेर्वृद्धिः** (अङ्गस्य)
११५. **अचो ञ्णिति** (वृद्धिः, अङ्गस्य)
११६. **अत उपाधायाः** (ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)
११७. **तद्धितेष्वचामादेः** (अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)
११८. **किति च** (तद्धितेष्वचामादेः, अचः, वृद्धिः, अङ्गस्य)

तृतीयः पादः

१. **देविकाशिंशपादित्यवाड्दीर्घसत्रश्रेयसामात्** (किति, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

२. **केकय-मित्रयु-प्रलयानां यादेरियः** (किति, तद्धितेषु, ञ्णिति, अङ्गस्य)

३. **न य्वाभ्यां पदान्ताभ्यां पूर्वौ तु ताभ्यामैच्** (किति, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

४. **द्वारादीनां च** (न य्वाभ्यां पूर्वौ तु ताभ्यामैच्, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

५. **न्यग्रोधस्य च केवलस्य** (न य्वाभ्यां पूर्वौ तु ताभ्यामैच्, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

६. **न कर्मव्यतिहारे** (अङ्गस्य)

७. **स्वागतादीनां च** (न, अङ्गस्य)

८. **श्वादेरिञि** (न, अङ्गस्य)

९. **पदान्तस्यान्यतरस्याम्** (न, श्वादेः, अङ्गस्य)

१०. **उत्तरपदस्य**

११. **अवयवादृतोः** (उत्तरपदस्य, किति, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

१२. **सुसर्वार्द्धाज्जनपदस्य** (उत्तरपदस्य, किति, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

१३. **दिशोऽमद्राणाम्** (जनपदस्य, उत्तरपदस्य, किति, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

१४. **प्राचां ग्राम-नगराणाम्** (दिशः, उत्तरपदस्य, किति, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

१५. **संख्यायाः संवत्सर-संख्यस्य च** (उत्तरपदस्य, किति, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

१६. **वर्षस्याभविष्यति** (संख्यायाः, उत्तरपदस्य, किति, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

१७. **परिमाणान्तस्यासंज्ञाशाणयोः** (संख्यायाः, उत्तरपदस्य, किति, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

१८. **जे प्रोष्ठपदानाम्** (उत्तरपदस्य, किति, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति,

वृद्धिः, अङ्गस्य)

१९. **हृद्भग-सिन्ध्वन्ते पूर्वपदस्य च** (उत्तरपदस्य, किति, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

२०. **अनुशतिकादीनां च** (पूर्वपदस्य, उत्तरपदस्य, किति, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

२१. **देवताद्वन्द्वे च** (पूर्वपदस्य, उत्तरपदस्य, किति, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

२२. **नेन्द्रस्य परस्य** (देवताद्वन्द्वे, किति, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

२३. **दीर्घाच्च वरुणस्य** (७/३/२३) (न, देवताद्वन्द्वे, किति, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

२४. **प्राचां नगरान्ते** (पूर्वपदस्य, उत्तरपदस्य, किति, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

२५. **जङ्गल-धेनु-वलजान्तस्य विभाषितमुत्तरम्** (पूर्वपदस्य, उत्तरपदस्य, किति, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

२६. **अर्धात्परिमाणस्य पूर्वस्य तु वा** (उत्तरपदस्य, किति, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

२७. **नातः परस्य** (अर्धात्परिमाणस्य पूर्वस्य तु वा, उत्तरपदस्य, किति, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

२८. **प्रवाहणस्य ढे** (पूर्वस्य तु वा, उत्तरपदस्य, तद्धितेष्वचामादेः, अचः वृद्धिः, अङ्गस्य)

२९. **तत्प्रत्ययस्य च** (प्रवाहणस्य, पूर्वस्य तु वा, उत्तरपदस्य, किति, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

३०. **नञः शुचीश्वर-क्षेत्रज्ञ-कुशल-निपुणानाम्** (पूर्वस्य तु वा, उत्तरपदस्य, किति, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

३१. **यथातथ-यथापुरयोः पर्यायेण** (नञः, पूर्वस्य, उत्तरपदस्य, किति, तद्धितेष्वचामादेः, अचो ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

३२. **हनस्तोऽचिण्णलोः** (ञ्णिति, अङ्गस्य)

३३. **आतो युक्चिण्कृतोः** (ञ्णिति, अङ्गस्य)

३४. **नोदात्तोपदेशस्य मान्तस्यानाचमेः** (चण्कृतोः, ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)

३५. **जनि-वध्योश्च** (न, चण्कृतोः, ञ्णिति, वृद्धिः, अङ्गस्य)
३६. **अर्ति-ह्री-व्ली-री-क्नूयी-क्ष्माय्यातां पुग्णौ** (अङ्गस्य)
३७. **शा-च्छा-सा-ह्वा-व्या-वे-पां युक्** (णौ, अङ्गस्य)
३८. **वो विधूनने जुक्** (णौ, अङ्गस्य)
३९. **ली-लोर्नुग्लुकावन्यतरस्यां स्नेहनिपातने** (णौ, अङ्गस्य)
४०. **भियो हेतुभये षुक्** (णौ, अङ्गस्य)
४१. **स्फायो वः** (णौ, अङ्गस्य)
४२. **शदेरगतौ तः** (णौ, अङ्गस्य)
४३. **रुहः पोऽन्यतरस्याम्** (णौ, अङ्गस्य)
४४. **प्रत्ययस्थात्कात्पूर्वस्यात इदाप्यसुपः**
४५. **न यासयोः** (प्रत्ययस्थात् कात् पूर्वस्यात इदाप्यसुपः)
४६. **उदीचामातः स्थाने यकपूर्वायाः** (न, प्रत्ययस्थात् कात् पूर्वस्यात इदाप्यसुपः)
४७. **भस्त्रैषा-जा-ज्ञा-द्वा-स्वा नञ्पूर्वाणामपि** (न, उदीचाम् आतः स्थाने, प्रत्ययस्थात् कात् पूर्वस्यात इदाप्यसुपः)
४८. **अभाषितपुंस्काच्च** (न, नञ्पूर्वाणामपि, उदीचाम् आतः स्थाने, प्रत्ययस्थात् इदापि)
४९. **आदाचार्याणाम्** (अभाषितपुंस्कात्, नञ्पूर्वाणामपि, आतः स्थाने, प्रत्ययस्थात् कात् पूर्वस्यात आपि)
५०. **ठस्येकः** (अङ्गस्य)
५१. **इसुसुक्तान्तात्कः** (ठस्य, अङ्गस्य)
५२. **चजोः कु घिण्ण्यतोः**
५३. **न्यङ्क्वादीनां च** (चजोः कु)
५४. **हो हन्तेर्ञ्णिन्नेषु** (कु, अङ्गस्य)
५५. **अभ्यासाच्च** (हो हन्तेः, कु, अङ्गस्य)
५६. **हेरचङि** (अभ्यासात्, हः, कु, अङ्गस्य)
५७. **सन्लिटोर्जेः** (अभ्यासात्, कु, अङ्गस्य)
५८. **विभाषा चेः** (सन्लिटोः, अभ्यासात्, कु, अङ्गस्य)
५९. **न क्वादेः** (चजोः कु, अङ्गस्य)
६०. **अजिव्रज्योश्च** (न, चजोः कु, अङ्गस्य)

६१. **भुज-न्युब्जौ पाण्युपतापयोः** (न, चजोः कु, अङ्गस्य)
६२. **प्रयाजानुयाजौ यज्ञाङ्गे** (न, चजोः कु, अङ्गस्य)
६३. **वञ्चेर्गतौ** (न, चजोः कु, अङ्गस्य)
६४. **ओक उचः के** (चजोः कु)
६५. **ण्य आवश्यके** (न, चजोः कु, अङ्गस्य)
६६. **यज-याच-रुच-प्रवचर्चश्च** (ण्ये, न, चजोः कु, अङ्गस्य)
६७. **वचोऽशब्दसंज्ञायाम्** (ण्ये, न, चजोः कु, अङ्गस्य)
६८. **प्रयोज्य-नियोज्यौ शक्यार्थे** (ण्ये, न, चजोः कु, अङ्गस्य)
६९. **भोज्यं भक्ष्ये** (ण्ये, न, चजोः कु, अङ्गस्य)
७०. **घोर्लोपो लेटि वा** (अङ्गस्य)
७१. **ओतः श्यनि** (लोपः, अङ्गस्य)
७२. **क्सस्याचि** (लोपः, अङ्गस्य)
७३. **लुग्वा दुह-दिह-लिह-गुहामात्मनेपदे दन्त्ये** (क्सस्य, अङ्गस्य)
७४. **शमामष्टानां दीर्घः श्यनि** (अङ्गस्य)
७५. **ष्ठिवुक्लमुचमां शिति** (दीर्घः, अङ्गस्य)
७६. **क्रमः परस्मैपदेषु** (शिति, दीर्घः, अङ्गस्य)
७७. **इषुगमियमां छः** (शिति, अङ्गस्य)
७८. **पा-घ्रा-ध्मा-स्था-म्ना-दाण्दृ-श्यर्ति-सर्ति-शद-सदां पिब-जिघ्र-धम-तिष्ठ-मन-यच्छ-पश्यर्च्छ- धौशीयसीदाः** (शिति, अङ्गस्य)
७९. **ज्ञाजनोर्जा** (शिति, अङ्गस्य)
८०. **प्वादीनां ह्रस्वः** (शिति, अङ्गस्य)
८१. **मीनातेर्निगमे** (ह्रस्वः, शिति, अङ्गस्य)
८२. **मिदेर्गुणः** (शिति, अङ्गस्य)
८३. **जुसि च** (गुणः, अङ्गस्य)
८४. **सार्वधातुकार्धधातुकयोः** (गुणः, अङ्गस्य)
८५. **जाग्रोऽविचिण्णल्ङित्सु** (सार्वधातुकार्धधातुकयोः, गुणः, अङ्गस्य)
८६. **पुगन्त-लघूपधस्य च** (सार्वधातुकार्धधातुकयोः, गुणः, अङ्गस्य)
८७. **नाभ्यस्तस्याचि पिति सार्वधातुके** (लघूपधस्य, गुणः, अङ्गस्य)
८८. **भूसुवोस्तिङि** (न पिति सार्वधातुके, गुणः, अङ्गस्य)
८९. **उतो वृद्धिर्लुकि हलि** (पिति सार्वधातुके, अङ्गस्य)

९०. **ऊर्णोतेर्विभाषा** (वृद्धिः हलि, पिति सार्वधातुके, अङ्गस्य)
९१. **गुणोऽपृक्ते** (ऊर्णोतेः, हलि, पिति सार्वधातुके, अङ्गस्य)
९२. **तृणह इम्** (हलि, पिति सार्वधातुके, अङ्गस्य)
९३. **ब्रुव ईट्** (हलि, पिति सार्वधातुके, अङ्गस्य)
९४. **यङो वा** (ईट्, हलि, पिति सार्वधातुके)
९५. **तु-रु-स्तु-शम्यमः सार्वधातुके** (वा, ईट्, हलि, अङ्गस्य)
९६. **अस्तिसिचोऽपृक्ते** (ईट्, हलि, सार्वधातुके, अङ्गस्य)
९७. **बहुलं छन्दसि** (अस्तिसिचोऽपृक्ते, ईट्, हलि, सार्वधातुके, अङ्गस्य)
९८. **रुदश्च पञ्चभ्यः** (अपृक्ते, हलि, सार्वधातुके, अङ्गस्य)
९९. **अड् गार्ग्य-गालवयोः** (रुदः पञ्चभ्यः, अपृक्ते, हलि, सार्वधातुके, अङ्गस्य)
१००. **अदः सर्वेषाम्** (अट्, अपृक्ते, हलि, सार्वधातुके, अङ्गस्य)
१०१. **अतो दीर्घो यञि** (सार्वधातुके, अङ्गस्य)
१०२. **सुपि च** (सार्वधातुके, अङ्गस्य)
१०३. **बहुवचने झल्येत्** (सुपि, अतः, अङ्गस्य)
१०. **ओसि च** (एत्, अतः, अङ्गस्य)
१०५. **आङि चापः** (ओसि, एत्, अङ्गस्य)
१०६. **सम्बुद्धौ च** (आपः, एत्, अङ्गस्य)
१०७. **अम्बार्थ-नद्योर्ह्रस्वः** (संबुद्धौ, अङ्गस्य)
१०८. **ह्रस्वस्य गुणः** (संबुद्धौ, अङ्गस्य)
१०९. **जसि च** (ह्रस्वस्य गुणः, अङ्गस्य)
११०. **ऋतो ङि-सर्वनामस्थानयोः** (गुणः, अङ्गस्य)
१११. **घेर्ङिति** (गुणः, अङ्गस्य, सुपि)
११२. **आण्नद्याः** (ङिति, अङ्गस्य)
११३. **याडापः** (ङिति, अङ्गस्य)
११४. **सर्वनाम्नः स्याड्ढ्रस्वश्च** (आपः, ङिति, अङ्गस्य)
११५. **विभाषा द्वितीया-तृतीयाभ्याम्** (स्याड् ह्रस्वश्च, ङिति, अङ्गस्य)
११६. **ङेराम्नद्याम्नीभ्यः** (अङ्गस्य)
११७. **इदुद्भ्याम्** (नद्याः, ङेराम्)
११८. **औदच्च घेः** (इदुद्भ्याम्, ङेः, अङ्गस्य)
११९. **आङो नाऽस्त्रियाम्** (घेः, अङ्गस्य)

चतुर्थः पादः

१. **णौ चङ्युपधाया ह्रस्वः** (अङ्गस्य)
२. **नाग्लोपिशास्वृदिताम्** (णौ चङ्युपधाया ह्रस्वः, अङ्गस्य)
३. **भ्राज-भास-भाष-दीप-जीव-मील-पीडामन्यतरस्याम्** (णौ चङ्युपधाया ह्रस्वः, अङ्गस्य)
४. **लोपः पिबतेरीच्चाभ्यासस्य** (णौ चङ्युपधायाः, अङ्गस्य)
५. **तिष्ठतेरित्** (णौ चङ्युपधायाः, अङ्गस्य)
६. **जिघ्रतेर्वा** (इत्, णौ चङ्युपधायाः, अङ्गस्य)
७. **उर्ऋत्** (वा, णौ चङ्युपधायाः, अङ्गस्य)
८. **नित्यं छन्दसि** (उर्ऋत्, णौ चङ्युपधायाः, अङ्गस्य)
९. **दयतेर्दिगि लिटि** (अङ्गस्य)
१०. **ऋतश्च संयोगादेर्गुणः** (लिटि, अङ्गस्य)
११. **ऋच्छत्यॄताम्** (गुणः, लिटि, अङ्गस्य)
१२. **शॄ-दॄ-प्रां ह्रस्वो वा** (लिटि, अङ्गस्य)
१३. **केऽणः** (ह्रस्वः, अङ्गस्य)
१४. **न कपि** (अणः, ह्रस्वः, अङ्गस्य)
१५. **आपोऽन्यतरस्याम्** (न कपि, ह्रस्वः, अङ्गस्य)
१६. **ऋ-दृशोऽङि गुणः** (अङ्गस्य)
१७. **अस्यतेस्थुक्** (अङि, अङ्गस्य)
१८. **श्वयतेरः** (अङि, अङ्गस्य)
१९. **पतः पुम्** (अङि, अङ्गस्य)
२०. **वच उम्** (अङि, अङ्गस्य)
२१. **शीङः सार्वधातुके गुणः** (अङ्गस्य)
२२. **अयङ्यि क्ङिति** (शीङः, अङ्गस्य)
२३. **उपसर्गाद् ध्रस्व ऊहतेः** (यि क्ङिति, अङ्गस्य)
२४. **एतेर्लिङि** (उपसर्गाद्ध्रस्वः, यि क्ङिति, अङ्गस्य)
२५. **अकृत्सार्वधातुकयोर्दीर्घः** (यि क्ङिति, अङ्गस्य)
२६. **च्वौ च** (दीर्घः, अङ्गस्य)
२७. **रीङ् ऋतः** (च्वौ, अकृत्सार्वधातुकयोः, यि, अङ्गस्य)

२८. **रिङ्-श-यग्लिङ्क्षु** (ऋतः, असार्वधातुके, यि, अङ्गस्य)
२९. **गुणोऽर्त्तिसंयोगाद्योः** (यकि, लिङि, ऋतः, असार्वधातुकस्य, यि, अङ्गस्य)
३०. **यङि च** (गुणोऽर्त्तिसंयोगाद्योः, ऋतः, अङ्गस्य)
३१. **ई घ्रा-ध्मोः** (यङि, अङ्गस्य)
३२. **अस्य च्वौ** (ई, अङ्गस्य)
३३. **क्यचि च** (अस्य, ई, अङ्गस्य)
३४. **अशनायोदन्यधनाया बुभुक्षापिपासा-गर्धेषु** (क्यचि, अङ्गस्य)
३५. **न च्छन्दस्यपुत्रस्य** (क्यचि, अस्य, अङ्गस्य)
३६. **दुरस्युर्द्रविणस्युर्वृषण्यतिरिषण्यति** (छन्दसि, क्यचि, अङ्गस्य)
३७. **अश्वाघस्यात्** (छन्दसि, क्यचि, अङ्गस्य)
३८. **देव-सुम्नयोर्यजुषि काठके** (आत्, छन्दसि, क्यचि, अङ्गस्य)
३९. **कव्यध्वर-पृतनस्यर्चि लोपः** (छन्दसि, क्यचि, अङ्गस्य)
४०. **द्यति-स्यति-मा-स्था-मित्ति किति** (अङ्गस्य)
४१. **शाच्छोरन्यतरस्याम्** (इत्, ति, किति, अङ्गस्य)
४२. **दधातेर्हिः** (ति किति, अङ्गस्य)
४३. **जहातेश्च क्त्वि** (हिः, अङ्गस्य)
४४. **विभाषा छन्दसि** (जहातेः, क्त्वि, हिः, अङ्गस्य)
४५. **सुधित-वसुधित-नेमधित-धिष्व-धिषीय च** (छन्दसि, अङ्गस्य)
४६. **दो दद् घोः** (ति, किति, अङ्गस्य)
४७. **अच उपसर्गात्तः** (दः, घोः, ति किति, अङ्गस्य)
४८. **अपो भि** (तः, अङ्गस्य)
४९. **सः स्यार्धधातुके** (तः, अङ्गस्य)
५०. **तासस्त्योर्लोपः** (सः, सि, अङ्गस्य)
५१. **रि च** (तासस्त्योर्लोपः, सः, अङ्गस्य)
५२. **ह एति** (तासस्त्योर्लोपः, सः, अङ्गस्य)
५३. **यीवर्णयोर्दीधीवेव्योः** (लोपः, अङ्गस्य)
५४. **सनि मी-मा-घु-रभ-लभ-शक-पत-पदामच इस्** (सि, अङ्गस्य)
५५. **आप्ज्ञप्यृधामीत्** (अचः, सनि, सः, अङ्गस्य)
५६. **दम्भ इच्च** (ईत्, अचः, सनि, सः, अङ्गस्य)

५७. **मुचोऽकर्मकस्य गुणो वा** (सनि, सः, अङ्गस्य)
५८. **अत्र लोपोऽभ्यासस्य** (अङ्गस्य)
५९. **ह्रस्वः** (अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
६०. **हलादिः शेषः** (अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
६१. **शपूर्वाः खयः** (शेषः, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
६२. **कुहोश्चुः** (अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
६३. **न कवतेर्यङि** (चुः, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
६४. **कृषेश्छन्दसि** (न यङि, चुः, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
६५. **दाधर्त्ति-दर्धर्त्ति-दर्धर्षि-बोभूतु-तेतिक्तेऽलर्ष्यापनीफणत्संसनिष्यदत्-करिक्रत्-कनिक्रदद्-भरिभ्रद्-विध्वतोदविद्युतत्-तरित्रतः-सरी सृपतंवरीवृजन्मर्मृज्याग-नीगन्तीति च** (छन्दसि, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
६६. **उरत्** (अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
६७. **द्युति-स्वाप्योः सम्प्रसारणम्** (अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
६८. **व्यथो लिटि** (सम्प्रसारणम्, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
६९. **दीर्घ इणः किति** (लिटि, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
७०. **अत आदेः** (दीर्घः, लिटि, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
७१. **तस्मान्नुड् द्विहलः** (लिटि, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
७२. **अश्नोतेश्च** (लिटि, तस्मान्नुट्, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
७३. **भवतेरः** (लिटि, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
७४. **ससूवेति निगमे** (अः, लिटि, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
७५. **निजां त्रयाणां गुणः श्लौ** (अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
७६. **भृञामित्** (त्रयाणां श्लौ, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
७७. **अर्तिपिपर्त्योश्च** (इत् श्लौ, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
७८. **बहुलं छन्दसि** (इत् श्लौ, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
७९. **सन्यतः** (इत्, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
८०. **ओः पुयण्ज्यपरे** (सनि, इत्, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
८१. **स्रवति-शृणोति-द्रवति-प्रवति-प्लवति-च्यवतीनां वा** (ओः पुयण्ज्यपरे, सनि, इत्, अभ्यासस्य)
८२. **गुणो यङ्लुकोः** (अभ्यासस्य, अङ्गस्य)

८३. **दीर्घोऽकितः** (यङ्लुकोः, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
८४. **नीग्वञ्चु-स्रंसु-ध्वंसु-भ्रंसु-कस-पत-पद-स्कन्दाम्** (यङ्लुकोः, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
८५. **नुगतोऽनुनासिकान्तस्य** (यङ्लुकोः, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
८६. **जप-जभ-दह-दश-भञ्ज-पशां च** (नुक्, यङ्लुकोः, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
८७. **चरफलोश्च** (नुक्, यङ्लुकोः, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
८८. **उत्परस्यातः** (चरफलोः, यङ्लुकोः, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
८९. **ति च** (उत्, अतः, चरफलोः, अङ्गस्य)
९०. **रीगृदुपधस्य च** (यङ्लुकोः, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
९१. **रुग्रिकौ च लुकि** (रीक्, ऋदुपधस्य, अङ्गस्य)
९२. **ऋतश्च** (रुग्रिकौ लुकि, रीक्, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
९३. **सन्वल्लघुनि चङ्परेऽनग्लोपे** (अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
९४. **दीर्घो लघोः** (लघुनि चङ्परेऽनग्लोपे, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
९५. **अत्स्मृ-दृ-त्वर-प्रथ-म्रद-स्तॄ-स्पशाम्** (चङ्परे, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
९६. **विभाषा वेष्टि-चेष्ट्योः** (अत्, चङ्परे, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)
९७. **ई च गणः** (अत्, चङ्परे, अभ्यासस्य, अङ्गस्य)

नित्याः शब्दार्थसम्बन्धास्तत्राम्नाता महर्षिभिः।
सूत्राणां सानुतन्त्राणां भाष्याणां च प्रणेतृभिः।।

न चागमादृते धर्मस्तर्केण व्यवतिष्ठते।
ऋषीणामपि यज्ज्ञानं तदप्यागमपूर्वकम्।।

अरणिस्थं यथा ज्योतिः प्रकाशान्तरकारणम्।
तद्वच्छब्दोऽपि बुद्धिस्थः श्रुतीनां कारणं पृथक्।।

पावका नः सरस्वती वाजेभिर्वाजिनीवति।
यज्ञं वष्टु धियावसुः।।

अथ अष्टमोऽध्यायः

प्रथमः पादः

१. **सर्वस्य द्वे**
२. **तस्य परमाम्रेडितम्**
३. **अनुदात्तं च** (आम्रेडितम्)
४. **नित्यवीप्सयोः** (सर्वस्य द्वे)
५. **परेर्वर्जने** (सर्वस्य द्वे)
६. **प्रसमुपोदः पादपूरणे** (सर्वस्य द्वे)
७. **उपर्यध्यधसः सामीप्ये** (सर्वस्य द्वे)
८. **वाक्यादेरामन्त्रितस्यासूयाऽसम्मति-कोप-कुत्सन-भर्त्सनेषु** (८/१/८) (सर्वस्य द्वे)
९. **एकं बहुव्रीहिवत्**
१०. **आबाधे च** (बहुव्रीहिवत्, सर्वस्य द्वे)
११. **कर्मधारयवदुत्तरेषु**
१२. **प्रकारे गुणवचनस्य** (कर्मधारयवत्, सर्वस्य द्वे)
१३. **अकृच्छ्रे प्रिय-सुखयोरन्यतरस्याम्** (कर्मधारयवत्, सर्वस्य द्वे)
१४. **यथास्वे यथायथम्** (कर्मधारयवत्, सर्वस्य द्वे)
१५. **द्वन्द्वं रहस्य-मर्यादावचनव्युत्क्रमण-यज्ञपात्रप्रयोगाभिव्यक्तिषु** (कर्मधारयवत्, सर्वस्य द्वे)
१६. **पदस्य**
१७. **पदात्** (पदस्य)
१८. **अनुदात्तं सर्वमपादादौ**
१९. **आमन्त्रितस्य च** (अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)
२०. **युष्मदस्मदोः षष्ठी-चतुर्थी-द्वितीयास्थयोर्वांनावौ** (अनुदात्तं सर्वमपादादौ,पदात्, पदस्य)
२१. **बहुवचनस्य वस्नसौ** (युष्मदस्मदोः षष्ठीचतुर्थीद्वितीयास्थयोः, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)
२२. **ते-मयावेकवचनस्य** (युष्मदस्मदोः षष्ठीचतुर्थीस्थयोः, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

२३. **त्वा-मौ द्वितीयायाः** (एकवचनस्य, युष्मदस्मदोः अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

२४. **न चवाहाहैवयुक्ते** (युष्मदस्मदोः षष्ठीचतुर्थीद्वितीयास्थयोः, पदात, पदस्य्)

२५. **पश्यार्थैश्चानालोचने** (न, युष्मदस्मदोः षष्ठीचतुर्थीद्वितीयास्थयोः, पदात्, पदस्य)

२६. **सपूर्वायाः प्रथमाया विभाषा** (न, युष्मदस्मदोः षष्ठीचतुर्थीद्वितीयास्थयोः, पदात्, पदस्य)

२७. **तिङो गोत्रादीनि कुत्सनाभक्ष्ण्ययोः** (अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

२८. **तिङ्ङतिङः** (अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

२९. **न लुट्** (तिङ्, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

३०. **निपातैर्यद्यदि-हन्त-कुविन्नेच्चेच्चण्कच्चिद्यत्रयुक्तम्** (न, तिङ्, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

३१. **नह प्रत्यारम्भे** (न, तिङ्, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

३२. **सत्यं प्रश्ने** (न, तिङ्, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

३३. **अङ्गाप्रातिलोम्ये** (न, तिङ्, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

३४. **हि च** (अप्रातिलोम्ये, न, तिङ्, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

३५. **छन्दस्यनेकमपि साकाङ्क्षम्** (हि, तिङ्, न, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

३६. **यावद्यथाभ्याम्** (तिङ्, न, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदस्य, पदात्)

३७. **पूजायां नानन्तरम्** (यावद्यथाभ्याम्, तिङ्, न, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

३८. **उपसर्गव्यपेतं च** (पूजायां नानन्तरम्, यावद्यथाभ्याम्, तिङ्, न, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

३९. **तु-पश्य-पश्यताहैः पूजायाम्** (तिङ्, न, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

४०. **अहो च** (पूजायाम्, तिङ्, न, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

४१. **शेषे विभाषा** (अहो, तिङ्, न, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

४२. **पुरा च परीप्सायाम्** (विभाषा, तिङ्, न, अनुदात्तं सर्वमपादादौ,

पदात्, पदस्य)

४३. **नन्वित्यनुज्ञैषणायाम्** (तिङ्, न, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

४४. **किं क्रियाप्रश्नेऽनुपसर्गमप्रतिषिद्धम्** (तिङ्, न, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

४५. **लोपे विभाषा** (किं क्रियाप्रश्नेऽनुपसर्गमप्रतिषिद्धम्, तिङ्, न, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

४६. **एहिमन्ये प्रहासे लृट्** (तिङ्, न, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

४७. **जात्वपूर्वम्** (तिङ्, न, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

४८. **किंवृत्तं च चिदुत्तरम्** (अपूर्वम्, तिङ्, न, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

४९. **आहो उताहो चानन्तरम्** (अपूर्वम्, तिङ्, न, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

५०. **शेषे विभाषा** (आहो उताहो, अपूर्वम्, तिङ्, न, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

५१. **गत्यर्थ-लोटा लृण्न चेत्कारकं सर्वान्यत्** (तिङ्, न, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

५२. **लोट् च** (गत्यर्थलोटा लृण्न चेत्कारकं सर्वान्यत्, तिङ्, न, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

५३. **विभाषितं सोपसर्गमनुत्तमम्** (लोट्, गत्यर्थलोटा लृण्न चेत्कारकं सर्वान्यत्, तिङ्, न, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदस्य, पदात्)

५४. **हन्त च** (विभाषितं सोपसर्गमनुत्तमम्, लोट्, तिङ्, न, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

५५. **आम एकान्तरमामन्त्रितमनन्तिके** (न अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

५६. **यद्धितुपरं छन्दसि** (तिङ्, न, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

५७. **चन-चिदिव-गोत्रादि-तद्धिताम्रेडितेष्वगतेः** (तिङ्, न, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

५८. **चादिषु च** (अगतेः, न, तिङ्, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

५९. **च-वा-योगे प्रथमा** (न, तिङ्, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

५९. **हेति क्षियायाम्** (प्रथमा, न, तिङ्, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

६०. **अहेति विनियोगे च** (क्षियायाम्, प्रथमा, न, तिङ्, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

६१. **चाहलोप एवेत्यवधारणम्** (प्रथमा, न, तिङ्, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

६२. **चादिलोपे विभाषा** (प्रथमा, न, तिङ्, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

६३. **वैवावेति च च्छन्दसि** (विभाषा, प्रथमा, न, तिङ्, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

६४. **एकान्याभ्यां समर्थाभ्याम्** (छन्दसि, विभाषा, प्रथमा, न, तिङ्, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

६५. **यद्वृत्तान्नित्यम्** (न, तिङ्, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

६६. **पूजनात् पूजितमनुदात्तं** (अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

६७. **सगतिरपि तिङ्** (पूजनात्पूजितम्, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदात्, पदस्य)

६८. **कुत्सने च सुप्यगोत्रादौ** (सगतिरपि तिङ्, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदस्य)

६९. **गतिर्गतौ** (अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदस्य)

७०. **तिङि चोदात्तवति** (गति, अनुदात्तं सर्वमपादादौ, पदस्य)

७१. **आमन्त्रितं पूर्वमविद्यमानवत्** (पदस्य)

७२. **नामन्त्रिते समानाधिकरणे** (आमन्त्रितं पूर्वमविद्यमानवत्, पदस्य)

७३. **सामान्यवचनम् विभाषितं विशेषवचने** (आमन्त्रिते समानाधिकरणे आमन्त्रितं पूर्वमविद्यमानवत्, पदस्य)

द्वितीयः पादः

१. **पूर्वात्रासिद्धम्**

२. **नलोपः सुप्स्वर-संज्ञा-तुग्विधिषु कृति** (असिद्धः)

३. **न मु ने** (असिद्धः)

४. **उदात्त-स्वरितयोर्यणः स्वरितोऽनुदात्तस्य**

५. **एकादेश उदात्तेनोदात्तः** (अनुदात्तस्य)
६. **स्वरितो वाऽनुदात्ते पदादौ** (एकादेश उदात्तेन, अनुदात्तस्य)
७. **नलोपः प्रातिपदिकान्तस्य** (पदस्य)
८. **न ङि-सम्बुद्ध्योः** (नलोपः प्रातिपदिकान्तस्य, पदस्य)
९. **मादुपधायाश्च मतोर्वोऽयवादिभ्यः** (पदस्य)
१०. **झयः** (मतोर्वः, पदस्य)
११. **संज्ञायाम्** (मतोर्वः, पदस्य)
१२. **आसन्दीवदष्ठीवच्चक्रीवत्कक्षीवद्रुमण्वच्चर्मण्वती** (संज्ञायाम्)
१३. **उदन्वानुदधौ च** (संज्ञायाम्)
१४. **राजन्वान्सौराज्ये**
१५. **छन्दसीरः** (मतोर्वः)
१६. **अनो नुट्** (छन्दसि, मतोः)
१७. **नाद् घस्य** (नुट्, छन्दसि)
१८. **कृपो रो लः**
१९. **उपसर्गस्यायतौ** (रो लः)
२०. **ग्रो यङि** (रो लः)
२१. **अचि विभाषा** (ग्रः, रो लः)
२२. **परेश्च घाङ्कयोः** (विभाषा, रो लः)
२३. **संयोगान्तस्य लोपः** (पदस्य)
२४. **रात्सस्य** (संयोगान्तस्य लोपः, पदस्य)
२५. **धि च** (सस्य, लोपः)
२६. **झलो झलि** (सस्य, लोपः)
२७. **ह्रस्वादङ्गात्** (झलि, सस्य, लोपः)
२८. **इट ईटि** (सस्य, लोपः)
२९. **स्कोः संयोगाद्योरन्ते च** (झलि, लोपः, पदस्य)
३०. **चोः कुः** (झलि, अन्ते च, पदस्य)
३१. **हो ढः** (झलि, अन्ते च, पदस्य)
३२. **दादेर्धातोर्घः** (हः, झलि, अन्ते च, पदस्य)
३३. **वा द्रुह-मुह-ष्णुह-ष्णिहाम्** (धातोर्घः, हः, झलि, अन्ते च, पदस्य)
३४. **नहो धः** (धातोः, हः, झलि, अन्ते च, पदस्य)

३५. **आहस्थः** (धातोः, हः, झलि)
३६. **व्रश्च-भ्रस्ज-सृज-मृज-यज-राज-भ्राज-च्छशां षः** (धातोः, झलि, अन्ते च, पदस्य)
३७. **एकाचो बशो भष्झषन्तस्य स्ध्वोः** (धातोः, झलि, अन्ते च, पदस्य)
३८. **दधस्तथोश्च** (बशो भष्झषन्तस्य स्ध्वोः, धातोः, झलि)
३९. **झलां जशोऽन्ते** (पदस्य)
४०. **झषस्तथोर्धोऽधः**
४१. **षढोः कः सि**
४२. **रदाभ्यां निष्ठातो नः पूर्वस्य च दः**
४३. **संयोगादेरातो धातोर्यण्वतः** (निष्ठातो नः)
४४. **ल्वादिभ्यः** (निष्ठातो नः)
४५. **ओदितश्च** (निष्ठातो नः)
४६. **क्षियो दीर्घात्** (निष्ठातो नः)
४७. **श्योऽस्पर्शे** (निष्ठातो नः)
४. **अञ्चोऽनपादाने** (निष्ठातो नः)
४९. **दिवोऽविजिगीषायाम्** (निष्ठातो नः)
५०. **निर्वाणोऽवाते** (निष्ठातो नः)
५१. **शुषः कः** (निष्ठातः)
५२. **पचो वः** (निष्ठातः)
५३. **क्षायो मः** (निष्ठातः)
५४. **प्रस्त्योऽन्यतरस्याम्** (मः, निष्ठातः)
५५. **अनुपसर्गात्फुल्ल-क्षीब-कृशोल्लाघाः** (निष्ठातः)
५६. **नुद-विदोन्द-त्रा-घ्रा-ह्रीभ्योऽन्यतरस्याम्** (निष्ठातो नः)
५७. **न ध्या-ख्या-पॄ-मूर्च्छि-मदाम्** (निष्ठातो नः)
५८. **वित्तो भोग-प्रत्यययोः** (न, निष्ठातो नः)
५९. **भित्तं शकलम्** (न, निष्ठातो नः)
६०. **ऋणमाधमर्ण्ये** (निष्ठातो नः)
६१. **नसत्त-निषत्तानुत्त-प्रतूर्त्त-सूर्त्त-गूर्त्तानि छन्दसि** (न, निष्ठातो नः)
६२. **क्विन्प्रत्ययस्य कुः** (पदस्य)
६३. **नशेर्वा** (कुः, पदस्य)

६४. **मो नो धातोः** (पदस्य)
६५. **म्वोश्च** (मो नो धातोः)
६६. **ससजुषो रुः** (पदस्य)
६७. **अवयाः श्वेतवाः पुरोडाश्च** (पदस्य)
६८. **अहन्** (रुः, पदस्य)
६९. **रोऽसुपि** (अहन्)
७०. **अम्नरूधरवरित्युभयथा छन्दसि** (रः, रुः, पदस्य)
७१. **भुवश्च महाव्याहृतेः** (उभयथा छन्दसि, रः, रुः, पदस्य)
७२. **वसु-स्रंसुध्वंस्वनडुहां दः** (पदस्य)
७३. **तिप्यनस्तेः** (दः, सः, पदस्य)
७४. **सिपि धातो रुर्वा** (दः, सः, पदस्य)
७५. **दश्च** (सिपि धातो रुर्वा, दः, पदस्य)
७६. **र्वोरुपधाया दीर्घ इकः** (धातोः, पदस्य)
७७. **हलि च** (र्वोरुपधाया दीर्घ इकः, धातोः)
७८. **उपधायां च** (हलि, र्वोरुपधाया दीर्घ इकः, धातोः)
७९. **न भ-कुर्छुराम्** (र्वोरुपधायाः दीर्घ इकः, धातोः)
८०. **अदसोऽसेर्दादु दो मः**
८१. **एत ईद् बहुवचने** (अदसोऽसेर्दात् दो मः)
८२. **वाक्यस्य टेः प्लुत उदात्तः** (पदस्य)
८३. **प्रत्यभिवादेऽशूद्रे** (वाक्यस्य टेः प्लुत उदात्तः, पदस्य)
८४. **दूराद्धूते च** (वाक्यस्य टेः प्लुत उदात्तः, पदस्य)
८५. **है-हे-प्रयोगे हैहयोः** (दूराद्धूते, प्लुत उदात्तः, पदस्य)
८६. **गुरोरनृतोऽनन्त्यस्याप्येकैकस्य प्राचाम्** (वाक्यस्य टेः प्लुत उदात्तः, पदस्य)
८७. **ओमभ्यादाने** (प्लुत उदात्तः, पदस्य)
८८. **ये यज्ञकर्मणि** (प्लुत उदात्तः, पदस्य)
८९. **प्रणवष्टेः** (यज्ञकर्मणि, वाक्यस्य प्लुत उदात्तः, पदस्य)
९०. **याज्यान्तः** (यज्ञकर्मणि, वाक्यस्य टेः प्लुत उदात्तः, पदस्य)
९१. **ब्रूहि-प्रेष्य-श्रोषड्-वौषडावहानामादेः** (यज्ञकर्मणि, प्लुत उदात्तः, पदस्य)

९२. **अग्नीत्प्रेषणे परस्य च** (आदेः, यज्ञकर्मणि, प्लुत उदात्तः, पदस्य)
९३. **विभाषा पृष्टप्रतिवचने हेः** (प्लुत उदात्तः, पदस्य)
९४. **निगृह्यानुयोगे च** (विभाषा, वाक्यस्य टेः, प्लुत उदात्तः, पदस्य)
९५. **आम्रेडितं भर्त्सने** (प्लुत उदात्तः)
९६. **अङ्गयुक्तं तिङाकाङ्क्षम्** (भर्त्सने, प्लुत उदात्तः)
९७. **विचार्यमाणानाम्** (वाक्यस्य टेः प्लुत उदात्तः)
९८. **पूर्वं तु भाषायाम्** (विचार्यमाणानाम्, वाक्यस्य टेः, प्लुत उदात्तः, पदस्य)
९९. **प्रतिश्रवणे च** (वाक्यस्य टेः, प्लुत उदात्तः, पदस्य)
१००. **अनुदात्तं प्रश्नान्ताभिपूजितयोः** (वाक्यस्य टेः, प्लुतः, पदस्य)
१०१. **चिदिति चोपमार्थे प्रयुज्यमाने** (अनुदात्तम्, वाक्यस्य टेः, प्लुतः, पदस्य)
१०२. **उपरिस्विदासीदिति च** (अनुदात्तम्, वाक्यस्य टेः, प्लुतः)
१०३. **स्वरितमाम्रेडितेऽसूयासम्मति-कोप-कुत्सनेषु** (टेः, प्लुतः)
१०४. **क्षियाशीःप्रैषेषु तिङाकाङ्क्षम्** (स्वरितम्, टेः, प्लुतः)
१०५. **अनन्त्यस्यापि प्रश्नाख्यानयोः** (स्वरितम्, वाक्यस्य टेः, प्लुतः, पदस्य)
१०६. **प्लुतावैच इदुतौ** (प्लुतः)
१०७. **एचोऽप्रगृह्यस्यादूराद्धूते पूर्वस्यार्धस्यादुत्तरस्येदुतौ** (प्लुतः)
१०८. **तयोर्य्वावचि संहितायाम्** (प्लुतः)

तृतीयः पादः

१. **मतुवसो रु सम्बुद्धौ छन्दसि** (संहितायाम्, पदस्य)
२. **अत्रानुनासिकः पूर्वस्य तु वा** (रुः, संहितायाम्)
३. **आतोऽटि नित्यम्** (अनुनासिकः पूर्वस्य, रुः, संहितायाम्)
४. **अनुनासिकात्परोऽनुस्वारः** (पूर्वस्य, रुः, संहितायाम्)
५. **समः सुटि** (रुः, संहितायाम्, पदस्य)
६. **पुमः खय्यम्परे** (रुः, संहितायाम्, पदस्य)
७. **नश्छव्यप्रशान्** (अम्परे, रुः, संहितायाम्, पदस्य)
८. **उभयथर्क्षु** (नश्छवि, अम्परे, रुः, संहितायाम्, पदस्य)

९. **दीर्घादटि समानपादे** (नः, ऋक्षु, रुः, संहितायाम्, पदस्य)
१०. **नॄन्पे** (नः, रुः, संहितायाम्, पदस्य)
११. **स्वतवान्पायौ** (नः, रुः, संहितायाम्, पदस्य)
१२. **कानाम्रेडिते** (नः, रुः, संहितायाम्, पदस्य)
१३. **ढो ढे लोपः** (संहितायाम्)
१४. **रो रि** (लोपः, संहितायाम्, पदस्य)
१५. **खरवसानयोर्विसर्जनीयः** (रः, संहितायाम्, पदस्य)
१६. **रोः सुपि** (विसर्जनीयः, रः, संहितायाम्)
१७. **भोभगोअघोअपूर्वस्य योऽशि** (रोः, रः, संहितायाम्)
१८. **व्योर्लघुप्रयत्नतरः शाकटायनस्य** (भोभगोअघोअपूर्वस्य अशि, संहितायाम्, पदान्तस्य)
१९. **लोपः शाकल्यस्य** (व्योः, अपूर्वस्य अशि, संहितायाम्, पदस्य)
२०. **ओतो गार्ग्यस्य** (व्योः, लोपः, अशि, संहितायाम्, पदस्य)
२१. **उञि च पदे** (व्योः, अपूर्वस्य लोपः, संहितायाम्)
२२. **हलि सर्वेषाम्** (व्योः, लोपः, भोभगोअघोअपूर्वस्य, संहितायाम्, पदस्य)
२३. **मोऽनुस्वारः** (हलि, संहितायाम्, पदस्य)
२४. **नश्चापदान्तस्य झलि** (मोऽनुस्वारः, संहितायाम्)
२५. **मो राजि समः क्वौ** (मः, संहितायाम्, पदस्य)
२६. **हे मपरे वा** (मः, मः, संहितायाम्, पदस्य)
२७. **नपरे नः** (हे, वा, मः, संहितायाम्, पदस्य)
२८. **ङ्णोः कुक्टुक्शरि** (वा, संहितायाम्, पदस्य)
२९. **डः सि धुट्** (वा, पदस्य, संहितायाम्)
३०. **नश्च** (सि धुट्, वा, पदस्य, संहितायाम्)
३१. **शि तुक्** (नः, वा, पदस्य, संहितायाम्)
३२. **ङमो ह्रस्वादचि ङमुण्नित्यम्** (पदस्य, संहितायाम्)
३३. **मय उञो वो वा** (अचि, संहितायाम्)
३४. **विसर्जनीयस्य सः** (संहितायाम्)
३५. **शर्परे विसर्जनीयः** (विसर्जनीयस्य, संहितायाम्)
३६. **वा शरि** (विसर्जनीयः, विसर्जनीयस्य, संहितायाम्)
३७. **कुप्वोः ≍क ≍पौ च** (विसर्जनीयः, विसर्जनीयस्य, संहितायाम्)

३८. **सोऽपदादौ** (विसर्जनीयस्य, कुप्वोः, संहितायाम्)
३९. **इणः षः** (अपदादौ, विसर्जनीयस्य, कुप्वोः, संहितायाम्)
४०. **नमस्पुरसोर्गत्योः** (सः, विसर्जनीयस्य, कुप्वोः, पदस्य, संहितायाम्)
४१. **इदुदुपधस्य चाप्रत्ययस्य** (षः, विसर्जनीयस्य, कुप्वोः, संहितायाम्)
४२. **तिरसोऽन्यतरस्याम्** (सः, विसर्जनीयस्य, कुप्वोः, पदस्य, संहितायाम्)
४३. **द्विस्त्रिश्चतुरिति कृत्वोऽर्थे** (अन्यतरस्याम्, भाः, विसर्जनीयस्य, कुप्वोः, पदस्य, संहितायाम्)
४४. **इसुसोः सामर्थ्ये** (अन्यतरस्याम्, भाः, विसर्जनीयस्य, कुप्वोः, संहितायाम्)
४५. **नित्यं समासेऽनुत्तरपदस्थस्य** (इसुसोः, भाः, विसर्जनीयस्य, कुप्वोः, संहितायाम्)
४६. **अतः कृ-कमि-कंस-कुम्भ-पात्र-कुशा-कर्णीष्वनव्ययस्य** (नित्यं समासेऽनुत्तरपदस्थस्य, सः, विसर्जनीयस्य, संहितायाम्)
४७. **अधः शिरसी पदे** (नित्यं समासेऽनुत्तरपदस्थस्य, सः, विसर्जनीयस्य, पदस्य, संहितायाम्)
४८. **कस्कादिषु च** (सः, षः, विसर्जनीयस्य, कुप्वोः, पदस्य, संहितायाम्)
४९. **छन्दसि वाऽप्राम्रेडितयोः** (सः, कुप्वोः, पदस्य, संहितायाम्)
५०. **कः-करत्-करति-कृधि-कृतेष्वनदितेः** (छन्दसि, सः, पदस्य, संहितायाम्)
५१. **पञ्चम्याः परावध्यर्थे** (छन्दसि, सः, पदस्य, संहितायाम्)
५२. **पातौ च बहुलम्** (पञ्चम्याः, छन्दसि, सः, पदस्य, संहितायाम्)
५३. **षष्ठ्याः पति-पुत्र-पृष्ठ-पार-पद-पयस्पोषेषु** (छन्दसि, सः, पदस्य, संहितायाम्)
५४. **इडाया वा** (षष्ठ्याः पतिपुत्रपृष्ठपारपदपयस्पोषेषु, छन्दसि, सः, पदस्य, संहितायाम्)
५५. **अपदान्तस्य मूर्धन्यः**
५६. **सहेः साडः सः** (अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
५७. **इण्-कोः**
५८. **नुम्विसर्जनीय-शर्व्यवायेऽपि** (सः, इण्कोः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
५९. **आदेश-प्रत्यययोः** (नुम्विसर्जनीयशर्व्यवायेऽपि, सः, इण्कोः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)

६०. **शासि-वसि-घसीनां च** (सः, इण्कोः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
६१. **स्तौति-ण्योरेव षण्यभ्यासात्** (सः, इण्कोः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
६२. **सः स्विदि-स्वदि-सहीनां च** (णेः, षण्यभ्यासात्, सः, इण्कोः, अपदान्तस्य, संहितायाम्)
६३. **प्राक्सितादड्व्यवायेऽपि** (सः, इण्कोः, अपदान्तस्य, मूर्धन्यः, संहितायाम्)
६४. **स्थादिष्वभ्यासेन चाभ्यासस्य** (प्राक्सितादड्व्यवायेऽपि, सः, इण्कोः, अपदान्तस्य, मूर्धन्यः, संहितायाम्)
६५. **उपसर्गात् सुनोति-सुवति-स्यति-स्तौति-स्तोभति-स्था-सेनय-सेध-सिच-सञ्ज-स्वञ्जाम्** (स्थादिष्वभ्यासेन चाभ्यासस्य, अड्व्यवायेऽपि, सः, इण्कोः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
६६. **सदिरप्रतेः** (उपसर्गात्, स्थादिष्वभ्यासेन चाभ्यासस्य, अड्व्यवायेऽपि, सः, इण्कोः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
६७. **स्तन्भेः** (उपसर्गात्, स्थादिष्वभ्यासेन चाभ्यासस्य, अड्व्यवायेऽपि, सः, इण्कोः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
६८. **अवाच्चालम्बनाविदूर्ययोः** (स्तन्भेः, उपसर्गात्, सः, इण्कोः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
६९. **वेश्च स्वनो भोजने** (अवात्, उपसर्गात्, स्थादिष्वभ्यासेन चाभ्यासस्य, अड्व्यवायेऽपि, सः, इण्कोः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
७०. **परि-नि-विभ्यः सेव-सित-सय-सिवु-सह-सुट्-स्तु-स्वञ्जाम्** (प्राक्सितादड्व्यवायेऽपि, सः, इण्कोः, अपदान्तस्य, उपसर्गात्, स्थादिष्वभ्यासेन चाभ्यासस्य, मूर्धन्यः, संहितायाम्)
७१. **सिवादीनां वाऽड्व्यवायेऽपि** (परिनिविभ्यः, उपसर्गात्, सः, इण्कोः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
७२. **अनु-वि-पर्यभि-निविभ्यः स्यन्दतेरप्राणिषु** (वा, उपसर्गात्, सः, इण्कोः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
७३. **वेः स्कन्देरनिष्ठायाम्** (वा, उपसर्गात्, सः, इण्कोः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
७४. **परेश्च** (स्कन्देः, वा, उपसर्गात्, सः, इण्कोः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)

७५. **परिस्कन्दः प्राच्यभरतेषु**
७६. **स्फुरति-स्फुलत्योर्नि-र्निविभ्यः** (वा, उपसर्गात्, सः, इण्कोः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
७७. **वेः स्कभ्नातेर्नित्यम्** (उपसर्गात्, सः, इण्कोः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
७८. **इणः षीध्वं-लुङ्-लिटां धोऽङ्गात्** (अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
७९. **विभाषेटः** (इणः भाीध्वंलुङ्लिटां धः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
८०. **समासेऽङ्गुलेः सङ्गः** (नुम्विसर्जनीयशर्व्यवायेऽपि, सः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
८१. **भीरोः स्थानम्** (समासे, नुम्विसर्जनीयशर्व्यवायेऽपि, सः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
८२. **अग्नेः स्तुत्-स्तोम-सोमाः** (समासे, नुम्विसर्जनीयशर्व्यवायेऽपि, सः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
८३. **ज्योतिरायुषः स्तोमः** (समासे, नुम्विसर्जनीयशर्व्यवायेऽपि, सः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
८४. **मातृपितृभ्यां स्वसा** (समासे, नुम्विसर्जनीयशर्व्यवायेऽपि, सः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
८५. **मातुःपितुर्भ्यामन्यतरस्याम्** (स्वसा, समासे, नुम्विसर्जनीयशर्व्यवायेऽपि, सः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
८६. **अभि-निसः स्तनः शब्द-संज्ञायाम्** (अन्यतरस्याम्, नुम्विसर्जनीय-शर्व्यवायेऽपि, सः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
८७. **उपसर्गप्रादुर्भ्यामस्तिर्यच्परः** (इण्कोः, नुम्विसर्जनीयशर्व्यवायेऽपि, सः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
८८. **सु-वि-निर्दुर्भ्यः सूपि-सूति-समाः** (नुम्विसर्जनीयशर्व्यवायेऽपि, सः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
८९. **निनदीभ्यां स्नातेः कौशले** (नुम्विसर्जनीयशर्व्यवायेऽपि, सः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
९०. **सूत्रं प्रतिष्णातम्** (सः, मूर्धन्यः, संहितायाम्)
९१. **कपिष्ठलो गोत्रे** (सः, मूर्धन्यः, संहितायाम्)
९२. **प्रष्ठोऽग्रगामिनि** (सः, मूर्धन्यः, संहितायाम्)

९३. **वृक्षासनयोर्विष्टरः** (सः, मूर्धन्यः, संहितायाम्)
९४. **छन्दोनाम्नि च** (विष्टरः, सः, मूर्धन्यः, संहितायाम्)
९५. **गवियुधिभ्यां स्थिरः** (सः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
९६. **विकुशमिपरिभ्यः स्थलम्** (सः, अपदान्तस्य, मूर्धन्यः, संहितायाम्)
९७. **अम्बाम्ब-गो-भूमि-सव्याप-द्वि-त्रि-कु-शेकु-शङ्क्वङ्गु-मञ्जि-पुञ्जि-परमे-बर्हिर्दिव्यग्निभ्यः स्थः** (सः, अपदान्तस्य, मूर्धन्यः, संहितायाम्)
९८. **सुषामादिषु च** (इण्कोः, नुम्विसर्जनीयशर्व्यवायेऽपि, सः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
९९. **एति संज्ञायामगात्** (इण्कोः, नुम्विसर्जनीयशर्व्यवायेऽपि, सः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
१००. **नक्षत्राद्वा** (एति संज्ञायामगात्, इण्कोः, नुम्विसर्जनीयशर्व्यवायेऽपि, सः, अपदान्तस्य मूर्धन्यः, संहितायाम्)
१०१. **ह्रस्वात्तादौ तद्धिते** (इण्कोः, नुम्विसर्जनीयशर्व्यवायेऽपि, सः, मूर्धन्यः, संहितायाम्)
१०२. **निसस्तपतावनासेवने** (सः, मूर्धन्यः, संहितायाम्)
१०३. **युष्मत्तत्ततक्षुःष्वन्तःपादम्** (तादौ, इण्कोः, नुम्विसर्जनीयशर्व्यवायेऽपि, सः, मूर्धन्यः, संहितायाम्)
१०४. **यजुष्येकेषाम्** (युष्मत्तत्ततक्षुःषु, तादौ, इण्कोः, नुम्विसर्जनीयशर्व्यवायेऽपि, सः, मूर्धन्यः, संहितायाम्)
१०५. **स्तुतस्तोमयोश्छन्दसि** (एकेषाम्, इण्कोः, नुम्विसर्जनीयशर्व्यवायेऽपि, सः, अपदान्तस्य, मूर्धन्यः, संहितायाम्)
१०६. **पूर्वपदात्** (छन्दसि एकेषाम्, इण्कोः, नुम्विसर्जनीयशर्व्यवायेऽपि, सः, अपदान्तस्य, मूर्धन्यः, संहितायाम्)
१०७. **सुञः** (पूर्वपदात्, छन्दसि एकेषाम्, इण्कोः, नुम्विसर्जनीयशर्व्यवायेऽपि, सः, अपदान्तस्य, मूर्धन्यः, संहितायाम्)
१०८. **सनोतेरनः** (पूर्वपदात्, छन्दसि, अपदान्तस्य, इण्कोः, नुम्विसर्जनीय-शर्व्यवायेऽपि, सः, अपदान्तस्य, मूर्धन्यः, संहितायाम्)
१०९. **सहेः पृतनर्ताभ्यां च** (पूर्वपदात्, छन्दसि, अपदान्तस्य, इण्कोः, नुम्विसर्जनीयशर्व्यवायेऽपि, सः, अपदान्तस्य, मूर्धन्यः, संहितायाम्)
११०. **न रपर-सृपि-सृजि-स्पृशि-स्पृहि-सवनादीनाम्** (अपदान्तस्य, इण्कोः,

नुम्विसर्जनीयश- र्व्यवायेऽपि, सः, अपदान्तस्य, मूर्धन्यः, संहितायाम्)

१११. **सात्पदाद्योः** (न, अपदान्तस्य, इण्कोः, नुम्विसर्जनीयशर्व्यवायेऽपि, सः, अपदान्तस्य, मूर्धन्यः, संहितायाम्)

११२. **सिचो यङि** (न, अपदान्तस्य, इण्कोः, सः, अपदान्तस्य, मूर्धन्यः, संहितायाम्)

११३. **सेधतेर्गतौ** (न, अपदान्तस्य, इण्कोः, सः, अपदान्तस्य, मूर्धन्यः, संहितायाम्)

११४. **प्रतिस्तब्ध-निस्तब्धौ च** (न, अपदान्तस्य, इण्कोः, सः, अपदान्तस्य, मूर्धन्यः, संहितायाम्)

११५. **सोढः** (न, अपदान्तस्य, इण्कोः, सः, अपदान्तस्य, मूर्धन्यः, संहितायाम्)

११६. **स्तम्भु-सिवु-सहां चङि** (न, अपदान्तस्य, इण्कोः, सः, अपदान्तस्य, मूर्धन्यः, संहितायाम्)

११७. **सुनोतेः स्यसनोः** (न, अपदान्तस्य, इण्कोः, सः, अपदान्तस्य, मूर्धन्यः, संहितायाम्)

११८. **सदेः परस्य लिटि** (न, अपदान्तस्य, इण्कोः, सः, अपदान्तस्य, मूर्धन्यः, संहितायाम्)

११९. **निव्यभिभ्योऽड्व्यवाये वा छन्दसि** (न, अपदान्तस्य, इण्कोः, सः, अपदान्तस्य, मूर्धन्यः, संहितायाम्)

चतुर्थः पादः

१. **रषाभ्यां नो णः समानपदे** (संहितायाम्)

२. **अट्-कु-प्वाङ्-नुम्व्यवायेऽपि** (रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)

३. **पूर्वपदात्संज्ञायामगः** (अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)

४. **वनं पुरगा-मिश्रका-सिध्रका-सारिका-कोटराग्रेभ्यः** (पूर्वपदात्संज्ञायाम्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)

५. **प्रनिरन्तःशरेक्षुप्लक्षाम्रकार्ष्य-खदिर-पीयूक्षाभ्योऽसंज्ञायामपि** (पूर्वपदात्, वनम्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)

६. **विभाषौषधि-वनस्पतिभ्यः** (पूर्वपदात्, वनम्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)

७. **अह्नोऽदन्तात्** (पूर्वपदात्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः,

संहितायाम्)

८. **वाहनमाहितात्** (पूर्वपदात्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)

९. **पानं देशे** (पूर्वपदात्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)

१०. **वा भावकरणयोः** (पानम्, पूर्वपदात्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)

११. **प्रातिपदिकान्त-नुम्विभक्तिषु च** (वा, पूर्वपदात्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)

१२. **एकाजुत्तरपदे णः** (प्रातिपदिकान्तनुम्विभक्तिषु, पूर्वपदात्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, संहितायाम्)

१३. **कुमति च** (प्रातिपदिकान्तनुम्विभक्तिषु, पूर्वपदात्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)

१४. **उपसर्गादसमासेऽपि णोपदेशस्य** (अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)

१५. **हिनुमीना** (उपसर्गात्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)

१६. **आनि लोट्** (उपसर्गात्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)

१७. **नेर्गद-नद-पत-पद-घु-मा-स्यति-हन्ति-याति-वाति-द्राति-प्साति-वपति-वहति-शाम्यति-चिनोति-देग्धिषु च** (उपसर्गात्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)

१८. **शेषे विभाषाऽकखादावषान्त उपदेशे** (नेः, उपसर्गात्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)

१९. **अनितेरन्तः** (उपसर्गात्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)

२०. **उभौ साभ्यासस्य** (अनितेः, उपसर्गात्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)

२१. **हन्तेरत्पूर्वस्य** (उपसर्गात्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)

२२. **वमोर्वा** (हन्तेरत्पूर्वस्य, उपसर्गात्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां

नो णः, संहितायाम्)
२३. **अन्तरदेशे** (हन्तेरत्पूर्वस्य, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)
२४. **अयनं च** (अन्तरदेशे, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)
२५. **छन्दस्यृदवग्रहात्** (अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)
२६. **नश्च धातुस्थोरुषुभ्यः** (छन्दसि, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)
२७. **उपसर्गादनोत्परः** (नः, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)
२८. **कृत्यचः** (उपसर्गात्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)
२९. **णेर्विभाषा** (कृत्यचः, उपसर्गात्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)
३०. **हलश्चेजुपधात्** (विभाषा, कृत्यचः, उपसर्गात्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)
३१. **इजादेः सनुमः** (हलः, कृत्यचः, उपसर्गात्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)
३२. **वा निंसनिक्षनिन्दाम्** (कृत्यचः, उपसर्गात्, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)
३३. **न भा-भू-पू-कमि-गमि-प्यायीवेपाम्** (कृत्यचः, उपसर्गात्, अट्कुप्वाङ्-नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)
३४. **षात्पदान्तात्** (न, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)
३५. **नशेः षान्तस्य** (न, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)
३६. **पदान्तस्य** (न, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)
३७. **पदव्यवायेऽपि** (न, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)
३८. **क्षुभ्नादिषु च** (न, अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि, रषाभ्यां नो णः, संहितायाम्)
३९. **स्तोः श्चुना श्चुः** (संहितायाम्)
४०. **ष्टुना ष्टुः** (स्तोः, संहितायाम्)
४१. **न पदान्ताट्टोरनाम्** (स्तोः, ष्टुः, संहितायाम्)
४२. **तोः षि** (न, संहितायाम्)

४३. **शात्** (तोः, न, संहितायाम्)
४४. **यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा** (पदान्तात्, संहितायाम्)
४५. **अचो रहाभ्यां द्वे** (यरो वा, संहितायाम्)
४६. **अनचि च** (अचो द्वे, यरो वा, संहितायाम्)
४७. **नादिन्याक्रोशे पुत्रस्य** (द्वे, संहितायाम्)
४८. **शरोऽचि** (न, द्वे, संहितायाम्)
४९. **त्रिप्रभृतिषु शाकटायनस्य** (न, द्वे, संहितायाम्)
५०. **सर्वत्र शाकल्यस्य** (न, द्वे, संहितायाम्)
५१. **दीर्घादाचार्याणाम्** (न, द्वे, संहितायाम्)
५२. **झलां जश् झशि** (संहितायाम्)
५३. **अभ्यासे चर्च** (झलां जश्, संहितायाम्)
५४. **खरि च** (झलां चर्, संहितायाम्)
५५. **वावसाने** (झलां चर्, संहितायाम्)
५६. **अणोऽप्रगृह्यस्यानुनासिकः** (वावसाने, संहितायाम्)
५७. **अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः** (संहितायाम्)
५८. **वा पदान्तस्य** (अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः, संहितायाम्)
५९. **तोर्लि** (परसवर्णः, संहितायाम्)
६०. **उदः स्थास्तम्भोः पूर्वस्य** (सवर्णः, संहितायाम्)
६१. **झयो होऽन्यतरस्याम्** (पूर्वस्य, सवर्णः, संहितायाम्)
६२. **शश्छोऽटि** (झयोऽन्यतरस्याम्, संहितायाम्)
६३. **हलो यमां यमि लोपः** (अन्यतरस्याम्, संहितायाम्)
६४. **झरो झरि सवर्णे** (हलः लोपः, अन्यतरस्याम्, संहितायाम्)
६५. **उदात्तादनुदात्तस्य स्वरितः**
६६. **नोदात्त-स्वरितोदयमगार्ग्यकाश्यपगालवानाम्** (अनुदात्तस्य स्वरितः)
६७. **अ अ**

प्रपरापसमव निर्दुरभिव्यतिसूदति निप्रतिपर्यपयः।
उप आङिति विंशतिरेष सखे उपसर्गगणाः कथितः कविना।।

पितः पातु विमलां तामार्षलताम् ।।

पाणिनिमुनिना व्यकृतिखनिना
अतिमतिधनिना हि पतञ्जलिना
मेधया मलया वीहिताति सेवाम् ।।१।।

व्याकरणारुणैर्भूतपोहरणैः
विरजानन्दचरणैरार्षत्वभरणैः
भुविभूयो भूषितां सुहितां नितराम् ।।२।।

देवदयानन्दैरानन्दकन्दैः
वेदविद्यावन्तैः तद्रसस्यन्दैः
लालितां पालितां तामतिसुफलाम् ।।३।।

जगदेकधातः सर्वदापातः
विश्वज्ञानदातः समाशमत्रातः
पुष्पितां फलितां कुरुश्रुतिवाटिकाम् ।।४।।

लज्जा-सत्ता-स्थिति-जागरणं वृद्धि-क्षय-भय-जीवित-मरणम्।
नर्तन-निद्रा-रोदन-वासाः स्पर्धा-कम्पन-मोदन-हासा।
शयन-क्रीडा-रुचि-दीप्त्यर्थाः धातव एते कर्मणि नोक्ताः।।

लट् वर्तमाने लेट् वेदे भूते लुङ्-लङ्-लिटस्तथा।
विध्याशिषोस्तु लिङ्लोटौ लुट्-लृट्-लृङ् च भविष्यतः।।

शत्रूनगमयत्स्वर्गं वेदार्थं स्वानवेदयत्।
आशयच्चामृतं देवान्वेदमध्यापयद्विधिम्।
आसयत्सलिले पृथ्वीं यः स मे श्रीहरिर्गतिः।।

इदमस्तु सन्निकृष्टं समीपतरवर्ति चैतदो रूपम्।
अदसस्तु विप्रकृष्टं तदिति परोक्षेविजानीयात्।।

यल्लिङ्गं यद्वचनं या च विभक्तिर्विशेष्यस्य।
तल्लिङ्गं तद्वचनं सा च विभक्तिर्विशेषणस्यापि।।

द्वन्द्वो द्विगुरुरपि चाऽहं मद्गृहे नित्यमव्ययीभावः।
तत्पुरुष कर्मधारय येनाऽहं स्यां बहुव्रीहिः।।

विद्या ह वै ब्राह्मणमा जगाम गोपाय मा शेवधिष्टेऽहमस्मि।
असूयकायानृजवेऽयताय न मा ब्रूया वीर्यवती तथा स्याम्।।१।।
य आतृणत्त्यवितथेन कर्णावदुःखं कुर्वन्नमृतं सम्प्रयच्छन्।
तं मन्येत पितरं मातरं च तस्मै न द्रुह्येत्कतमच्चनाह।।२।।
अध्यापिता ये गुरुं नाद्रियन्ते विप्रा वाचा मनसा कर्मणा वा।
यथैव ते न गुरोर्भोजनीयास्तथैव तान्न भुनक्ति श्रुतं तत्।।३।।
यमेव विद्याः शुचिमप्रमत्तं मेधाविनं ब्रह्मचर्योपपन्नम्।
यस्ते न द्रुह्येत्कतमच्चनाह तस्मै मा ब्रूया निधिपाय ब्रह्मन्।।४।।

वैदिक-शिक्षा-पाठ्यक्रम

१. **आरम्भ** = अ) अष्टाध्यायी व्याकरण भाग- पाणिनी कृत ब) महाभाष्य।

२. **मध्यम** = अ) निघण्टु, शब्द कोष ज्ञान- यास्क कृत। ब) निरुक्त।

३. **मध्य** = अ) छन्द ग्रन्थ पिंगलाचार्य कृत, ब) ग्रन्थ रचना प्रक्रिया, स) मनुस्मृति, वाल्मिकीय रामायण, महाभारत, उद्योग पर्वान्तर्गत विदुर नीति।

४. **उच्च** = अ) पंचदर्शन- मीमांसा, वैशेषिक, न्याय, योग, सांख्य। ब) दशोपनिषद- ईश, केन, कठ, प्रश्न, मुण्डक, माण्डूक्य, ऐतरेय, तैत्तिरीय। स) वेदान्त दर्शन- छान्दोग्य, बृहदारण्यक। द) छः शास्त्र- अंगादि। ई) ब्राह्मण- ऐतरेय, शतपथ, साम, गोपथ।

५. **उच्चतर** = वेद एवं आधुनिक विज्ञान।

६. **उच्चतम** = इनका जीवन में अवतरण प्रयास एवं आधुनिक विज्ञान से समन्वय।

वैदिक शिक्षण का उद्देश्य इहलौकिक समृध्दि द्वारा मृत्यु को पार करने के पश्चात आध्यात्मिक समृध्दि द्वारा अमृत की प्राप्ति है। क्योंकि मात्र इहलौकिक समृध्दि अन्धे के समान है तथा मात्र आध्यात्मिक समृध्दि लंगडे के समान है। इसलिए वैदिक शिक्षा का उद्देश्य इहलौकिक तथा आध्यात्मिक का जीवन में सन्तुलित संयमन है।

आर्ष शोध संस्थान, अलियाबाद एक परिचय..

लगभग नौ वर्षां तक बोईनपल्ली आर्य समाज सिकन्दराबाद में अत्यन्त निष्ठा एवं परिश्रम से आचार्याओं को तैयार करके उनके नेतृत्व में संवत् २०५५ वि. में शिवरात्रि के दिन, तदनुसार १६/२/१९९९ ई. को अलियाबाद ग्राम में आर्ष-शोध-संस्थान नाम से एक कन्या गुरुकुल का शिलान्यास किया गया। स्वल्प समय में ही न्यूनतम आवासीय निर्माणकार्य को पूरा करके संवत् २०५७ वि. में दीपावली के दिन, तदनुसार २७/१०/२००० ई. को नए भवन में अध्ययन-अध्यापन प्रारम्भ हुआ।

इस संस्थान/गुरुकुल में महर्षि दयानन्द सरस्वती द्वारा सत्यार्थ प्रकाश आदि पुस्तकों में निर्दिष्ट पाठविधि के अनुसार आर्ष पद्धति से अध्यापन होता है। इससे अल्पकाल में ही पाणिनीय-व्याकरण, निरुक्त, षडदर्शन तथा अन्य वेद-वेदांगादि विषयों की पारंगत विदुषियाँ एवं आदर्श महिलाएं तैयार हो सकें। वैदिक विद्वानों की निरन्तर होती जा रही कमी को यथासम्भव पूरा किया जा सके। वैदिक एवं ऋषियों की विद्या का देश-विदेश में व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके तथा प्राचीन वैदिक-ग्रन्थों के विभिन्न भाषाओं में प्रामाणिक भाष्य हो सकें।

अध्यात्म प्रधान जीवन व्यतीत करते हुए सात्विक आहार, प्रतिदिन संधिवेला में संध्या-अग्निहोत्र तथा आर्ष ग्रन्थों का अत्यन्त उत्साह एवं परिश्रम से अध्ययन-अध्यापन यह कन्या गुरुकुल की विशेषता है। आर्ष पाठविधि से अध्ययन-अध्यापन के अतिरिक्त इस संस्थान/गुरुकुल की अन्य विशेषताएं हैं- क) आवास, भोजन, वस्त्र, पुस्तकें, एवं अध्यापन आदि की समान निःशुल्क व्यवस्था। ख) संस्कृत सम्भाषण। ग) आध्यात्मिक प्रशिक्षण। घ) पौरोहित्य प्रशिक्षण। ङ) भविष्य में किए जानेवाले अनुसंधान आदि को ध्यान में रखकर छात्राओं को संगणक यन्त्र का प्रशिक्षण (कम्प्यूटर ट्रेनिग) आदि। ... **आचार्य आनन्दप्रकाशः**

पाणिनीया पाठशाला,
बिंजराजका वटुक विकास केन्द्र,
अलियाबाद, तेलंगाणा- एक परिचय..

आचार्य भवभूति जी, जो १८ वर्षों तक पहाड़गंज दिल्ली में गुरुकुल का सफल संचालन अनुभव प्राप्त करके २००४ ईस्वी में अलियाबाद तेलंगाणा में वटुक विकास केन्द्र नाम से स्थापना कर सफल संचालन कर रहे हैं। गत तीन वर्ष से पाणिनीया पाठशाला नाम से आर्ष पाठ्यक्रम का विभाग भी खोला गया है.. जिसमें अष्टाध्यायी क्रम से महर्षि दयानन्द निर्दिष्ट विधि से अध्यापन व्यवस्था है। हैदराबाद निवासी बिंजराजका परिवार द्वारा स्थान एवं आवास की व्यवस्था गुरुकुल को निःशुल्क प्राप्त है। वर्तमान में यहाँ नेपाल से तथा भारत के कई प्रान्तों से छोटे-बड़े बालक अध्ययनरत हैं।

पांच वर्ष की आयु से ही यहाँ बालक का प्रवेश होता है। आठवीं कक्षा तक की परीक्षाएँ यहीं विद्यालय में ली जाती हैं तथा नौवीं से आगे की परीक्षाएँ सरकारमान्य संस्थाओं से दिलवाई जाती हैं। इस गुरुकुल में आधुनिक विषयों में से अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, इतिहास हिन्दी एवं तेलगु भाषाज्ञान के साथ ही आदर्श वैदिक दिनचर्या जिसमें प्रतिदिन ध्यान-आसन-व्यायाम-प्राणायाम, दोनों समय अग्निहोत्र, वेदपाठ, श्लोकगायन, वैदिक ग्रन्थों का स्वाध्याय, आत्मनिरीक्षण प्रवचनाभ्यास आदि कराया जाता है। शुद्ध शाकाहारी भोजन, गुरुकुल की गोशाला से गायों का दूध, फलादि सात्विक एवं पौष्टिक भोज्य वटुकों को प्राप्त होता है।

बिना किसी सरकारी अनुदान से चलनेवाले इस गुरुकुल के लिए दानी महानुभावों से सहायता की अपेक्षा की जाती है..!! सहायेच्छु महानुभाव कृपया ६३६०७६२६४५ इस दूरभाष पर आचार्य जी से सम्पर्क कर सकेंगे। ...**"आर्यवीर"**